# स्वतंत्र मत


स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।


**मौसम**
अधिकतम तापमान 32.8°C
न्यूनतम तापमान 26.0°C
सूर्योदय - 5.43 | सूर्यास्त - 6.50

आग से युवक की मौत के मामले में ... ⏩ 4

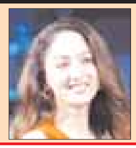
संदीपा धर ने साझा किया लेग-डे वॉर्म-अप ... ⏩ 7

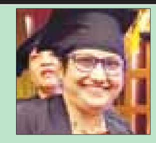
अनुराधा काबरा का दिल्ली में सम्मान ... ⏩ 8


# मुंबई इन्वेस्टर्स मीट से ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को मिलेगी नई रफ्तार

मुंबई/भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया की गरिमामयी उपस्थिति में मुंबई में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन इन्वेस्टर्स मीट एवं रोडशो का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर दूरसंचार विभाग के सचिव अमित अग्रवाल और मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई भी मौजूद रहे। टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन इन्वेस्टर्स मीट ग्वालियर में स्थापित भारत के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को निवेश दिलाने की दिशा में बड़ा कदम है। मुंबई रोडशो का उद्देश्य उद्योग जगत से नए निवेश आकर्षित करना। ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में 10,000 करोड़ रुपए से अधिक निवेश का लक्ष्य है। इससे पहले नई दिल्ली में हुई पहली इन्वेस्टर्स राउंडटेबल में 3,500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले थे। पहले चरण के निवेश से लगभग 14,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार की संभावना। मुंबई मीट में देश की प्रमुख टेलीकॉम, टेक्नोलॉजी, कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों ने भागीदारी की है। इनमें एचएफसीएल, डिक्सन, वीवीडीएन सहित कई अग्रणी कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई है। यह मीट भारत को वैश्विक टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। साथ ही 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को नई गति देने का प्रयास भी है। इस मीट में बड़े पैमाने पर निवेश, विनिर्माण क्षमता बढ़ाने और रोजगार सृजन पर फोकस किया गया है। मुंबई इन्वेस्टर्स मीट से ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि- मध्यप्रदेश की पारदर्शी नीतियां, बेहतर आधारभूत संरचना और सुशासन निवेशकों का विश्वास लगातार मजबूत कर रहे हैं। आइए, मध्यप्रदेश की विकास यात्रा में भागीदार बनें और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें।

## निवेशकों की उम्मीद पर खरा उतरेंगे

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के साथ मध्यप्रदेश भी तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश आज उद्योगपतियों के भरोसे का सबसे मजबूत निवेश गंतव्य बन चुका है। राज्य सरकार ने निवेशकों के लिए उद्योग-अनुकूल और भविष्यवादी नीतियां तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि, हमारा विश्वास है कि मध्यप्रदेश निवेशकों की हर उम्मीद पर खरा उतरेगा। रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव ने निवेश को प्रदेश के हर क्षेत्र तक पहुंचाने का काम किया। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को देश-विदेश के उद्योग जगत से अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला है।

## उद्योगों के लिए भरोसेमंद साझेदार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि- इन्वेस्टर्स समिट के निवेश प्रस्ताव अब धरातल पर उतर रहे हैं और उद्योगों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। मध्यप्रदेश केवल निवेश आमंत्रित नहीं कर रहा, बल्कि उद्योगों के लिए भरोसेमंद साझेदार बन रहा है। ग्वालियर का टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन नए भारत की औद्योगिक शक्ति का प्रतीक बनेगा। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर भारत को वैश्विक टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और आधुनिक तकनीक आधारित उद्योग विकसित किए जाएंगे। सरकार की प्राथमिकता है- निवेश आसान हो, उद्योग तेजी से लगें और रोजगार के नए अवसर बनें।

### तमिलनाडु में उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार

**चेन्नई।** तमिलनाडु पुलिस ने विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उदयनिधि को अपने साथ ले कर निकली तो हंगामा हो गया। समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प की तस्वीरें सामने आ रही हैं। उदयनिधि को तंजावुर ले जाया जा सकता है। गिरफ्तारी के लिये पहुंची पुलिस और उदयनिधि के परिजनों की बहस भी हुई है। कावेरी जल विवाद को लेकर तंजावुर में आयोजित एक रैली के दौरान विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने अभिनेत्री तृषा से जुड़ी एक टिप्पणी की थी।

### एअर इंडिया की फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी, 17 घायल

**नई दिल्ली।** थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया फ्लाइट एआई2379 मंगलवार को टर्बुलेंस, यानी तेज हवा के झटकों में फंस गई। अचानक 300 फीट तक नीचे आ गई। हालांकि, पायलट ने स्थिति संभाली और फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह 11.07 बजे सुरक्षित उतार लिया। प्लेन में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर्स सवार थे। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि घटना में 13 यात्री और 4 क्रू मेंबर्स समेत 17 लोग घायल हुए हैं। सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इनमें से 5 को इलाज के बाद घर भेज दिया गया। बाकी भर्ती हैं।

### ठेकेदार की 5 करोड़ 40 लाख की बैंक गारंटी राजसात

**भोपाल।** मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी ने बुधनी अधोसंरचना विकास परियोजना में कार्यों की धीमी प्रगति एवं संविदा की शर्तों के लगातार उल्लंघन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संविदाकार मेसर्स जेएससी आईए वोजरोज़्देनिये इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं मेसर्स काश्यपी इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड (संयुक्त उपक्रम) के विरुद्ध कार्रवाई की है। कंपनी के प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे के निर्देश पर ठेकेदार का अनुबंध समाप्त करते हुए उसे एक वर्ष के लिए ब्लैकलिस्ट किया है। 5 करोड़ 40 लाख रुपए की बैंक गारंटी राजसात की है।

कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट ने खोली पोल

# इथेनॉल...क्रांति या छलावा?

नई दिल्ली

देश के राजनीतिक और आर्थिक गलियारों में इन दिनों इथेनॉल को लेकर हर तरफ चर्चा है. नीतिगत कमरों में बैठे अर्थशास्त्रियों से लेकर सरकार समर्थित किसान संगठनों तक, सभी एक ही सुर में दावा कर रहे हैं कि देश का किसान अब केवल पेट भरने वाला 'अन्नदाता' नहीं, बल्कि गाड़ियों में ईंधन भरने वाला 'ऊर्जादाता' बन चुका है. प्रचार यह है कि इथेनॉल नीति ने किसानों की तकदीर बदल दी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सच है? या फिर 'ऊर्जादाता' के इस आकर्षक आवरण के पीछे खेत में हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले किसान की कड़वी सच्चाई को ढका जा रहा है? क्या इथेनॉल की यह नीति वाकई किसान की आय बढ़ाने के लिए है, या फिर यह किसानों के नाम पर चीनी मिलों और कॉर्पोरेट कंपनियों के मुनाफे को चमकाने का नया जरिया है? इन सवालों की हकीकत किसी राजनीतिक बयानबाजी में नहीं, बल्कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय की फाइलों में दर्ज है. मंत्रालय की अपनी रिपोर्ट और 'एगमार्कनेट' के आंकड़े इस तथाकथित 'इथेनॉल क्रांति' के दावों की पोल खोलते हैं. इथेनॉल नीति का सबसे बड़ा ढिंढोरा मक्के की फसल को लेकर पीटा गया था. किसानों को ये कहा कि मक्के की खूब पैदावार करो, मुंहमांगा दाम मिलेगा क्योंकि देश को इथेनॉल की जरूरत है. किसानों ने भी सरकार पर भरोसा जताते हुए मक्के का बंपर उत्पादन कर डाला. लेकिन बदले में बाजार से उन्हें क्या मिला. कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2025 से अगस्त 2026 तक 18 महीनों में एक भी महीना ऐसा नहीं रहा, जब मंडियों में मक्के का औसत भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य की रेखा को छू पाया हो. एमएसपी से कम दाम मिलने का मतलब है फसलों को घाटे के दाम पर बेचना. स्थिति तब और चिंताजनक हो गई जब नवंबर 2025 में कृषि नीति की बड़ी विफलता सामने आई. इस दौरान रुस्क बढ़कर 2,400 रुपए प्रति क्विंटल तो हुआ, लेकिन मंडियों में मक्के के दाम गिरकर महज 1,634.74 रुपए प्रति क्विंटल रह गए, जिससे किसानों को प्रति क्विंटल सीधे 765 रुपए की चपत लगी. मक्का किसानों की यह बदहाली आज अगस्त 2026 में भी बदस्तूर जारी है, जहां मंडियों में मक्का 2,008.69 रुपए प्रति क्विंटल के आसपास बिक रहा है, जो तय सरकारी दाम से करीब 391 रुपए कम है.

## इथेनॉल पर सवाल

देश में इथेनॉल की भारी मांग के बावजूद बीते डेढ़ साल से मंडियों में मक्के के भाव लगातार गिरे हुए हैं, जिसका सीधा कारण सरकार की नीतियां हैं. दरअसल, इथेनॉल निर्माताओं की उत्पादन लागत घटाने के लिए सरकार ने भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से महज 23.20 रुपए प्रति किलो के बेहद रियायती दर पर कंपनियों को चावल दे दिया जो कि किसानों से खरीदे गए धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी कम था. जब डिस्टिलरीज़ को बैठे-बिठाए सरकार से इतना सस्ता चावल मिलने लगा, तो उन्होंने मंडियों से किसानों का मक्का खरीदना ही बंद कर दिया. ऊपर से उद्योगपतियों के दबाव में मक्के के आयात में भी छूट दे दी गई. इस पूरी साठगांठ का नतीजा यह निकला कि इथेनॉल कंपनियों की कमाई तो सुरक्षित रही, लेकिन मक्का किसान मंडियों में व्यापारियों के हाथों औने-पौने दामों पर लुटने को मजबूर हो गया.

## गन्ना किसानों को इंतजार

मक्के के अलावा देश का गन्ना किसान भी इथेनॉल क्रांति का एक ऐसा शिकार है, जिसे उसके वाजिब हक से दूर रखा जा रहा है. एक तरफ चीनी मिलें गन्ने के रस और 'बी-हैवी मोलासेस' (शीरे) से बड़े पैमाने पर इथेनॉल बनाकर तेल कंपनियों को बेच रही हैं और मोटा मुनाफा कमा रही हैं, वहीं दूसरी तरफ इस बड़ी कमाई में किसान का हिस्सा शून्य है. गन्ने का मूल्य तय करने के मौजूदा सरकारी फॉर्मूले में इथेनॉल से होने वाले मुनाफे को शामिल ही नहीं किया गया है. आज भी कीमत तय करने का एकमात्र पैमाना पुराना 'शुगर रिकवरी' (चीनी की मात्रा) ही बना हुआ है. गन्ना किसान अब सरकार और मिल मालिकों से 'इथेनॉल प्रीमियम' या अतिरिक्त बोनस की मांग कर रहे हैं, ताकि उनकी फसल से कमाए जा रहे अतिरिक्त मुनाफे में उन्हें भी बराबरी का हिस्सेदार बनाया जा सके. अब सवाल यह है कि समय पर भुगतान पाना किसान का कानूनी अधिकार है या कोई एहसान. आखिर मुनाफे का पैसा मिल मालिकों की जेब में क्यों जा रहा है, किसानों को उनका हिस्सा कब मिलेगा?

## मुनाफे में हिस्सेदारी से कब?

केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों से एक बात साफ हो जाती है कि भारत की इथेनॉल नीति पूरी तरह से उद्योग-केंद्रित है. इथेनॉल से मिलने वाले लाभ में किसानों की कोई हिस्सेदारी नहीं है. सरकार ने ऐसा चक्रव्यूह रचा है जिसमें रिस्क पूरी तरह से किसान का है और रिटर्न पूरी तरह से इथेनॉल कंपनियों का. किसान ने मक्का का उत्पादन बढ़ाकर अपना फर्ज पूरा किया, लेकिन नीतिगत खामियों, सस्ते चावल की डंपिंग और मक्के के आयात जैसे फैसले ने उसकी कमर तोड़ दी. जब तक सरकार मंडियों में मक्के की पूरी फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की कानूनी गारंटी नहीं देती और गन्ने के दाम तय करने में इथेनॉल से होने वाली कमाई का हिस्सा किसानों को बोनस के रूप में नहीं सौंपती, तब तक अन्नदाता से ऊर्जादाता का यह बहुचर्चित नारा महज़ इथेनॉल कंपनियों के प्रचार का एक ज़रिया बना रहेगा. संक्षेप में कहें तो, इथेनॉल नीति ने मक्के की मांग तो पैदा की है, लेकिन असमान बाजार व्यवस्था और सुस्त खरीद तंत्र के चलते इसका आर्थिक लाभ हर किसान तक पहुंचने में पूरी तरह नाकाम रहा है.

# मध्यप्रदेश सरकार शुरू करेगी 'कवच' योजना

## 5 हजार से अधिक किसानों के हित में बड़ा निर्णय

**भोपाल (स्वतंत्र मत)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मुख्यमंत्री ने किसान कल्याण को सर्वाधिक महत्व देते हुए सहकारिता विभाग की 'कवच' योजना को मंजूरी दी, जिससे सहकारिता विभाग के लगभग 5 हजार किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। मंत्रि-परिषद ने सहकारिता विभाग की 'कवच' योजना को अनुमोदित किया। यह योजना ऐसे किसानों के लिए है, जिनके ऋण खाते में गड़बड़ियां हुई हैं और जांच में देरी की वजह से किसान सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। अब ऐसे किसानो को मुख्य धारा में लाकर योजना के तहत नया ऋण मिल सकेगा। प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अपैक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों द्वारा अपने स्तर से 50 करोड़ रूपये की सीमा तक की नीधि का निर्माण किया जायेगा। राज्य सरकार भी किसान हित में 25 करोड़ रूपये की अंशपूजी की सहायता एक बार उपलब्ध करायेगी। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 32,070 करोड़ रुपये की योजनाओं और प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए जिला एवं सिविल अस्पतालों व औषधालयों के सुचारू संचालन के लिए 12 हजार 517.99 करोड़ रुपये, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुँच बढ़ाने के लिए 11 हजार 812.02 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने व लैब नेटवर्क निर्माण के लिए 2,449 करोड़ रुपये तथा मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोगों के प्रभावी नियंत्रण के लिए 1,705 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। बैठक में प्रदेश के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएँ और स्टेडियम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेल अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,460 करोड़ 57 लाख रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई। ई-गवर्नेंस को मजबूती देने के क्रम में स्टेट डाटा सेन्टर के उन्नयन, परिचालन एवं संधारण के लिए 1 हजार 99 करोड़ 58 लाख रुपये मंजूर किए गए। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक, उच्च श्रेणी, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के हित में निर्णय लेते हुए 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 1 जुलाई 2023 से चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान देने का अनुमोदन भी किया गया।

# डिजिटल अरेस्ट! आरबीआई म्यूल अकाउंट्स पर एसओपी बनाए: सुको

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट स्कैम के बढ़ते मामलों को देखते हुए देशभर के लिए निर्देश जारी किए हैं। कोर्ट ने भारतीय रिजर्व बैंक को चार हफ्ते में म्यूल अकाउंट्स पर एक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार करने को कहा है। साथ ही, देश भर में साइबर धोखाधड़ी रोकने के तंत्र को तेजी से लागू करने को कहा है। म्यूल अकाउंट ऐसा बैंक खाता होता है जिसका उपयोग अपराधी ठगी, मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध रूप से कमाए गए पैसों को इधर-उधर ट्रांसफर करने के लिए करते हैं। सीजेआई सूर्यकांत,जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी मोहना की बेंच ने यह निर्देश केंद्रीय गृह मंत्रालय के इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर की स्टेटस रिपोर्ट पर गौर करने के बाद दिए हैं। बेंच ने सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और पुलिस को गृह मंत्रालय की 2 जनवरी की एसओपी के तहत शुरू किए गए शिकायत निवारण और धन वापसी की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करें, ताकि प्रभावित लोग अपने कानूनी अधिकारों का उपयोग करते हुए पहले इन विकल्पों का लाभ उठा सकें। जिन राज्यों ने अभी तक स्टेट साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर नहीं हैं, उन्हें एक माह दिया गया है। साथ ही, राज्यों को इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के परामर्श से ई-जीरो एफआईआर तंत्र को अपनाने को कहा गया है।

# प्रियंका सोनी को जबलपुर की कमान

**मप्र महिला कांग्रेस की 24 जिला अध्यक्ष घोषित**

**भोपाल।** अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की स्वीकृति के बाद मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बोरासी ने जिला अध्यक्षों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में ग्वालियर शहर से ज्योति सिंह, जबलपुर शहर से प्रियंका सोनी और सागर शहर से डॉ. किरणलता सोनी समेत 24 जिलों में नई नियुक्तियां की गई हैं। इनमें ज्योति सिंह- ग्वालियर (शहर), प्रियंका सोनी- जबलपुर (शहर), अर्चना दहिया- जबलपुर (ग्रामीण), हेमलता सिंह- सतना (ग्रामीण), विजय लक्ष्मी- रीवा (ग्रामीण), रजनी वर्मा- कटनी (शहर), ममता कुशवाहा- मुरैना (शहर), मंजू सिकरवार- मुरैना (ग्रामीण), यासमीन शेरानी- रतलाम (शहर), रानी देवड़ा- रतलाम (ग्रामीण), डॉ. किरणलता सोनी- सागर (शहर), ऋचा सिंह- सागर (ग्रामीण), कुमुदिनी सिंह- सीधी (शहर), शालिनी श्रीवास्तव- सिंगरौली (शहर), शांति कुशवाहा- भिंड (शहर), श्रुति बघेल- देवास (ग्रामीण), दीपा मिश्रा- मैहर, प्रीति माहेश्वरी- धार, सरला सिसौदिया- छिंदवाड़ा, अधिवक्ता नेहा छावरे- होशंगाबाद, गौरी कटारा- झाबुआ, नीतू सिंह राजपूत- विदिशा, राखी सतारवाला- मंदसौर तथा कृष्णा राठौर- श्योपुर शामिल हैं।

# देश का 'इतिहास' नहीं बदल सकता आरएसएस

## राहुल गांधी बोले- इनके पीछे एक खतरनाक विचारधारा है

नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर शैक्षिक व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एमडीएमके नेता वाइको की पुस्तक 'वाइको इन पार्लियामेंट' के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सोच भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और इतिहास को कमजोर करने वाली है तथा इसी के विरोध में छात्र सड़कों पर उतरकर 'भारत की अवधारणा' (आइडिया ऑफ इंडिया) की रक्षा कर रहे हैं। विमोचन समारोह के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा, 'हमारे देश में अजीब समय चल रहा है। छात्र सड़कों पर हैं, वे दर्द में हैं। वे निष्पक्ष परीक्षाएं और बेहतर शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री उन्हें माफ कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि उन्हें किसने यह अधिकार दिया कि वे भारत के भविष्य को माफ करें।' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, उनके सहयोगियों और खासकर आरएसएस की सोच के पीछे एक खतरनाक विचारधारा काम कर रही है। यह विचार भारत को उसकी विविधता के बजाय एकरूपता की पहचान में ढालने की कोशिश करता है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत अनेक संस्कृतियों, भाषाओं और इतिहासों का देश है तथा प्रत्येक राज्य को अपनी संस्कृति, भाषा और ऐतिहासिक पहचान को अभिव्यक्त करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा, हर राज्य को अपनी संस्कृति, अपना इतिहास और अपनी भाषा रखने का अधिकार है। लेकिन कुछ ऐसे लोग हैं जो तमिल, मराठी, बंगाली या केरल की संस्कृति और भाषाओं को समझते ही नहीं। वे कहते हैं कि इन सबका कोई महत्व नहीं है और केवल वही इतिहास और भाषा महत्वपूर्ण है जिसे आरएसएस मानता है।

### भारत ऐसा कभी स्वीकार नहीं करेगा

राहुल ने कहा कि यह विचार भारत की विविध पहचान, भाषाओं और इतिहास को महत्वहीन मानता है, जबकि भारत ऐसा कभी स्वीकार नहीं करेगा। राहुल गांधी ने कहा कि छात्र इसी कारण सड़कों पर हैं और वे अपने-अपने तरीके से भारत की विविध संस्कृति, भाषाओं और इतिहास की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएस भारत का इतिहास नहीं बदल सकता तथा भारत अपने इतिहास को किसी के द्वारा भी रौंदे जाने को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

# ऑपरेशन के बाद वृद्ध के मुंह के अंदर उगने लगी दाढ़ी आयुष्मान कार्ड के बावजूद भी डॉक्टर ने वसूली हजारों की रकम

## पीड़ित ने जिला प्रशासन से लगाई न्याय की गुहार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

**अधारताल क्षेत्र के निवासी 55 वर्षीय मुकेश गंभीर ने शहर के एक कैंसर स्पेशलिस्ट डॉक्टर पर ऑपरेशन में गंभीर कोताही बरतने का आरोप लगाया है। मरीज का आरोप है कि मुंह के अंदर हुए एक छोटे से छाले का ऑपरेशन कराने के बाद से उनके मुंह के अंदर बाल उग रहे हैं, जिससे उनका खाना-पीना और निगलना दूभर हो गया है। इस माामले में पीड़ित मुकेश ने बताया कि जून 2024 में डॉ. अर्पण मिश्रा ने उनके मुंह के छाले की सर्जरी की थी। डॉक्टर ने सर्जरी के दौरान गले की त्वचा का इस्तेमाल मुंह के अंदर कर दिया। त्वचा के ट्रांसप्लांट के कारण 19 महीने से उनके मुंह के अंदर बाल उग रहे हैं। पीड़ित का कहना है कि सर्जरी से पहले डॉक्टर ने इस तरह के किसी संभावित खतरे या साइड इफेक्ट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी।**

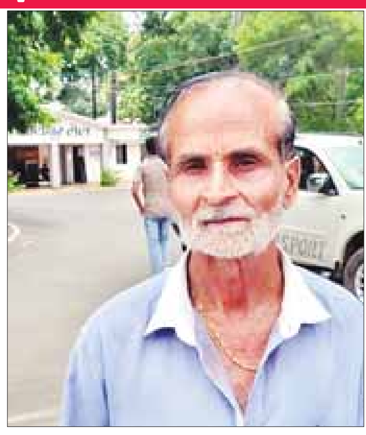

### आयुष्मान कार्ड के बावजूद 75 हजार नकद लेने का आरोप

पीड़ित मुकेश गंभीर का आरोप है कि इलाज का कुछ हिस्सा आयुष्मान कार्ड से कवर करने के बाद भी उनसे 75 हजार रुपए नकद लिए गए। ऑपरेशन से ठीक 5 मिनट पहले घबराहट के माहौल में उनसे और परिजन से कई कागजों पर साइन करा लिए गए, जिनमें लिखा था कि अस्पताल ने कोई अतिरिक्त पैसे नहीं लिए। इधर समस्या बढ़ने पर पीड़ित ने संबंधित डॉक्टर से संपर्क किया, लेकिन कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद वे भोपाल और होशंगाबाद में कई बड़े अस्पतालों के चक्कर काट चुके हैं, लेकिन किसी भी डॉक्टर के पास इस जटिल समस्या का कोई स्थाई समाधान नहीं मिला।

**पीड़ित ने लगाई न्याय और इलाज की गुहार**- लगातार शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव झेल रहे मुकेश गंभीर ने अब जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, उचित इलाज मुहैया कराने और दोषी पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। इधर ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. अर्पण मिश्रा ने कहा कि मुकेश गंभीर का कैंसर का ऑपरेशन हुआ था। ऑपरेशन होने के बाद उनको सबमेंटल फ्लैप लगाया गया। जिन भी पेशेंट्स को किसी भी तरह का फ्लैप किया जाता है, उनके मुंह में बाल आना प्राकृतिक प्रक्रिया है। यह उन्हें ऑपरेशन से पहले बता दिया गया था। मुकेश को मुंह में बाल आने के कारण परेशानी हो रही है। यदि वो बहुत परेशान हैं तो रेडियोथेरेपी की जा सकती है या फिर ऑपरेशन करके उस चमड़ी को आधा हटा सकते हैं। ऑपरेशन करके चमड़ी के जिस हिस्से में बाल उगते हैं, उस हिस्से को हम हटा सकते हैं, इससे उनकी समस्या का समाधान हो जाएगा।

### कोर्ट में पिटिशन लगाने की तैयारी

इधर पीड़ित के वकील मोहित मतानी ने कहा कि हमने संबंधित डॉक्टर और हॉस्पिटल को लीगल नोटिस दिया है। जल्द ही हाईकोर्ट में रिट पिटीशन दर्ज करने वाले हैं। कंज्यूमर कोर्ट में भी पिटीशन दर्ज करने वाले हैं। मुकेश को कंज्यूमर कोर्ट से मुआवजा दिलवाएंगे।

# डुमना एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों की मनमानी पर लगी लगाम

## पुलिस की निगरानी में शुरू हुआ प्रीपेड टैक्सी बूथ, किराया हुआ तय

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

डुमना एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों की मनमानी और यात्रियों से अधिक किराया वसूलने की शिकायतों के बाद अब पुलिस और एयरपोर्ट प्रबंधन ने सख्ती शुरू कर दी है। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर प्रीपेड टैक्सी बूथ शुरू किया गया है, जिसका संचालन और निगरानी जबलपुर पुलिस करेगी। जिला प्रशासन पुलिस और एयरपोर्ट प्रबंधन ने मिलकर टैक्सी संचालन के लिए नई गाइडलाइन तैयार की है। इसके तहत विभिन्न स्थानों के लिए किराया तय कर दिया गया है। यात्रियों की जानकारी के लिए एयरपोर्ट परिसर में कई जगह किराया सूची भी लगाई गई है। प्रीपेड टैक्सी बूथ पर सुबह से शाम तक कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

### पुलिस करेगी सुनिश्चित

पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि यात्रियों से केवल निर्धारित किराया ही लिया जाए। प्रीपेड पर्ची में जिस स्थान का उल्लेख होगा, टैक्सी चालक को उसी गंतव्य तक यात्री को छोड़ना होगा। इधर नई व्यवस्था के तहत टैक्सी चालक को यात्रा पूरी होने के बाद प्रीपेड बूथ के माध्यम से भुगतान किया जाएगा, जिससे किराए को लेकर विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। सीएसपी सतीश साहू ने बताया कि यात्रियों की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए जिला प्रशासन ने प्रीपेड टैक्सी बूथ शुरू किया है। इसका संचालन जबलपुर पुलिस करेगी। यदि इसके बाद भी किसी यात्री को टैक्सी सेवा या किराए को लेकर शिकायत होती है, तो उसका तत्काल निराकरण किया जाएगा।

# कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ ने किया खिलाड़ियों का सम्मान

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक एवं पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया, मप्र कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत मिश्रा, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, जिला अध्यक्ष राज सोनकर महिला विंग की अध्यक्ष प्रियंका केसरवानी, पार्षद संजय साहू की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर प्रो कबड्डी में चयनित. सुमन नामदेव, मीनाक्षी सैनी, वर्ल्ड योगासन गोल्ड मेडलिस्ट रिया, दीपा, हॉकी में राकेश श्रीवास, फुटबॉल में रवि पिल्ले, कुश्ती में अंतर राष्ट्रीय खिलाड़ी प्रवीण पांडे, एथलेटिक्स में दिलीप, दुर्गा, शेख मुनीर, प्रगति शुक्ला क्रिकेट में पायल बाल्मीकि, वॉलीबॉल विद्योत्तमा अग्रहरि, शतरंज में अनिमेशा मिश्रा का सम्मान किया गया। इस अवसर पर डॉ राजेंद्र पिल्लई, पलाश मजूमदार, सुशील जसेले, अनिल बावरिया, टिन्नी भाई, अभिषेक जैन, अशोक तोमर कृष्ण गुप्ता, अनिल धोबा, सुजय राय की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन दिनेश सिंह ठाकुर दींना के द्वारा किया गया।

# नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति

## नशा मुक्त युवा और विकसित भारत विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

छावनी परिषद, जबलपुर द्वारा संचालित सीबीएसई मान्यता प्राप्त कैंटोनमेंट कटंगा मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को नशा मुक्त युवा और विकसित भारत विषय पर एक प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, अनुशासित एवं चरित्रवान जीवन के प्रति प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. रोहित मिश्रा, डीन, हितकारिणी डेंटल कॉलेज ने कहा कि नशा व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक क्षमताओं को धीरे-धीरे समाप्त कर देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से दृढ़ संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और अपने परिवार तथा समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करेंगे।

**सोशल मीडिया पर डूबे रहना भी नशे की श्रेणी**- विशिष्ट वक्ता डॉ. नीलेश पाण्डेय, प्राचार्य, हितकारिणी महिला महाविद्यालय ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सरल उदाहरणों के माध्यम से नशे की वास्तविक परिभाषा समझाई। उन्होंने कहा कि जिस वस्तु, आदत या व्यवहार के बिना व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण खो दे और बार-बार उसी की ओर आकर्षित होने लगे, वही नशा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा केवल शराब, तंबाकू, सिगरेट या मादक पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग, घंटों तक टीवी देखना, ऑनलाइन गेम खेलना, सोशल मीडिया में लगातार डूबे रहना तथा किसी भी आदत का आवश्यकता से अधिक होना भी नशे की श्रेणी में आता है। ऐसे व्यवहार धीरे-धीरे व्यक्ति की एकाग्रता, अध्ययन, स्वास्थ्य, पारिवारिक संबंधों और व्यक्तित्व पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। विद्यालय की प्राचार्य स्वाति मिश्रा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यालय समय-समय पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम का संचालन अनुराधा सिंह ने किया। इस अवसर पर कृष्णा सेन, श्रुति दुबे, रुक्मिणी साहू, ललित यादव, नंदिता, गौतमी, प्रतिमा आदि उपस्थित रहे।

# दुर्गा मंदिर गलगला में हुआ भव्य हरिनाम संकीर्तन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मण्डल जाबालिपुरम् के संयोजकत्त्व में श्रावण मास पर जारी संकीर्तन माला के छठवें दिवस पं.घनश्याम दुबे के सानिध्य में गलगला दुर्गा मंदिर सियाराम जय राम, राधे राधे, गौरीशंकर सीताराम, वीर हनुमना जैसे समधुर भजनों एवं हरिनाम संकीर्तन से गुंजायमान रहा। इस अवसर पर संकीर्तनाचार्य पं.मनमोहन दुबे ने कहा कि भगवान हर जगह व्याप्त हैं। हरि व्यापक सर्वत्र समाना प्रभु का नाम सुमिरन संकीर्तन सर्व फल प्रदायक है। कार्यक्रम में मण्डल के संयोजक देवेन्द्र नेमा, मनोज गुलाबवानी, माया सैनी, प्रतिभा शिवहरे, रश्मि नागोरिया, नीलम चौरसिया, पदमा गुप्ता, मानवी सैनी, ओमप्रकाश शिवहरे, प्रभाकर चतुर्वेदी, सुरेन्द्र गिरी, सत्यप्रकाश नामदेव आदि भक्तजन उपस्थित रहे।

# प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रचार रथ को कलेक्टर ने दिखाई हरी झंडी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं किसानों को खरीफ फसलों का बीमा कराने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जिले में विशेष प्रचार अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत मंगलवार को कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सहायक संचालक कृषि रवि कुमार आम्रवंशी एवं स्मिता पटेल सहित कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

**17 अगस्त तक सातों विकासखंडों में करेगा भ्रमण**- प्रचार रथ 17 अगस्त तक जिले के सभी सात विकासखंडों में भ्रमण करेगा। इस दौरान किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, बीमा के लाभ तथा प्राकृतिक आपदा की स्थिति में मिलने वाले मुआवजे की जानकारी दी जाएगी। साथ ही किसानों को अधिक से अधिक संख्या में अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

**17 अगस्त तक बढ़ी बीमा की अंतिम तिथि**- कृषि विभाग के अनुसार अल नीनो के प्रभाव से प्रतिकूल मौसम की आशंका को देखते हुए शासन ने ऋणी एवं अऋणी दोनों श्रेणी के किसानों के हित में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 17 अगस्त कर दी है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी फ सलों का बीमा कराकर प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले संभावित नुकसान के विरुद्ध आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करें।

# अवैध पार्किंग, ओपन किचिन नशाखोरी पर लगे रोक

## जेडीए अध्यक्ष के साथ बैठक में सिविक सेंटर व्यापारियों ने दिए सुझाव

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** जबलपुर विकास प्राधिकरण में कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से तकनीकी एवं व्यवस्थात्मक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं । जेडीए के सिविक सेंटर परिसर में जनसुविधा एवं विकास के दृष्टिकोण से मूलभूत सुधार आवश्यक है अवैध पार्किंग, ओपन किचिन एवं अवैध नशाखोरी पर रोक लगाई जाए साथ आवारा पशुओं की रोकथाम की जाए यह बात जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन के साथ संपन्न बैठक में सिविक सेंटर क्षेत्र के व्यापारीयों एवं कार्यालय संचालकों, अपेक्षितजनों द्वारा प्राप्त सुझावों में कही गई । इसके साथ ही स्वक्षता,पार्किंग, ड्रेनेज सिस्टम सुधार व्यवस्थित पार्किंग के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण सुझाव आए । जबलपुर विकास प्राधिकरण द्वारा सिविक सेंटर योजना 18 के ब्लॉक क्रमांक 8, 9 एवं 10 को स्वच्छ, सुरक्षित, सुंदर एवं सर्वसुविधायुक्त बनाने के उद्देश्य से 4 अगस्त को अध्यक्ष संदीप जैन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक व्यापारियों एवं कार्यालय संचालकों की उपस्थिति संपन्न हुई।

# उर्वरक वितरण की नई व्यवस्था पर कुंडम में बैठक

## हाईब्रिड मोड लागू करने के दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

किसानों को समय पर और सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंगलवार को तहसील कार्यालय कुंडेश्वरधाम में सेवा सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुविभागीय राजस्व अधिकारी प्रगति गणवीर ने की।

बैठक में बताया गया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार 1 अगस्त से ई-टोकन प्रणाली के स्थान पर हाईब्रिड मोड से उर्वरक वितरण की व्यवस्था लागू कर दी गई है। नई व्यवस्था के तहत सहकारी समितियों एवं निजी विक्रेताओं को निर्धारित प्रारूप में प्रतिदिन उर्वरक वितरण, उपलब्ध स्टॉक तथा शेष स्टॉक की जानकारी वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी को उपलब्ध करानी होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि फार्मर आईडी नहीं होने पर भी किसानों को हाईब्रिड मोड के माध्यम से खाद उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही वितरण पंजी नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा जमाखोरी या अनियमितता की सूचना तत्काल प्रशासन को देने के निर्देश दिए गए। बैठक में उर्वरक विक्रेताओं ने बताया कि क्षेत्र में कम वर्षा होने के कारण फिलहाल खाद की मांग सामान्य है और वितरण केंद्रों पर भीड़ की स्थिति नहीं बन रही है।

# बस स्टाप पर शराबियों का कब्जा कांग्रेस ने धरना देकर दी चेतावनी

## गढ़ा थाना क्षेत्र का मामला, महिलाएं और छात्राएं हो रही परेशान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गढ़ा थाना के सामने स्थित मेट्रो बस स्टॉप पर शराबियों के जमावड़े से स्थानीय लोग परेशान हैं। महिलाओं और छात्राओं का कहना है कि सुबह से रात तक बस स्टॉप पर शराबियों का कब्जा रहता है, जिसके कारण उन्होंने इस रास्ते से गुजरना तक छोड़ दिया है। इस मामले में स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस और आबकारी विभाग से शिकायत कर समस्या से अवगत कराया, लेकिन कार्यवाही नहीं होने पर मंगलवार शाम कांग्रेस के साथ मिलकर धरना प्रदर्शन किया। शराब दुकान के पास कांग्रेसियों के धरने की जानकारी मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने सीएसपी आशीष जैन को अपनी शिकायत बताई। लोगों का कहना है कि शराब दुकान के आसपास खुले में शराब पीने वालों की वजह से गाली-गलौच, विवाद और शोर-शराबे की स्थिति बनी रहती है। इससे स्कूली बच्चों, महिलाओं और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

### बस स्टॉप पर शराबियों का कब्जा

स्थानीय लोगों के मुताबिक मेट्रो बस स्टॉप होने के बावजूद यहां सुबह से रात तक शराबियों की भीड़ रहती है। सबसे ज्यादा परेशानी छात्राओं और महिलाओं को होती है। शराबियों के जमावड़े के कारण कई महिलाएं इस रास्ते से गुजरने से बचती हैं। लोगों का कहना है कि शराब दुकान के कारण पूरे बाजार में अव्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। कांग्रेसी नेताओं ने आरोप लगाया कि शराब दुकान के आसपास सुबह से ही असामाजिक तत्व खुलेआम शराब का सेवन करते हैं। नशे की हालत में गाली-गलौच, लड़ाई और शोर-शराबा देर रात तक चलता रहता है। कई बार इसके कारण यातायात भी बाधित होता है। इससे क्षेत्र का वातावरण प्रभावित हो रहा है और राहगीरों को भी परेशानी होती है।

### पुलिस गश्त की मांग

धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने पुलिस से शराब दुकान के आसपास लगने वाली भीड़ को हटाने और नियमित पुलिस गश्त की मांग की। उन्होंने खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ कार्यवाही करने की भी मांग की। सीएसपी आशीष जैन ने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया है। थाना प्रभारी और पुलिस स्टाफ को आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं।

# एल नीनो और ला नीना: बदलती जलवायु के दो महत्वपूर्ण चक्र

जलवायु परिवर्तन के दौर में एल नीनो और ला नीना ऐसी प्राकृतिक घटनाएँ हैं, जिनका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया के मौसम, कृषि और अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत जैसे मानसून आधारित कृषि प्रधान देश में इनका विशेष महत्व है, क्योंकि इनका सीधा असर वर्षा और फ सल उत्पादन पर दिखाई देता है।

## क्या है एल नीनो?

एल नीनो एक प्राकृतिक जलवायु चक्र है, जिसमें मध्य एवं पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। एल नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ छोटा बालक है। सामान्यत: व्यापारिक हवाएँ गर्म जल को पश्चिमी प्रशांत की ओर ले जाती हैं, लेकिन एल नीनो के दौरान ये हवाएँ कमजोर पड़ जाती हैं। इससे गर्म जल पूर्वी प्रशांत की ओर लौटने लगता है और समुद्र की सतह का तापमान बढ़ जाता है।

## एल नीनो का प्रभाव

एल नीनो के कारण भारत में मानसून कमजोर पड़ सकता है, जिससे वर्षा कम होती है और सूखे जैसी परिस्थितियाँ बन सकती हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और

दक्षिण-पूर्व एशिया में भी सूखे की आशंका बढ़ जाती है, जबकि पेरू और इक्वाडोर में अत्यधिक वर्षा एवं बाढ़ की स्थिति बन सकती है। इसका सीधा प्रभाव कृषि, जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ता है।

## क्या है ला नीना?

ला नीना, एल नीनो की विपरीत अवस्था है। इसमें मध्य एवं पूर्वी प्रशांत महासागर की सतह का तापमान सामान्य से कम हो जाता है। इस दौरान व्यापारिक हवाएँ अधिक मजबूत हो जाती हैं, जिससे ठंडे समुद्री जल का ऊपर आना बढ़ जाता है।

## ला नीना का प्रभाव

ला नीना के दौरान भारत में सामान्य या औसत से अधिक वर्षा होने की संभावना रहती है, जिससे कृषि को लाभ मिलता है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। दूसरी ओर पेरू और इक्वाडोर जैसे देशों में सूखे की आशंका बढ़ जाती है। एल नीनो और ला नीना पृथ्वी की जलवायु प्रणाली के महत्वपूर्ण प्राकृतिक चक्र हैं। इनकी समय रहते वैज्ञानिक निगरानी और सटीक पूर्वानुमान से कृषि, जल प्रबंधन और आपदा प्रबंधन की बेहतर योजना बनाई जा सकती है। बदलते जलवायु परिदृश्य में इन घटनाओं की समझ सतत विकास और खाद्य सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. शैलेन्द्र कुमार तिवारी

प्रोफेसर एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रयुक्त भौतिकी
शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, जबलपुर।

# पर्यावरण संरक्षण: समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

आज पर्यावरण संरक्षण विश्व के सामने सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक बन गया है। बढ़ता प्रदूषण, वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा है। इसका प्रभाव न केवल पृथ्वी पर बल्कि मानव जीवन, पशु-पक्षियों और आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ रहा है। वर्तमान समय में औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण वायु, जल और भूमि प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है। वाहनों और कारखानों से निकलने वाला धुआँ वातावरण को दूषित कर रहा है और प्लास्टिक कचरा नदियों, झीलों तथा समुद्रों को प्रदूषित कर रहा है। इसके परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएँ बढ़ रही हैं। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हमें अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए, जल और ऊर्जा का संरक्षण करना चाहिए तथा प्लास्टिक के उपयोग को कम करना चाहिए। स्वच्छता बनाए रखना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना भी महत्वपूर्ण कदम है।

युवाओं की भूमिका इस दिशा में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यदि युवा वर्ग पर्यावरण संरक्षण को अपना व्यक्तिगत संकल्प बनाएँ और दूसरों को भी प्रेरित करें, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से पर्यावरण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। अंतत:, पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व के लिए अनिवार्य आवश्यकता है। यदि हम आज पर्यावरण की रक्षा नहीं करेंगे तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखते हुए पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवन-शैली का हिस्सा बनाना चाहिए।

अर्शिया खान

कक्षा 8वीं
हितकारिणी कन्या उ.मा. शाला,
बी.टी. तिराहा, जबलपुर

# साम्राज्यों के उत्थान और पतन में भूगोल की शक्ति

इतिहास केवल महान शासकों और युद्धों की कहानी नहीं है, बल्कि भूगोल भी उसके निर्माण का महत्वपूर्ण आधार रहा है। किसी भी साम्राज्य की स्थापना, विस्तार और पतन में नदियाँ, पर्वत, समुद्र, जलवायु तथा प्राकृतिक संसाधनों की निर्णायक भूमिका रही है। इसलिए कहा जाता है कि भूगोल इतिहास की दिशा और दशा दोनों निर्धारित करता है।

## उपजाऊ भूमि और नदियों से मिली समृद्धि

विश्व की अधिकांश प्राचीन सभ्यताएँ सिंधु, गंगा, नील, टाइग्रिस और यूफ्रेटीज जैसी नदियों के किनारे विकसित हुईं। इन नदियों ने कृषि, व्यापार और परिवहन को बढ़ावा दिया, जिससे मौर्य साम्राज्य, मिस्र और मेसोपोटामिया जैसी शक्तिशाली सभ्यताएँ विकसित हुईं।

## पर्वत और समुद्र बने शक्ति के आधार

हिमालय ने भारत को प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान की, जबकि समुद्री मार्गों ने व्यापार और साम्राज्य विस्तार के नए अवसर खोले। चोल साम्राज्य ने अपनी नौसैनिक शक्ति के बल पर दक्षिण-पूर्व एशिया तक प्रभाव स्थापित किया, वहीं पुर्तगाल, ब्रिटेन और नीदरलैंड जैसे यूरोपीय देशों ने समुद्री व्यापार के माध्यम से विशाल औपनिवेशिक साम्राज्य बनाए।

## जलवायु और प्राकृतिक संसाधनों का प्रभाव

अनुकूल जलवायु ने कृषि और अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाया, जबकि सूखा, अकाल और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने कई राज्यों को कमजोर कर दिया। लोहा, तांबा, सोना, वन संपदा और जल स्रोत जैसे संसाधनों पर नियंत्रण ने साम्राज्यों की सैन्य और आर्थिक शक्ति को मजबूत किया।

## भौगोलिक बाधाएँ बनीं विस्तार में रुकावट

घने जंगल, ऊँचे पर्वत और विशाल रेगिस्तान कई बार साम्राज्यों के विस्तार में बाधक बने। सिकंदर महान भारत के भीतरी क्षेत्रों तक नहीं पहुँच सका, जबकि नेपोलियन और हिटलर की सेनाएँ रूस की कठोर जलवायु और विशाल भूभाग के कारण असफल रहीं।

## भारत का भौगोलिक महत्व

उत्तर में हिमालय, दक्षिण में हिंद महासागर तथा पूर्व और पश्चिम के समुद्री तटों ने भारत को प्राचीन काल से ही व्यापार, संस्कृति और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाया। यही कारण था कि अनेक विदेशी शक्तियाँ भारत पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास करती रहीं।

# औद्योगिक क्रांति: विकास की नई दिशा

18वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इंग्लैंड से शुरू हुई औद्योगिक क्रांति ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। इसने हस्तशिल्प आधारित उत्पादन को मशीनों और कारखानों पर आधारित औद्योगिक व्यवस्था में बदल दिया। परिणामस्वरूप उत्पादन, व्यापार, विज्ञान और शहरीकरण को नई गति मिली तथा आधुनिक समाज की नींव पड़ी।

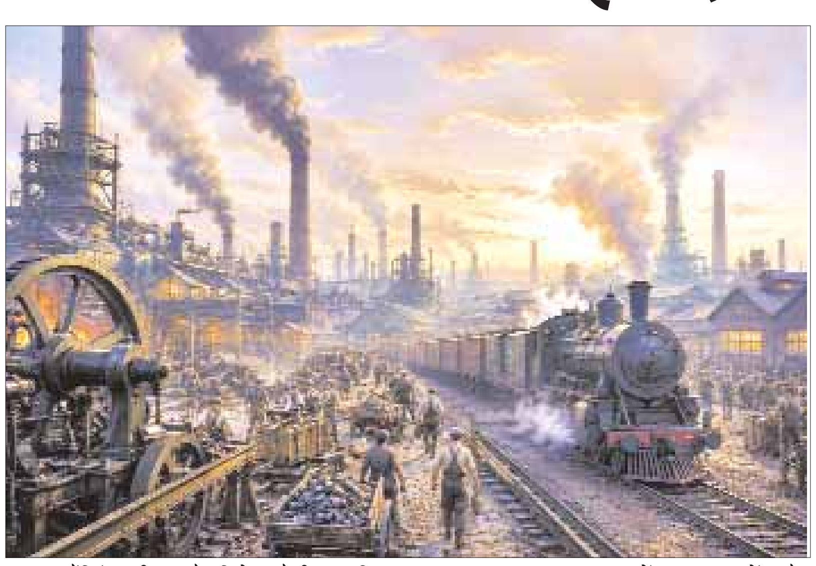

## औद्योगिक क्रांति क्या थी ?

लगभग 1760 से 1840 के बीच इंग्लैंड में भाप इंजन, वस्त्र उद्योग और लौह-इस्पात उत्पादन में हुए तकनीकी नवाचारों ने बड़े पैमाने पर मशीनों द्वारा उत्पादन की शुरुआत की। धीरे-धीरे यह परिवर्तन पूरे यूरोप और विश्व में फैल गया।

## औद्योगिक क्रांति के प्रमुख कारण

- वैज्ञानिक आविष्कार और नई मशीनों का विकास।
- कोयला और लौह अयस्क जैसे प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता।
- कृषि उत्पादन में वृद्धि से श्रमिकों का उद्योगों की ओर रुख।
- पूंजी, व्यापार और नए बाजारों का विस्तार।

## आधुनिक समाज पर प्रभाव

औद्योगिक क्रांति से उत्पादन बढ़ा, वस्तुएँ सस्ती हुईं और व्यापार का तेजी से विस्तार हुआ। बैंकिंग, बीमा और निवेश जैसी आधुनिक आर्थिक व्यवस्थाएँ विकसित हुईं। रोजगार के नए अवसर पैदा हुए और औद्योगिक शहरों का विकास हुआ। इसके साथ ही मध्यम वर्ग और औद्योगिक श्रमिक वर्ग का उदय हुआ।

## विज्ञान और तकनीक को मिली नई गति

रेल, जहाज, टेलीग्राफ, बिजली और टेलीफोन जैसी खोजों ने दुनिया को पहले से अधिक जोड़ दिया। आज रोबोटिक्स, ऑटोमेशन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता भी उसी औद्योगिक विकास की अगली कड़ी हैं।

## चुनौतियाँ भी बढ़ीं

प्रारंभिक दौर में श्रमिकों को कम वेतन, लंबे कार्य घंटे और असुरक्षित वातावरण में काम करना पड़ता था। महिलाओं और बच्चों का भी व्यापक श्रम हुआ। बाद में श्रम कानूनों और श्रमिक आंदोलनों से इन स्थितियों में सुधार आया। औद्योगिक विकास के कारण प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ भी बढ़ीं। इसलिए आज हरित उद्योग और सतत विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है।

## भारत पर प्रभाव

ब्रिटिश शासन के दौरान भारत कच्चे माल का प्रमुख स्रोत और ब्रिटिश उत्पादों का बड़ा बाजार बना, जिससे कुटीर उद्योगों को नुकसान पहुँचा। स्वतंत्रता के बाद भारत ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया। वर्तमान में मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाएँ आधुनिक औद्योगिक विकास को नई दिशा दे रही हैं।

## शब्द पहेली - 8940

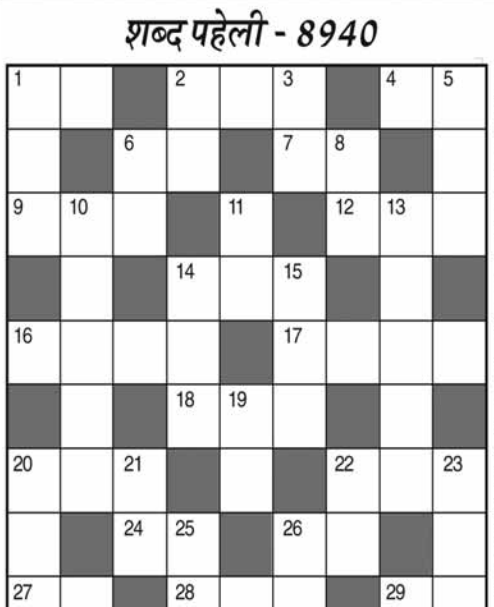

**बाएँ से दाएँ**

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

**ऊपर से नीचे**

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

**शब्द पहेली-8939 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त | मा | शा | ई | | ह | जा | म | त |
| ल | ता | | मा | ज | रा | | त | ह |
| बा | | | न | | र | न | | री |
| र | ह | न | | न | त | म | स्त | क |
| | | शे | | य | | की | | |
| ना | मु | म | कि | न | | न | मा | ज |
| बा | | न | फा | | स | | | रू |
| कि | म | | य | म | न | | द | र |
| फि | त | र | त | | क | रा | मा | त |

Jagrutidaur.com, Bangalore

# पढ़ाई छोड़कर कलेक्ट्रेट पहुंचे बम्हनी स्कूल के विद्यार्थी

## शिक्षक की कमी और इमारत की बदहाली से कलेक्टर को कराया अवगत

बालाघाट/कटंगी(स्वतंत्र मत)

विकासखंड कटंगी के तिरोड़ी संकुल के बम्हनी में संचालित होने वाला जिला पंचायत अधीनस्थ शासकीय बावनथड़ी गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हनी की बदहाली अब सड़क से कलेक्ट्रेट तक पहुंच गई है। मंगलवार को दोपहर 01 बजे स्कूल के विद्यार्थियों ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और स्कूल की नियमित देखरेख, शिक्षकों की नियुक्ति और भवन मरम्मत की मांग की। स्कूल में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक कृषि संकाय गणित समूह की पड़ाई होती है। यहां बम्हनी के अलावा हरदोली, बोनकट्टा, आंजनबिहारी, दिग्धा, चाकाहेटी सहित आसपास के गांवों से गरीब परिवारों के छात्र-छात्राएं 8 से 10 किलोमीटर दूर से आकर शिक्षा अर्जित करते हैं। अभिभावकों और ग्रामीणों का कहना है कि 10 किलोमीटर के आसपास न कोई शासकीय और न ही अशासकीय हाई सेकेण्डरी स्कूल है। ऐसे में इस एकमात्र स्कूल के बदहाल रहने से सैकड़ों बच्चों की पड़ाई प्रभावित हो रही है। आज स्कूल का दिन होने के बावजूद विद्यार्थी अपनी जटिल समस्याओं को लेकर कलेक्टर के पास पहुंचे जो इस बात का प्रमाण है कि स्कूल में व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है।

बता दें कि गत माह 14 जुलाई को स्कूल की छत से प्लास्टर गिरने से दो छात्राएं घायल हो गई थी। इस घटना के बाद से विद्यार्थियों और अभिभावकों में डर का माहौल बना हुआ है। बावनथड़ी गुरूकुल स्कूल की शुरुआत 1977 में एक प्राइवेट संस्था के तौर पर हुई थी। यह स्कूल धीरे-धीरे क्षेत्र का नामी स्कूल बन गया। 2002 में तत्कालीन सरकार ने इसे निकायाधीन करते हुए शासन के अधीन ले लिया। यानी स्कूल का संचालन अब जिला पंचायत के नियंत्रण में चला गया। सरकार ने वादा किया था कि निकायाधीन होने के बाद शिक्षकों को नियमित वेतन, स्कूल को अनुदान और आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी लेकिन ठीक इसके उल्टा हो रहा है जिसका खामियाजा ग्रामीण अंचलों के गरीब बच्चों को भुगतना पड़ रहा है।

### कुछ कक्षाओं में एक भी टीचर नहीं

स्कूल में विषयवार प्रशिक्षित शिक्षकों का टोटल अभाव है। अभी मौजूदा वक्त में कक्षा नर्सरी से 5 वी में मात्र 3 शिक्षक है। कक्षा 6वीं से 8वीं के लिए एक भी शिक्षक नहीं है। कक्षा 9 वीं से 12वीं में मात्र 2 शिक्षक है। शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों को नियमित अध्यापन नहीं मिल पा रहा है। छात्र-छात्राओं ने ज्ञापन में कहा कि बिना शिक्षक के बोर्ड की तैयारी करना बहुत मुश्किल हो रहा है। गौरतलब हो कि इस स्कूल में कुछ पड़े-लिखे बेरोजगारों की मदद से शैक्षणिक कार्य चल रहा है। इन बेरोजगारों को एक मजदूर से भी कम की मजदूरी में यह काम मजबूरी में करना पड़ रहा है। शैक्षणिक कार्य कराने वाले इन शिक्षकों को दिया जाने वाला मासिक वेतन विद्यार्थियों से वसूल किया जाता है।

### जर्जर भवन और मूलभूत सुविधाओं का संकट

स्कूल भवन लगभग 40 वर्ष पुराना है। वर्तमान में भवन जर्जर और जीर्ण-शीर्ण हालत में है। छत और दीवारों से हमेशा हादसे का डर बना रहता है। शिक्षक और छात्र असुरक्षा के माहौल में पड़ने-पड़ाने को मजबूर हैं। इसकी सूचना पहले भी शासन-प्रशासन को दी जा चुकी है, लेकिन हर बार अनदेखी हुई। इसके अलावा स्कूल में शुद्ध पेयजल, पर्याप्त फर्नीचर और साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। ज्ञापन देने आए छात्रों ने मांग की है कि जिला पंचायत के अधीनस्थ इस स्कूल की देखरेख और प्रबंधन को तत्काल दुरुस्त किया जाए। विषयवार शिक्षकों की भर्ती, जर्जर भवन की मरम्मत या नए भवन का निर्माण, पेयजल और फर्नीचर जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। विद्यार्थियों ने कहा कि अगर समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों की शिक्षा अधर में लटक जाएगी। अब देखना होगा कि जनसुनवाई में सौंपे गए ज्ञापन के बाद जिला प्रशासन और जिला पंचायत इस स्कूल को बचाने के लिए क्या ठोस कदम उठाते हैं। कलेक्टर कुमार सत्यम ने छात्राओ के कक्षा छोड़कर जनसुनवाई में आने को लेकर नाराजगी जताई और उन्होंने छात्राओ को वापस स्कूल जाने कहा। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती धनश्री जैन को निर्देशित किया कि शाला के समय में छात्राओ को जनसुनवाई में भेजने वाले विद्यालय के प्राचार्य का 02 दिन का वेतन काटने की कार्यवाही करे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को छात्राओ द्वारा बतायी गई समस्याओ का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये और यह भी सुनिश्चित करने कहा कि शाला के समय में कोई भी छात्र छात्रा जोखिम उठाकर जनसुनवाई आदि में न आए। यदि ऐसी स्थिति निर्मित होगी तो संबंधित संस्था के प्राचार्य एवं प्रधानपाठक पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

## जनसुनवाई की कतार में खड़े होकर विधायक ने दी शिकायत

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शहर के बूड़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग एक बार फिर तेज हो गई है। मंगलवार को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्थानीय महिलाओं के साथ रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के साथ जनसुनवाई में आम नागरिकों की तरह कतार में खड़े होकर कलेक्टर को शिकायत पत्र सौंपा और बूड़ी क्षेत्र से शराब दुकान को तत्काल हटाने की मांग की। बड़ी संख्या में मौजूद महिलाओं ने भी शराब दुकान के विरोध में नारेबाजी करते हुए कहा कि दुकान के संचालन से क्षेत्र का सामाजिक वातावरण लगातार प्रभावित हो रहा है। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं का कहना था कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र में दिनभर शराबियों की आवाजाही बनी रहती है। इससे आए दिन विवाद, गाली-गलौज और असामाजिक गतिविधियों की स्थिति निर्मित होती है, जिसका सीधा असर महिलाओं, बच्चों और परिवारों की सुरक्षा व दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कई बार प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, जिससे लोगों में निराशा बड़ रही है। विधायक अनुभा मुंजारे ने कलेक्टर से चर्चा के दौरान कहा कि बूड़ी नगर की महिलाएं पिछले 114 दिनों से शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रही हैं। इसके बावजूद उनकी मांग पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की महिलाओं को जिला प्रशासन से बड़ी उम्मीदें हैं और उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। विधायक ने यह भी कहा कि जिले में पूर्व में जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए दो अन्य शराब दुकानों को हटाया जा चुका है। ऐसे में बूड़ी नगर की शराब दुकान को भी या तो अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए अथवा उसे बंद किया जाए, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहे। वहीं प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो वे आगे भी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपना आंदोलन जारी रखेंगी। महिलाओं का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी का विरोध करना नहीं, बल्कि अपने क्षेत्र को सुरक्षित, शांत और नशामुक्त बनाना है।

# बांधवगढ़ में मिले बाघ शव का अंतिम संस्कार

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के मानपुर बफर क्षेत्र में मृत मिले बाघ के मामले में पार्क प्रबंधन ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक कार्यप्रणाली के तहत सभी आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए मंगलवार 4 अगस्त को बाघ का विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया। अब बाघ की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए विसरा नमूनों को वैज्ञानिक परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। गौरतलब है कि 3 अगस्त को मानपुर बफर परिक्षेत्र की मानपुर बीट में नियमित गश्त के दौरान करीब 4 से 5 वर्ष आयु के एक बाघ का शव मिला था।सूचना मिलते ही पार्क प्रबंधन अलर्ट हो गया और घटनास्थल को तत्काल घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया। पूरी रात कड़ी निगरानी रखी गई,जबकि मंगलवार सुबह डॉग स्क्वाड,मेटल डिटेक्टर और हाथियों की सहायता से व्यापक सर्च अभियान चलाया गया।जांच के दौरान घटनास्थल से कोई भी संदिग्ध या अस्वाभाविक सामग्री बरामद नहीं हुई।बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश तोमर तथा संजय टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अभय सेंगर ने बाघ का विधिवत पोस्टमार्टम किया।परीक्षण में बाघ के सभी दांत और नाखून सुरक्षित पाए गए।शव की स्थिति के कारण लिंग की स्पष्ट पहचान नहीं हो सकी,जबकि उसकी अनुमानित आयु 4 से 5 वर्ष आंकी गई है।पोस्टमार्टम के बाद आवश्यक विसरा नमूने वैज्ञानिक परीक्षण के लिए सुरक्षित कर प्रयोगशाला भेजे गए हैं,ताकि बाघ की मौत के कारणों का सटीक पता लगाया जा सके।पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई,सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद एनटीसीए के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप मृत बाघ का अंतिम संस्कार किया गया।इस दौरान एनटीसीए के प्रतिनिधि अक्षय दलवी,नायब तहसीलदार,जनप्रतिनिधि तथा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।अब वन विभाग की निगाहें वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं,जिससे इस बाघ की मौत के रहस्य से पर्दा उठ सके।

# सरदार पटेल कॉलेज की छात्रा ने किया केमिकल का सेवन, अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले के डोंगरिया स्थित सरदार पटेल कॉलेज की एक छात्रा द्वारा कॉलेज की प्रयोगशाला में आर्सेनिक रासायनिक पदार्थ का सेवन किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद कॉलेज प्रबंधन द्वारा उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन के अनुसार समय पर उपचार मिलने से छात्रा की स्थिति फिलहाल स्थिर है और डॉक्टर लगातार उसकी निगरानी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार पीड़ित छात्रा महाराष्ट्र के जलगांव जिले की निवासी है और बालाघाट के सरदार पटेल कॉलेज के छात्रावास में रहकर आयुर्वेद चिकित्सा की पड़ाई कर रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि छात्रा ने कॉलेज की प्रयोगशाला में उपलब्ध आर्सेनिक रासायनिक पदार्थ का सेवन कर लिया। चिकित्सकों के अनुसार आर्सेनिक एक अत्यंत विषैला रासायनिक तत्व है, जिसका शरीर में प्रवेश होने पर कई महत्वपूर्ण अंग प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि समय रहते अस्पताल पहुंचने और उपचार शुरू होने से उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। घटना के पीछे मानसिक तनाव को कारण माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा छात्रा पर फीस जमा कराने का दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह पिछले कुछ समय से तनाव में थी। इसी मानसिक दबाव के चलते उसने यह गंभीर कदम उठा लिया। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे। घटना की सूचना मिलते ही कांग्रेस विधायक अनुभा मुंजारे जिला अस्पताल पहुंचीं और छात्रा से मुलाकात कर उसका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से उपचार की जानकारी लेने के साथ कॉलेज प्रबंधन से भी चर्चा की और उन्हे जमकर फटकार भी लगाई। विधायक ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन विद्यार्थियों से निर्धारित शुल्क से अधिक फीस वसूल रहा है तथा इसी तरह की शिकायतें पहले भी सामने आ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि यदि फीस और अन्य कारणों से छात्रा मानसिक रूप से प्रताड़ित हुई है तो यह अत्यंत गंभीर मामला है। विधायक अनुभा मुंजारे ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि छात्रा का उपचार जारी है और उसकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

# आग से युवक की मौत के मामले में परिजनों ने की कार्रवाई की मांग

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** मानपुर थाना क्षेत्र में आग से झुलसने के बाद युवक की मौत का मामला प्रकाश में आया है। मृतक के परिजनों ने मंगलवार 4 अगस्त केव् जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपकर कुछ लोगों पर पेट्रोल डालकर आग लगाने का आरोप लगाया है, और निष्पक्ष जांच के साथ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

**यह है मामला** -परिजनों के अनुसार, 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे कृष्ण कुमार केवट गंभीर रूप से आग से झुलस गए। मृतक मझौली गांव का है। उन्हें पहले शहडोल मेडिकल कॉलेज, फिर जबलपुर और बाद में बिलासपुर रेफर किया गया। उपचार के दौरान 21 जुलाई 2026 को उनकी मौत हो गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि घटना में कुछ लोगों की संलिप्तता है और मृतक ने उपचार के दौरान दिए

गए अपने बयान में भी घटना का उल्लेख किया था। परिजनों का यह भी कहना है कि मामले में अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। जबकि पुलिस द्वारा धमकाने का आरोप लगाते हुए वीडियो फुटेज डिलीट करने के दबाव का आरोप भी लगाया गया है। परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर आरोपितों के विरुद्ध निष्पक्ष जांच कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मामले में सभी उपलब्ध साक्ष्यों और मृतक के बयान को आधार बनाकर कार्रवाई करने की अपील की है।

**इनका कहना है**

आग लगने की बात सामने आई है। मर्ग जांच अभी जारी है। मृतक के डीडी(मृत्यु पूर्व बयान) लिए गए हैं। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

**आलोक शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उमरिया**

# 5 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर पटवारी गए अनिश्चितकालीन हड़ताल में..!

**उमरिया (स्वतंत्रमत)** । जिले में पटवारी अपनी 5 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर सोमवार 3 अगस्त 2026 से अनिश्चितकालीन कलम बंद हड़ताल पर चले गए हैं। इस हड़ताल के तहत प्रदेशभर के पटवारियों ने तहसीलों में अपने बस्ते जमा कर दिए हैं, जिससे 12 से अधिक महत्वपूर्ण ऑनलाइन और राजस्व सेवाएं ठप हो गई हैं। मुख्य माँगे- जिन 5 सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों ने हड़ताल शुरू की है उसमें सर्वप्रथम ग्रेड पे और वेतन विसंगतिरू देश में सबसे कम ग्रेड पे मध्य प्रदेश में होने का विरोध और सुधार की मांग। कैडर रिव्यू लागू करना तथा लंबे समय से रुकी पदोन्नति और समयमान वेतनमान का लाभ देना। नायब तहसीलदार विभागीय परीक्षा का शीघ्र आयोजन करना। स्वामित्व योजना और विभिन्न सर्वे शिविरों के लंबित मानदेय का भुगतान।

# भ्रष्टाचार के आरोप से घिरी सरिता जैन को बीईओ के बाद कन्या शिक्षा परिसर के प्राचार्य को पद से हटाया..!

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** शासकीय कन्या शिक्षा परिसर पाली की तत्कालीन प्राचार्य एवं वर्तमान विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पाली श्रीमती सरिता जैन पर अंतत विभागीय गाज गिर ही गई। जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त तरुण राठी ने 31 जुलाई 2026 को कड़ा रुख अपनाते हुए सरिता जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास शहडोल की 3-सदस्यीय जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में सरिता जैन के भ्रष्टाचार को सही पाया.! वही मौजूदा जांच रिपोर्ट में जो 4 गंभीर आरोप प्रथम दृष्टया सिद्ध पाए गए हैं, सूचना के अधिकार नियम-2005 के तहत आवेदक से प्राप्त 6000 का चेक शासकीय कोष में जमा कराने के बजाय मैडम हजम कर गईं। कन्या शिक्षा परिसर की छात्राओं को उनकी व्यक्तिगत सामग्री (पर्सनल आइटम) खरीदने के लिए शासन द्वारा बैंक खातों में दी गई राशि उनसे वापस ले ली गई। मैडम ने खुद ही अपने स्तर पर सामग्री खरीद डाली और नियमों को रद्दी के टोकरे में फेंक दिया। रमसा द्वारा संचालित छात्रावास में पीएमश्री योजना के तहत गरीब विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाने के लिए आई राशि में भी जमकर कलाकारी की गई। स्वतंत्र मत द्वारा कई महीने पहले ही कन्या शिक्षा परिसर में चल रहे खेल को उजागर किया था लेकिन जिम्मेदार अधि ारियों ने इस पर कोई कार्यवाही नही की बल्कि सरिता जैन को ही जाँच टीम का प्रमुख बना दिया गया था। इससे प्रशासन की नीयत पर प्रश्न उठ रहे हैं कि भ्रष्टाचारी को ही भ्रष्टाचार की जाँच का जिम्मा दे दिया जाए तो कितनी ईमानदारी से जाँच होगी उसकी कल्पना की जा सकती हैं.!अगर समय रहते जांच होती तो विभाग की किरकिरी न होती। जांच समिति द्वारा आरोप साबित पाए जाने के बाद मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत सरिता जैन पर यह अनुशासनात्मक दंडात्मक कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान मैडम का मुख्यालय कार्यालय संभागीय उपायुक्त, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास, शहडोल संभाग निर्धारित किया गया है।

# तेज रफ्तार कार खाई में गिरी, तीन लोग गंभीर घायल

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** जिले के पाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ी तुम्मी में देर रात एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। बताया जा रहा है देर रात तेज रफ्तार कार क्रमांक एमपी 18 जेडएच 3550 तुम्मी से पिकनिक मनाकर वापस शहडोल जा रही थी। इसी दौरान सिद्ध घाट के नीचे अचानक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के वक्त कार में तीन लोग सवार थे, जिन्हें गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायल शहडोल निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि कार सवार पार्टी मनाकर वापस लौट रहे थे। घटना ने एक बार फिर तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने के खतरे को उजागर कर दिया है।

# महिला आयोग के निर्देश पर जनशिक्षक प्रकरण में जांच तेज

**बालाघाट(स्वतंत्र मत)।** जनशिक्षक खैरलांजी जागेश्वर हरिनखेड़े के द्वारा वाटसर्ब ग्रुप में अभ्रद्रा भाषा से जुड़े शिकायत प्रकरण में प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। सर्व शिक्षा अभियान कर्मचारी संघ द्वारा साक्ष्यों सहित की गई शिकायत के बाद मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग के निर्देश पर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने जांच प्रक्रिया में तेजी ला दी है। अब जिला शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड स्त्रोत समन्वयक खैरलांजी से दो दिवस के भीतर अंतिम जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, सर्व शिक्षा अभियान कर्मचारी संघ ने 10 अप्रैल 2026 को पत्र क्रमांक 26/जिला/शिका./2026 के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग, भोपाल को जनशिक्षक के विरुद्ध साक्ष्यों सहित शिकायत प्रस्तुत की थी। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने 17 अप्रैल 2026 को पत्र क्रमांक 229 जारी कर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक, बालाघाट को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद कार्यालय कलेक्टर, बालाघाट ने 17 जुलाई 2026 को ज्ञापन क्रमांक 6099 जारी किया। संयुक्त कलेक्टर सहुल नायक ने जिला शिक्षा अधिकारी को 30 जुलाई 2026 तक अद्यतन जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में जिला शिक्षा अधिकारी धनश्री जैन ने 28 जुलाई 2026 को पत्र क्रमांक 4755 जारी कर बीईओं खैरलांजी एवं आरसीसी खैरलांजी को दो दिवस के भीतर स्पष्ट अभिमत सहित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि प्रकरण की गंभीरता और समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए निर्धारित अवधि में विस्तृत एवं स्पष्ट जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद इसे कलेक्टर बालाघाट के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग, भोपाल तथा लोक शिक्षण संचालनालय, भोपाल को भेजा जाएगा, ताकि नियमानुसार आगामी वैधानिक एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सके। फिलहाल पूरे मामले में अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# ऑक्सीजन मामले में तीन पर एफआईआर, पीड़ित परिवार ने कहा सेवा हो समाप्त और कम्पनी का लायसेंस किया जाए निरस्त

मण्डला(स्वतंत्रमत)

एक बार फिर मीडिया की आवाज रंग लाई है। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में चल रही भ्रष्टाचार अनिमिमताएं और सरकारी धन की होली खेले जाने के अनेक मामले सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला एम्बुलेंस सेवा का सामने आया है। जिसने पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी है। जिसके बाद भारी मशक्त के बाद आखिरकार दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हालाकि एफआईआर में तीन लोगों का उल्लेख है लेकिन एक नाम सार्वजनिक नही किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में 108 एम्बुलेंस सेवा की ईएमटी मंजुला पटेल, जिला समन्वयक उमेश जंघेला के नाम दर्ज किए गए है वहीं 108 जननी एम्बुलेंस सेवा संचालित करने वाली जेएईएस प्रोजेक्ट इंडिया प्रा.लि.भोपाल के प्रोजेक्ट हेड का नाम सार्वजनिक नही हो पाया है। जिसको लेकर लेकर पीड़ित परिवार में रोष है। जिले में 21 वर्षीय किडनी मरीज अजीत बरया की एम्बुलेंस में ऑक्सीजन खत्म होने के कथित मामले ने अब कानूनी मोड़ ले लिया है। रविवार शाम को कोतवाली थाना मंडला में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 106(1) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी ने बताया कि 27 जुलाई को जिले के सुनहरामाल निवासी 21 वर्षीय अजीत बरया जो किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित था उसे उपचार के लिए बम्हनी से जिला अस्पताल मंडला लाया जा रहा था इसी दौरान रास्ते में उसकी मौत हो गई घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया था कि एम्बुलेंस में लगा ऑक्सीजन सिलेंडर रास्ते में ही खाली हो गया जिसके कारण मरीज को समय पर ऑक्सीजन नहीं मिल सकी और उसकी जान चली गई। इस घटना के बाद परिजनों ने एम्बुलेंस के अंदर का एक वीडियो भी सार्वजनिक किया था वीडियो में ऑक्सीजन सिलेंडर का प्रेशर गेज शून्य पर दिखाई देने का दावा किया गया था वीडियो सामने आने के बाद पूरे जिले में 108 एम्बुलेंस सेवा की कार्यप्रणाली और मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर सवाल उठने लगे थे मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने तत्काल चार सदस्यीय जिला स्तरीय जांच समिति का गठन किया था समिति ने चिकित्सकों एम्बुलेंस कर्मियों तथा मृतक के परिजनों के बयान दर्ज किए और घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जांच के दौरान एम्बुलेंस संचालन ऑक्सीजन की उपलब्धता मरीज की स्थिति तथा अन्य तकनीकी बिंदुओं का भी परीक्षण किया गया जांच समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ कार्यालय के निर्देश के आधार पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत अपराध कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य और साक्ष्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। जांच रिपोर्ट में जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. राहुल झारिया ने अपने कथन में बताया कि जब मरीज को इमरजेंसी में लाया गया तब उसका बीपी पल्स और एसपीओ नहीं मिल रहा था। सीपीआर और आवश्यक आपातकालीन उपचार दिए गए लेकिन मरीज को बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर ने यह भी उल्लेख किया कि यदि मरीज को बम्हनी से जिला अस्पताल तक लगातार ऑक्सीजन मिलती और समय पर उपचार उपलब्ध होता तो उसे बचाए जाने की संभावना थी। वहीं डॉ. ओम धुर्वे ने अपने बयान में कहा कि जब मरीज बम्हनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा उस समय 108 एम्बुलेंस में उसे ऑक्सीजन सपोर्ट नहीं दिया जा रहा था। उन्होंने मौके पर मौजूद ईएमटी को मरीज की गंभीर स्थिति देखते हुए फटकार लगाई और तत्काल ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मृतक के पिता कुंवर मन बरया ने भी अपने बयान में कहा कि जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में एम्बुलेंस का ऑक्सीजन खत्म हो गया था। वहीं ईएमटी मंजुला पटेल ने भी जांच के दौरान स्वीकार किया कि उदय चौक के पास मरीज को लगी ऑक्सीजन समाप्त हो गई थी। जांच प्रतिवेदन में यह तथ्य भी सामने आया कि जिला स्तर से 108 एम्बुलेंस सेवा संचालित करने वाली एजेंसी को कई बार पत्र लिखकर पर्याप्त ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे लेकिन इसके बावजूद आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा 1 अगस्त 2026 को जारी आदेश के आधार पर उप मीडिया अधिकारी एवं नोडल अधिकारी 108 सेवा श्रीमति सुलोचना रजक को पुलिस में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अधिकृत किया गया। इसके बाद कोतवाली थाना मंडला में मामला दर्ज कर लिया गया। पुलिस ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर प्रथम दृष्टया घोर लापरवाही मानते हुए ईएमटी मंजुला पटेल, जिला समन्वयक उमेश जंघेला तथा 108 एम्बुलेंस सेवा के प्रोजेक्ट हेड के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। यह मामला प्रदेशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि निःशुल्क 108 एम्बुलेंस सेवा पर गंभीर लापरवाही के आरोप पहले भी लगते रहे हैं। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद पूरे मामले की पुलिस जांच से यह स्पष्ट होगा कि इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका क्या रही तथा आगे उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई की जाती है।

## पंचमुखी हनुमान मंदिर में अखंड पाठ

**मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)।** वनांचल मवई क्षेत्र के प्राचीन एवं प्रसिद्ध श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर में पवित्र श्रावण मास के अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के साथ-साथ दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान श्रीराम एवं श्री पंचमुखी हनुमान जी के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं श्री पंचमुखी हनुमान जी का यह मंदिर वनांचल मवई क्षेत्र के सबसे प्राचीन धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है। वर्षों से यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। इसी वर्ष भक्तजनों के सहयोग से मंदिर का नवीन निर्माण भव्य एवं दिव्य स्वरूप में कराया गया है जिससे मंदिर की सुंदरता और धार्मिक गरिमा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है मंदिर समिति के अनुसार यहां पिछले लगभग 30 वर्षों से श्रावण मास के दौरान अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ की परंपरा निरंतर चली आ रही है।

## छात्रावास प्रभारी अधीक्षक निलंबित

**मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)।** सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग द्वारा छात्रावास संचालन में गंभीर अनियमितताओं एवं लापरवाही पाए जाने पर विकासखंड निवास अंतर्गत जोगीटोला वरिष्ठ बालक छात्रावास के प्रभारी अधीक्षक एवं प्राथमिक शिक्षक पन्नालाल वट्टी को निलंबित कर दिया गया है प्राप्त शिकायतों एवं जांच प्रतिवेदन के आधार पर किए गए आकस्मिक निरीक्षण में छात्रावास का संचालन नियमानुसार नहीं पाया गया जांच में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध न कराना, छात्रावास में अस्वच्छता छात्रावास परिसर में पशुओं का विचरण तथा अन्य व्यक्तियों का निवास जैसी गंभीर अनियमितताएं सामने आईं इन कृत्यों को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों का उल्लंघन मानते हुए सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मंडला ने पन्नालाल वट्टी को मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील नियम, 1966 के नियम 9(1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं।

## उत्कृष्ट के पूर्व छात्र ने दी राशि

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** शासकीय जगन्नाथ उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वन विकास निगम से सेवानिवृत्त डिविजनल मैनेजर नंदकुमार मरावी ने अपने माता-पिता स्व. जतन लाल मरावी एवं स्व. श्रीमती श्यामाबाई मरावी की स्मृति में विद्यालय को 15 हजार रुपये की दान राशि प्रदान की है श्री मरावी वर्ष 1973 से 1975 तक इसी विद्यालय में कक्षा 9 वीं से 11वीं तक विज्ञान संकाय के छात्र रहे हैं उन्होंने बताया कि विद्यालय से प्राप्त शिक्षा ने उनके जीवन और करियर की मजबूत नींव रखी जिसके कारण उन्हें सम्मानजनक पद पर कार्य करने का अवसर मिला।

## विद्यार्थियों का करियर मार्गदर्शन

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** जिला प्रशासन नवाचार प्रोजेक्ट संकल्प के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विशेष ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में जिले के 70 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं प्राचार्यों ने भाग लिया और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं तथा उच्च शिक्षा के अवसरों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट एवं कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना था।

# शांति समिति की बैठक में रखे विचार

मण्डला/अंजनिया

बम्हनी थाना अंतर्गत पुलिस चौकी अंजनियां में आगामी त्योहारों को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस स्थानीय जनप्रतिनिधि सरपंच समाजसेवी ग्रामीण और सराफा व्यवसायी शामिल हुए। पुलिस चौकी का पदभार ग्रहण करने के बाद चौकी प्रभारी टीआई अंकित मिश्रा ने पहली बार स्थानीय लोगों के साथ पुलिस जनसंवाद किया। बैठक में त्योहारों के दौरान बाजार में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं और यातायात व्यवस्था को लेकर चर्चा हुई। बैठक में आगामी रक्षाबंधन सहित मुस्लिम समाज के त्योहार को देखते हुए बाजार और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था चौक चौबंद रखने की बात कही गई। लोगों का कहना था कि ऐसे वाहनों से आम लोगों और विशेषकर बाजार क्षेत्र में परेशानी होती है साथ ही क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को देखते हुए रात की गश्त में तेजी लाने की बात बैठक में रखी गई इसके बाद चौकी पुलिस ने भी नियमित गश्त क्षेत्र से लेकर नगर के प्रमुख हिस्सों तक सुनिश्चित करने और हाईवे की ओर माधोपुर तक पेट्रोलिंग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया ताकि रात के समय असामाजिक गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके बैठक में मुख्य बाजार और बस स्टैंड क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए जनसहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगाने का सुझाव भी सामने आया। स्थानीय लोगों और व्यापारियों की सहभागिता से बाजार के प्रमुख स्थानों पर कैमरे लगाने की बात कही गई जिससे संदिग्ध गतिविधियों और चोरी की घटनाओं में निगरानी के साथ जरूरत पड़ने पर फुटेज का उपयोग किया जा सके।

## शिक्षक पुरस्कार 10 तक

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार-2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा पुरस्कार के लिए पात्रता मूल्यांकन के मापदंड चयन प्रक्रिया स्कूटनी एवं प्रेजेंटेशन संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े ने जिले के सभी विद्यालयों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि पात्र शिक्षकों को 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन कराने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

# चोरी के आरोपी गिरफ्तार, माल बरामद

मण्डला/अंजनिया

पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं आरोपियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बम्हनी सतेंद्र रघुवंशी तथा चौकी प्रभारी अंजनिया निरीक्षक अंकित कुमार मिश्रा के नेतृत्व में अंजनिया पुलिस द्वारा दिनदहाड़े हुई चोरी के प्रकरण का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया तथा एक विधि-विरुद्ध बालक को विधि अनुसार संरक्षण में लेकर चोरी गया मशरूका बरामद किया गया। शिकायतकर्ता संजू सैयाम पिता जयपाल सैयाम निवासी अमझर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वह अपने घर में ताला लगाकर धान का रोपा लगाने खेत गया था। इसी दौरान आरोपियों ने सूने मकान का लाभ उठाकर घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया प्रकरण में थाना बम्हनी में अपराध भारतीय न्याय संहिता बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

## कृषि अधिकारियों का आंदोलन प्रारंभ

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** मध्यप्रदेश कृषि विस्तार अधिकारी संघ जिला शाखा ईएचआरएमएस प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के विरोध में प्रांतीय निकाय के निर्णय का समर्थन करते हुए चरणबद्ध आंदोलन घोषणा की है। इस संबंध में जिलाध्यक्ष धरम सिंह धुर्वे ने उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास संघ द्वारा बताया गया कि प्रांतीय अध्यक्ष के निर्देशानुसार जिले के सभी कृषि विस्तार अधिकारी आंदोलन में शामिल होंगे आंदोलन के तहत 3 अगस्त को वार्ता एवं ज्ञापन सौंपा गया 4 से 6 अगस्त तक अधिकारी काली पट्टी बांधकर कार्य करेंगे तथा ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करेंगे इसी दौरान 4 अगस्त को सोशल मीडिया अभियान भी चलाया जाएगा इसके बाद 7 से 9 अगस्त तक व्हाट्सएप का बहिष्कार करते हुए अधिकारी ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे।

# श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर शिवालयों में उमड़े शिव भक्त

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के विभिन्न शिवालयों में भक्तिभाव और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, जहां शिवभक्तों ने विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और मंगल कामनाएं कीं। इस विशेष अवसर पर महिला श्रद्धालुओं की संख्या अधिक देखने को मिली। कई श्रद्धालु दूरस्थ क्षेत्रों से पवित्र नर्मदा जल लेकर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो गया।

भक्तों ने धतूरा, कनेर, आकौना के पुष्पों के साथ बिल्व पत्र अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की। मंदिरों में पुजारियों द्वारा विशेष पूजन और अभिषेक कराया गया, जिससे पूरे दिन धार्मिक गतिविधियों का क्रम चलता रहा।

नगर के प्रमुख शिवालयों जैसे विश्राम भवन स्थित शिव मंदिर, वार्ड क्रमांक 4 का खडेस्वरी मंदिर, वार्ड क्रमांक 9 ट्रैफिक लाइन स्थित श्री हनुमान मंदिर परिसर का शिवालय, बस स्टैंड स्थित पीपलेश्वर मंदिर तथा खेरमाई क्षेत्र स्थित महाकाल मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। वहीं बुधवारी बाजार स्थित श्री हनुमान गढ़ी मंदिर परिसर स्थित में स्थित भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। हनुमान गढ़ी मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन भी किया जा रहा है, जो पूरे श्रावण मास तक निरंतर जारी रहेगा। इस आयोजन में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता निभा रहे हैं।

श्रावण मास के पहले सोमवार पर नगर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

# मंगलसिंह बने आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष

**मण्डला(स्वतंत्रमत)।** मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष उमंग सिंघार द्वारा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी रत्नेश मरावी की अनुशंसा पर तिरूमाल मंगलसिंह करचाम को परिषद की जिला शाखा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति परिषद के संविधान की धारा-3 के तहत की गई है तिरूमाल मंगलसिंह करचाम मध्यप्रदेश शासन के वित्त विभाग में सहायक संचालक के पद से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति प्राप्त कर चुके हैं। शासकीय सेवा के दौरान तथा सामाजिक क्षेत्र में उन्होंने विभिन्न संगठनों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। वे आदिवासी महापंचायत गढ़ा मंडला के पूर्व जिलाध्यक्ष, आदिवासी अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन आकास के पूर्व जिला ध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति महासभा के वर्तमान अध्यक्ष, अज्जाक्स के जबलपुर संभाग के पूर्व संभागीय उपाध्यक्ष तथा मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के सक्रिय सदस्य एवं पूर्व आमंत्रित सदस्य रह चुके हैं। इस अवसर पर आदिवासी महापंचायत गढ़ा मंडला के वरिष्ठ गुलाबसिंह मरदरिया, जिला पंचायत सदस्य इंजीनियर भूपेंद्र बरकड़े, सेवानिवृत्त टीआई केएस मरावी, शिवेंद्र मार्को, आदिवासी पेंशनर्स संघ के अध्यक्ष सुरजीत परते, अज्जाक्स जिलाध्यक्ष गजराज मरावी, परिषद के जिला सचिव भगत धुर्वे, जिला उपाध्यक्ष कालूराम रौतिया एवं मंगलसिंह मर्सकोले, सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक रामचरण सिंह ठाकुर, बिछिया जनपद अध्यक्ष शकुना उइके, युवा प्रभाग जिलाध्यक्ष किशन उइके, रामनाथ मरकाम, पूर्व युवा प्रभाग जिलाध्यक्ष कमलेश तिलगाम, अजीत सिंह मरावी, राधेलाल नरेटी, सरिता मरावी, जमना उइके, आदिवासी कांग्रेस महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सोमवती धुर्वे, धनेश्वरी मसराम, जनपद सदस्य हरेंद्र मसराम, बंटी सिरसाम, राजाराम मरावी, जोबिन धुर्वे सहित बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, अधिकारी-कर्मचारी मातृशक्ति पितृशक्ति छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित रहे।

# दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत

## नैनपुर में कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की शानदार जीत के बाद सोमवार शाम 7 बजे कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और आतिशबाजी कर अपनी खुशी का इज़हार किया।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि दतिया की जनता ने विकास, लोकतंत्र और जनहित के मुद्दों पर अपना विश्वास कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जताया है। कांग्रेश जिला अध्यक्ष डा. अशोक मर्सकोले ने इसे कांग्रेस की नीतियों और जनता के समर्थन की जीत बताते हुए कहा कि यह परिणाम प्रदेश की राजनीति में सकारात्मक संदेश देने वाला है। इस दौरान जिला अध्यक्ष डॉ.अशोक मर्सकोले, नगर अध्यक्ष धर्मेश तिवारी, ब्लाक अध्यक्ष दामोदर ठाकुर, जनपद अध्यक्ष सोनू भलावी मंडला, कमल जायसवाल, जंयत रंगारी, पीयूष खंडेलवाल, अकिंत शर्मा, प्रमोद झरिया, , निरंजन ठाकुर, शिवम गुप्ता, रूपनारायण सोनी, राजेश तिवारी, सीटू गुप्ता, हफीज खान, हरवंश नारंग, रवि वैष्णव, अशोक शर्मा, मंयक खंडेलवाल, कल्लू शर्मा, विशाल मर्सकोले, बब्न गुप्ता, अंकित चक्रवर्ती, फारुख खान, बाबू शर्मा, नवाब खान, निरंजन सिंगारे, नरेंद्र ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने पार्टी नेतृत्व को जीत की शुभकामनाएं दी।

संपादकीय

## मॉनसून का 'मिसमैच'

इस साल पूरे देश में मॉनसून का एक जैसा असर नहीं दिखा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि बारिश का पैटर्न अब भी काफी अजीब है। जुलाई में बारिश अच्छी हुई, लेकिन जून में हुई कमी अब तक पूरी नहीं हो पाई है। 1 जून से 2 अगस्त 2026 तक देश में 410.1 मिमी बारिश हुई, जबकि इस दौरान सामान्य तौर पर 463.6 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। यानी अब तक देश में 12 फीसदी कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस बार हर जगह एक जैसी बारिश नहीं हुई।

मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश हुई, जबकि सबसे ज्यादा कमी पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में दर्ज की गई। आने वाले हफ्तों में बारिश का असर खेती, जलाशयों और पानी की उपलब्धता पर दिख सकता है। जून में मॉनसून की शुरुआत धीमी रही। पूरे महीने देश में 106.8 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश 165.3 मिमी होती है। यानी जून में 35.4 प्रतिशत कम बारिश हुई। देश के सभी बड़े मौसम क्षेत्रों में सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा कमी मध्य भारत में रही, जहां 50.3 फीसदी कम बारिश हुई। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम भारत में 31.6 प्रतिशत, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में 30.1 प्रतिशत और दक्षिण भारत में 19.9 प्रतिशत कम बारिश हुई।

जुलाई में बारिश की रफ्तार बढ़ी। पूरे महीने देश में 283.3 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश 280.5 मिमी होती है। यानी जुलाई में करीब 1 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। लेकिन जून में जो कमी रह गई थी, वह जुलाई की अच्छी बारिश से भी पूरी नहीं हो सकी। यही वजह है कि 2 अगस्त तक देश में कुल बारिश अब भी सामान्य से 12 फीसदी कम है। जुलाई में सबसे ज्यादा बारिश मध्य भारत में हुई। यहां 426.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 33 फीसदी ज्यादा है। लेकिन बाकी इलाकों की तस्वीर अलग रही। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में जुलाई में भी सामान्य से 29 फीसदी कम बारिश हुई। दक्षिण भारत में 25 फीसदी और उत्तर-पश्चिम भारत में 4 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई।

हालांकि, अगस्त के पहले दो दिनों में देश में 19.4 मिमी बारिश हुई, जबकि सामान्य बारिश 17.8 मिमी होती है। यानी इस दौरान 9 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। इन दो दिनों में मध्य भारत में 33 प्रतिशत और दक्षिण भारत में 71 प्रतिशत ज्यादा बारिश दर्ज की गई। उत्तर-पश्चिम भारत में 46 प्रतिशत और पूर्व व पूर्वोत्तर भारत में 20 प्रतिशत कम बारिश हुई। यानी अभी भी देश के सभी हिस्सों में मॉनसून एक जैसा असर नहीं दिखा रहा है। 1 जून से 2 अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार, मध्य भारत ही ऐसा इलाका है जहां सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। यहां 542.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 5.7 फीसदी ज्यादा है। वहीं उत्तर-पश्चिम भारत में अब तक 13.3 फीसदी कम बारिश हुई है। दक्षिण भारत में 19.9 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा कमी पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में रही, जहां सामान्य से 29.3 फीसदी कम बारिश हुई है। देश में खरीफ की अधिकांश खेती धान पर आधारित है। धान की फसल को जुलाई के अंतिम सप्ताह और अगस्त में लगातार पानी की आवश्यकता होती है। यदि इसी तरह मानसून कमजोर बना रहा तो जलाशयों में उपलब्ध पानी का उपयोग अधिक सावधानी से करना होगा। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले कुछ हफ्ते काफी अहम होंगे। अगर आगे अच्छी बारिश होती है तो खेती, जलाशयों में पानी और पीने के पानी की स्थिति बेहतर हो सकती है। वहीं जिन इलाकों में अब भी बारिश कम हुई है, वहां आगे के मौसम पर नजर रखी जाएगी।

### पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर

# पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वत: समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंतत: पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

# उप-चुनाव, बड़ा संकेत-भाजपा का अति आत्म विश्वास या बदलती तस्वीर

ऋतुपर्ण दवे

तीन अगस्त को तीन राज्यों के तीन नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहाँ सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा। वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे। राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालाकि बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। लेकिन बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। हाँ, उन्होंने छक्का जरूर जड़ दिया ये बात अलग है। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए जिन्होंने आखीर-आखीर में रोड शो किया। लेकिन तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की पर यह हो न सका। अंतत: जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठत हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले यह कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि ब उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम जो देना है।

कमोवेश यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। लेकिन वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा हो जाने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। जिन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था। लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। जिस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहाँ से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब काँग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। निश्चित रूप से नरोत्तम मिश्रा का कद देखते हुए उनकी मंशा और उनके समर्थक इस मतदान के दौरान किस निर्णय पर पहुंचे होंगे, कहने की जरूरत नहीं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी। कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव बेहद खास था क्योंकि करीब साल भर से संगठन को मजबूत करने और नए नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए काँग्रेस जबरदस्त संघर्ष कर रही थी। अब यह जीत संजीवनी का काम करेगी। हालाकि काँग्रेस ने चुनाव को त्रिकोणीय बनाने की कोशिश कर आजाद समाज पार्टी ने दामोदर सिंह यादव को मैदान में उतारा था फिर भी मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही रहा।

सर्वविदित है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व और पार्टी के चुनावी प्रबंधन के लिहाज से भी यह चुनाव भाजपा के लिए अग्नि परीक्षा माना जा रहा था, जिसमें वह विफल रही। मांजलपुर सीट से भाजपा की प्रचण्ड मतों से जीत ने पार्टी के लिए जश्न का मौका जरूर बरकरार रखा। हाँ, कोई माने या न माने भले ही सार्वजनिक न हो लेकिन अन्दरूनी तौर पर भाजपा भी गुटबाजी से उबर नहीं पा रही है। जेन-जी आन्दोलन, पेपर लीक और भी कुछ मुद्दों पर पार्टी में अलग-अलग विचार समझ आने लगे हैं। इन चुनाव नतीजों के बाद स्थिति-परिस्थित क्या बनेगी, इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा।

**(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं।)**

# भारत-चीन संबंध, क्या वाकई सुधर रहे हैं?

नीरज कुमार दुबे
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

ऐसे समय में जब भारत और चीन के रिश्तों में सुधार की बातें हो रही हैं, वर्षों बाद सीमा व्यापार फिर से शुरू हुआ है और दोनों देशों के बीच राजनीतिक संवाद भी तेज हुआ है, उसी बीच चीन में रह रहे भारतीयों ने ऐसी शिकायतें सामने रखी हैं, जिन्होंने सबको चौंका दिया है। भारतीयों का कहना है कि चीन के सोशल मीडिया पर भारत और भारतीयों के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री तेजी से बढ़ रही है, भारतीय पेशेवरों को नौकरी के वीज़ा मिलने में मुश्किलें आ रही हैं और उनके जीवनसाथियों के रोजगार पर भी कई तरह की पाबंदियां हैं। इतना ही नहीं, भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन ने नई दिल्ली से ऐसी मांग भी कर दी है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

हम आपको बता दें कि बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने हाल के वर्षों में पहली बार भारतीय समुदाय के साथ %ओपन हाउस% कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में भारत के राजदूत विक्रम दोरईस्वामी, काउंसलर (कॉन्सुलर, शिक्षा एवं सामुदायिक मामलों) नितिनजीत सिंह और काउंसलर (वीजा) रमेश सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे भारतीयों से सीधे संवाद किया। इस बातचीत में भारतीय समुदाय ने जिन मुद्दों को सबसे प्रमुखता से उठाया, वह भारत-चीन संबंधों के वास्तविक हालात की एक अलग तस्वीर पेश करते हैं।

भारतीयों ने शिकायत की कि चीन के सोशल मीडिया मंचों पर भारत, भारतीय संस्कृति और भारतीय खान-पान को लेकर अपमानजनक और भड़काऊ सामग्री तेजी से बढ़ रही है। उनका कहना था कि यह केवल ऑनलाइन ट्रोलिंग का मामला नहीं है, बल्कि इससे चीन में रह रहे भारतीयों के सामाजिक माहौल और सुरक्षा की भावना पर भी असर पड़ रहा है। इसके अलावा भारतीय पेशेवरों को नौकरी के लिए वर्क वीज़ा मिलने में लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोगों ने यह भी बताया कि उनके जीवनसाथियों को रोजगार की अनुमति नहीं मिलने से परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक और सामाजिक चुनौतियां खड़ी हो रही हैं। कुछ लोगों ने दूतावास से जुड़ी काउंसलर सेवाओं में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों का मुद्दा भी उठाया।

राजदूत विक्रम दोरईस्वामी ने इन चिंताओं को गंभीर बताते हुए कहा कि चीन सरकार स्वयं भी सोशल मीडिया पर बढ़ती भारत-विरोधी सामग्री को लेकर चिंतित है और इस दिशा में कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास भी गलत सूचनाओं और दुष्प्रचार का मुकाबला तथ्य आधारित जानकारी साझा करके कर रहा है। इसके साथ ही दूतावास भारतीय संस्कृति, खान-पान और विविधता को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए वसंत मेला जैसे लोकप्रिय सांस्कृतिक आयोजनों का दायरा बढ़ाने की योजना बना रहा है ताकि चीन में भारत की सकारात्मक छवि और मजबूत हो सके।

दोरईस्वामी ने यह भी बताया कि भारतीय पेशेवरों को रोजगार संबंधी विवादों में कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए दूतावास वकीलों और कानूनी विशेषज्ञों का एक सहयोगी नेटवर्क तैयार कर रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि भारतीयों की समस्याओं के समाधान के लिए ऐसे ओपन हाउस कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। वहीं, चीन के नागरिकों के लिए भारतीय वीज़ा प्रक्रिया को भी और सरल बनाने की तैयारी की जा रही है ताकि दोनों देशों के बीच लोगों का आवागमन बढ़ सके।

दूसरी ओर, भारत में सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले चीन की एक और पहल ने नई कूटनीतिक चर्चा को जन्म दे दिया है। जानकारी के अनुसार, चीनी दूतावास ने भारत सरकार के समक्ष यह चिंता जताई है कि फालुन गोंग और तिब्बती समुदाय से जुड़े मीडिया संगठनों को सम्मेलन के दौरान सीमित पहुंच दी जाए। चीन नहीं चाहता कि ऐसे मीडिया संस्थानों को उसके प्रतिनिधिमंडल से सवाल पूछने या सम्मेलन के मीडिया कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिले।

हम आपको बता दें कि फालुन गोंग चीन में प्रतिबंधित आध्यात्मिक संगठन है और उससे जुड़े कई मीडिया संस्थान, जैसे द एपॉक टाइम्स, चीन की नीतियों के आलोचक रहे हैं। इसी तरह भारत में बड़ी संख्या में तिब्बती शरणार्थी रहते हैं और धर्मशाला सहित कई स्थानों से तिब्बती समुदाय के अपने मीडिया संस्थान संचालित होते हैं। भारत अब तक इन संगठनों को देश के कानूनों के दायरे में स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति देता रहा है। ऐसे में चीन की यह मांग केवल मीडिया प्रबंधन का मुद्दा नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की कसौटी के रूप में भी देखी जा रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने के लिए भारत आने की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो जिनपिंग सात साल बाद भारत की धरती पर होंगे। उल्लेखनीय है कि 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे, लेकिन अक्टूबर 2024 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के विवादित क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पर सहमति बनने के बाद रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार शुरू हुआ। इसके बाद दोनों देशों के शीर्ष नेताओं की कई मुलाकातें हुईं, भारत ने चीनी नागरिकों के लिए वीज़ा फिर से जारी करना शुरू किया और चीन ने कैलाश मानसरोवर यात्रा भी बहाल कर दी।

बहरहाल, चीन में रह रहे भारतीयों की शिकायतें और भारत में मीडिया की पहुंच को लेकर चीन की नई मांग यह संकेत देती है कि राजनीतिक स्तर पर संवाद बढ़ने के बावजूद जमीनी स्तर पर विश्वास की कमी अब भी पूरी तरह दूर नहीं हुई है। यही वजह है कि दोनों देशों के रिश्ते फिलहाल सहयोग और संदेह, इन दोनों के बीच संतुलन साधने की चुनौती से गुजर रहे हैं। आने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग का मंच नहीं होगा, बल्कि यह भी तय करेगा कि भारत और चीन अपने रिश्तों को वास्तविक विश्वास और पारदर्शिता की दिशा में कितना आगे ले जा पाते हैं।

# दतिया उपचुनाव : 'हार' बरकरार

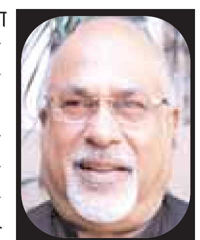

डॉ. सुधीर सक्सेना
स्वतंत्र पत्रकार

दतिया में उपचनुाव हुआ। अनुमानों की झड़ी लग गयी। अनुमानों के केन्द्र में थे प्रदेश के पूर्व गृहमंत्री और सत्तारूढ़ शिविर के महारथी-नेता नरोत्तम मिश्रा। ऊंट की करवट का आकलन कठिन होता है, लेकिन वे राजनीति पंडित पसोपेश में नहीं थे, जो दतिया के मिजाज से वाकिफ थे और सियासी बैरोमीटर में पारे के उठने-गिरने पर उनकी पैनी नज़र थी। जेनजी का आंदोलन, सरकार का आंदोलनकारियों के प्रति सलूक, जातीय समीकरण और सत्ता के शीर्ष शिविर में द्यूत-क्रीड़ा के आधार पर इस संभावना को सहज ही भाँपा जा सकता था कि बीते कल की वैभवपूर्ण रियासत में इस लोकतांत्रिक अनुष्ठान का क्या परिणाम निकलेगा? जनता ने कयासों को झुठलाया नहीं। कहावत है कि झाँसी गले की फांसी, दतिया गले का हार।

ढाई साल पहले की घटना की पुनरावृत्ति हुई। हार 'पंजे' के हाथ में बरकरार रहा। दतिया रियासत के पूर्व महाराज और कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह विजयी रहे। उन्होंने बीजेपी के नये-नवेले और भगवा अलाकमान की पसंद आशुतोष तिवारी को 6056 मतों से मात दे दी। दतिया उपचुनाव के आकलन आलेख में मैंने पहले ही लिखा था कि जीते कोई भी, हारेंगे नरोत्तम। वही हुआ। दतिया नरोत्तम की पुश्तैनी सीट नहीं थी। असेंबली के लिये पहलेपहल वह डबरा से चुने गये थे। वह सीढ़ी-दर-सीढ़ी ऊपर चढ़े। सन 2003 के चुनाव में गैरिकवसना उमा भारती ने उन्हें जीतने पर मंत्री बनाने का ऐलान किया था, लेकिन सीएम बनने पर वह वायदे से मुकर गयीं। उनकी भूल-गलती का प्रायश्चित किया बाबूलाल गौर ने। इसके बाद नरोत्तम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सन 2008, 2013 और सन 2018 में वह दतिया से लगातार जीते और उन्होंने दतिया के कांग्रेसी गढ़ को बीजेपी के अभेद्य दुर्ग में बदल दिया। उन्होंने नाम कमाया, नामा कमाया, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा अर्जित की और दतिया की राजनीति के पर्याय हो गये। किसी ने उन्हें सचिन तेंदुलकर कहा तो किसी ने कुछ और, मगर दतिया के लोगों के लिए वह 'दादा' हो गये। इस दादा संबोधन में वरिष्ठता, दबंगई, लोकप्रियता और धमक का समावेश था। करीब एक दहाई संसदीय कार्य मंत्री रहे। वह जनसंपर्क मंत्री रहे। इस क्रम की चरम परिणति रही उनका गृह मंत्री होना। उन्होंने खूब संपर्क गांठे। कार्यकर्ताओं का वृहत्तर कुटुंब विकसित किया। लाड़ली बहनों के प्रिय रहे। हाजिर जवाबी और शेरोशाइरी से उनकी राजनीतिक शैली से असहमत भी उनके मुरीद हुये। वह इसी दौर में बीजेपी के संकटमोचन के तौर पर उभरे। शिवराज के पुनर्सत्तारोहण में नेपथ्य में उनकी नाभिकीय भूमिका रही। उन्होंने कांग्रेसियों को बीजेपी के पाले में लाने की दंभोक्ति की और बयानबाजी में दारोगागिरी भी। उन्होंने अपनों को उपकृत किया और शीर्ष नेतृत्व का विश्वास अर्जित किया और शाह के नजदीक पहुंचे। अमित शाह का भोपाल प्रवास में अनेकश: उनके बंगले आना चर्चा का विषय रहा। उन्हें ब्राह्मण होने से भावी मुख्यमंत्री के तौर पर भी देखा गया। किस्सा कोताह यह कि नरोत्तम बीजेपी में ऐसी अतुल्य शख्सियत के तौर पर उभरे, जिसे इग्नोर नहीं किया जा सकता था। नरोत्तम मिश्र दतिया उपचुनाव के लिये बीजेपी की पहली और इकलौती सही पसन्द थे, लेकिन आलाकमान ने अपनी स्वेच्छाचारिता और अहमन्यता के चलते उन्हें हाशिये में धकेला गया। भूतपूर्व और अपूर्व सत्ता प्रमुखों से उनके समीकरणों ने भी अपनी भूमिका निभायी। आश्वस्ति में गाफिल नरोत्तम गच्चा खा गये। टिकट कटी तो बावेला मच गया। यह स्वाभाविक था। दतिया में रातभर जो कोहराम मचा वह स्वयं स्फूर्त था। नरोत्तम को आलाकमान ने तलब किया। वह आशुतोष तिवारी के समर्थन में उतरे, लेकिन उनके आंसुओं ने दिल की जुबां बनकर अकथ कथा कह दी। आशुतोष नरोत्तम के स्थानापन्न नहीं हो सकते थे। रविशंकर प्रसाद की कुत्ते-बिल्ली को टिकट देने की गर्वोक्ति को मतदाताओं ने बांकीपुर (बिहार) में भी धूल चटाई और दतिया में भी। दामोदर यादव (आजाद समाज पार्टी) का मुख्यमंत्री मोहन यादव का सजातीय होना भी चर्चा का विषय रहा। उसने बीस हजार से अधिक मत बटोरे। सबसे बड़ी चूक हुई राजेन्द्र भारती से, जिनसे नरोत्तम की पुरानी लांगडांट है। वह 'कूचे' से बाहर हुये। विजयी घनश्याम सिंह चुनाव ही नहीं लड़ते, अगर्चे बीजेपी दतिया से नरोत्तम को चुनावी रण में उतारती। सर्वशक्तिमान होने के रौ में उसने जीती बाजी गंवा दी। नरोत्तम का बड़प्पन कि उन्होंने साधारण कार्यकर्ता की भूमिका की विनम्रता बरती, लेकिन पार्टी के आलाकमान को क्या कहें, जिसने छोटे गेम में बड़ा 'ब्लंडर' किया और पार्टी ढंग से किला नहीं लड़ा सकी।

# मध्यस्थ ही संदिग्ध... अमेरिका-ईरान डील में पाकिस्तान आउट, ट्रंप को सऊदी पर भरोसा

नई दिल्ली

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने वाले अमेरिका के एक रिटायर्ड जनरल और डिफेंस एनालिस्ट ने पाकिस्तान और कतर पर आरोप लगाया है कि वॉशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थ के तौर पर उनकी भूमिका प्रभावित रही है। उनका आरोप है कि दोनों देश अमेरिका के बजाय ईरान का पक्ष लेते हैं। रिटायर्ड जनरल जैक कीन ने फॉक्स न्यूज़ को बताया कि मध्यस्थ के तौर पर पाकिस्तान और कतर को चुनने से ईरान के साथ अमेरिका की कूटनीति पर असर पड़ा है और इससे तेहरान के इरादों को समझने में गलतफहमी पैदा हुई है। कीन की ये टिप्पणियां तब आई हैं जब ट्रंप ने तेहरान के साथ कूटनीतिक कोशिशों को फिर से शुरू करने के लिए ईरान पर बड़े सैन्य हमले की योजना को रोकने का फैसला किया है।

कीन इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ़ वॉर के चेयरमैन हैं, सेक्रेटरी ऑफ़ डिफेंस पॉलिसी बोर्ड के सदस्य हैं, चार अमेरिकी रक्षा मंत्रियों को सलाह दे चुके हैं और नेशनल डिफेंस स्ट्रैटेजी पर 2018 और 2022 के कांग्रेसनल कमीशन में भी काम कर चुके हैं। कीन ने कहा मिडिल ईस्ट में हमारी इंटेलिजेंस एजेंसियों और सभी संबंधित पक्षों को यह अछी तरह पता है कि पाकिस्तान और कतर की स्थिति संदिग्ध है, क्योंकि वे अमेरिका के बजाय ईरान का पक्ष लेते हैं। यह बात पुरानी है, कोई नई नहीं। फिर भी, वे ही मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि ईरान के असली इरादों के बारे में अमेरिका को गुमराह करने में उनके प्रभाव की भी भूमिका रही है। रिटायर्ड जनरल ने सऊदी अरब के रवैये की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि रियाद ने बार-बार वॉशिंगटन को ईरान के खिलाफ़ सैन्य कार्रवाई न करने की सलाह दी थी। कीन के मुताबिक, सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने एयरबेस और एयरस्पेस का इस्तेमाल करने की इजाज़त देने से इनकार कर दिया और तर्क दिया कि ऐसा ऑपरेशन सफल नहीं होगा।

उन्होंने आगे दावा किया कि सऊदी अरब ने लगातार अमेरिका को ईरान के खिलाफ़ सैन्य कार्रवाई के बजाय बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित किया। कीन ने कहा सऊदी अरब मध्य पूर्व क्षेत्र को ईरान की आक्रामकता से मुक्त कराने के लिए कोई कुर्बानी देने को तैयार नहीं है। यही वह सचाई है जो हम यहां होते हुए देख रहे हैं। कीन ने यह भी आरोप लगाया कि सऊदी अरब ईरान का सामना करने का बोझ अमेरिका और इज़राइल पर डालना चाहता था, जबकि वह खुद अपने तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान या जान-माल के नुकसान का जोखिम नहीं उठाना चाहता था।

## कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार पर भाजपा का हमला, कांग्रेस से मांगा जवाब

**बेंगलुरु, (वार्ता)।** भाजपा ने कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता एस. एस. मल्लिकार्जुन को मंत्रिमंडल में शामिल करने के पीछे अधिक लाभ का कारण हो सकता है। पार्टी ने कांग्रेस समिति से इस संबंध में जवाब मांगा है। भाजपा विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि मंत्री पद की सूची से मंकल वैद्य का नाम क्यों हटाया गया और उनकी जगह एस. एस. मल्लिकार्जुन को क्यों शामिल किया गया। उन्होंने कहा, क्या एस. एस. मल्लिकार्जुन को अधिक लाभ के लिए मंत्री बनाया गया? क्या मंकल वैद्य को इसलिए हटाया गया क्योंकि उनसे कोई लाभ नहीं था? इसका जवाब कांग्रेस समिति को देना चाहिए। संभव है कि इसमें अधिक आमदनी का मामला हो। मुझे नहीं पता कितनी आमदनी हो सकती है। उन्होंने मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू होने पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मंत्रिमंडल की सूची में अंतिम समय तक बदलाव को लेकर सौदेबाजी चल रही थी। रविकुमार ने कांग्रेस पर विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के नाम पार्टी के लेटरहेड पर घोषित कर संवैधानिक परंपराओं का उल्लंघन करने का भी आरोप लगाया।

## भारतीय मूल के व्यक्ति समेत 25 लोगों की नागरिकता रद्द करेगा अमेरिका, आपराधिक आरोपों के चलते कार्रवाई

वॉशिंगटन

अमेरिका ऐसे 25 नागरिकों की नागरिकता रद कर रहा है जिन्होंने बाद में नागरिकता हासिल की। इनमें भारतीय मूल का एक व्यक्ति भी शामिल है। इन लोगों पर पहचान छिपाने या गलत जानकारी देने से लेकर हत्या की कोशिश और बच्चों के यौन शोषण जैसे आरोप लगे हैं। अमेरिका के न्याय विभाग ने डेलावेयर जिले के रहने वाले 65 वर्षीय नरिंदर सिंह पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अमेरिका में दाखिला पाने के लिए फर्जी पहचान का इस्तेमाल किया था। न्याय विभाग के मुताबिक, नरिंदर सिंह ने 1996 से अमेरिका में दाखिला पाने के लिए दो पहचानों का इस्तेमाल किया और 1 मई, 2008 को अमेरिकी नागरिक बन गए। उनके खिलाफ शिकायत में कई गलत जानकारी देने और गैर-कानूनी काम करने के सात आरोप लगाए गए हैं, जो उनके नैतिक चरित्र पर बुरा असर डालते हैं।

### 17 देश और 25 लोग

अपनी पहचान के बारे में गलत जानकारी देने के आरोप में जिन 25 लोगों के खिलाफ नागरिकता रद करने की प्रक्रिया शुरू की गई है, उनमें पाकिस्तानी मूल के दो व्यक्ति जिया मुराद भट्टी और मोहम्मद वासिफ भी शामिल हैं। इन 25 लोगों के खिलाफ शिकायतें 20 जुलाई से 3 अगस्त के बीच दर्ज की गई थीं। इस लिस्ट में मोल्दोवा, मैक्सिको, कोलंबिया, नाइजीरिया, लाइबेरिया, घाना, जमैका, ताइवान, होंडुरास, कैमरून, जॉर्डन, क्यूबा, अल साल्वाडोर, हैती और स्वीडन के ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्हें बाद में अमेरिका की नागरिकता मिली थी। 25 नए मामलों के साथ 20 जनवरी 2025 से जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से नागरिकता रद करने के लिए दायर किए गए मामलों की कुल संख्या 123 हो गई है। ट्रंप प्रशासन उन लोगों की नागरिकता छीनने की कोशिशें तेज कर रहा है, जिनके बारे में उसका कहना है कि उन्होंने इसे गैर-कानूनी तरीके से हासिल किया था।

कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने एक बयान में कहा, अमेरिकी नागरिकता हमारे देश के सबसे बड़े विशेषाधिकारों में से एक है और इसे कानूनी और ईमानदारी से ही हासिल किया जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नई शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि इन लोगों ने धोखाधड़ी, जानकारी छिपाने या अन्य गैर-कानूनी तरीकों से नागरिकता हासिल की जिसमें हिंसक अपराधों, बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों, फर्जी पहचान और अयोग्य ठहराने वाली अन्य बातों को छिपाना शामिल है। ब्लैंच ने आगे कहा, आज की फाइलिंग डिपार्टमेंट के इतिहास में नागरिकता रद करने की सबसे बड़ी समन्वित कोशिश है लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। जस्टिस डिपार्टमेंट नागरिकता प्रक्रिया की शुचिता और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा की रक्षा के लिए उपलब्ध हर साधन का इस्तेमाल करना जारी रखेगा। इन 25 लोगों के खिलाफ कई तरह की शिकायते हैं, जिनके आधार पर जस्टिस डिपार्टमेंट का मानना है कि उन्हें अमेरिकी नागरिकता पाने या उसे बनाए रखने के लिए अयोग्य ठहराया जाना चाहिए था।

## अपराधियों को संरक्षण दे रहे कानून मंत्री : बीजद

**भुवनेश्वर, (वार्ता)।** ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन पर अपने विधानसभा क्षेत्र चिलिका में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को राजनीतिक संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि इससे क्षेत्र में अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। बीजद प्रवक्ता एवं मीडिया समन्वयक लेनिन मोहंती ने सोमवार को आरोप लगाया कि कानून मंत्री से कथित रूप से जुड़े असामाजिक तत्व खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि राजनीतिक दबाव के कारण पुलिस उनके खिलाफ कार्रवाई करने से बच रही है। कानून मंत्री के अपने निर्वाचन क्षेत्र की बिगड़ती कानून-व्यवस्था राज्य में भाजपा सरकार की विफलता को दर्शाती है। श्री मोहंती ने आरोप लगाया कि नाचुनी थाना क्षेत्र के खजुरीपाड़ा गांव के एक युवक के साथ मछली पकड़ने के मामूली विवाद को लेकर तुकुना सामंतसिंहार के नेतृत्व में कुछ लोगों ने दिनदहाड़े मारपीट की। बीजद ने चिलिका क्षेत्र में अनुसूचित जनजाति की एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के प्रयास के मामले का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि आरोपी कानून मंत्री के करीबी होने के कारण पुलिस ने उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की।

## बेगुनाहों की हत्या की इजाजत कोई धर्म नहीं देता: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, (वार्ता)

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि किसी भी धर्म में निर्दोष लोगों की हत्या की अनुमति नहीं है और ऐसी घटनाओं को रोकना एवं लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सुरक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है।

दक्षिण कश्मीर में पिछले 10 दिनों के दौरान दो आतंकवादी हमले हुए हैं। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी की 22 जुलाई को अनंतनाग के लाल चौक के निकट आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके नौ दिन बाद 31 जुलाई को कुलगाम जिले के किलम क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के दो गैर-स्थानीय मजदूरों पर संदिग्ध आतंकवादी ने गोली चला दी। इनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि दूसरे ने अगले दिन उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

श्री अब्दुल्ला ने श्रीनगर में एक गोल्फ प्रतियोगिता के दौरान संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इन हत्याओं से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और इसकी जितनी भी निंदा की जाये, वह कम है।

उन्होंने कहा, जिन लोगों की हत्या हुई, यह बहुत दुखद है। ऐसा नहीं होना चाहिए था।

श्री अब्दुल्ला ने कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाये जाने का किसी भी परिस्थिति में औचित्य नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, इस तरह बेगुनाह लोगों की हत्या करने की इजाजत कोई धर्म नहीं देता। इसकी जितनी भी निंदा की जाये और इसके खिलाफ जितने भी शब्द कहे जायें, वे कम हैं। श्री अब्दुल्ला कहा कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी जिन एजेंसियों पर है, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे इस प्रकार के हमलों को रोकें और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

## पीओके की सच्चाई दिखाने पर भड़का पाकिस्तान, अल जजीरा की वेबसाइट को किया बैन

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान ने अल जजीरा की वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया है। पाकिस्तान में कई यूजर्स सोशल मीडिया पर दावा कर रहे हैं कि वे अल जजीरा की वेबसाइट नहीं खोल पा रहे हैं।

गुलाम कश्मीर में सरकार विरोधी और चुनाव से जुड़े विरोध-प्रदर्शनों पर दिखाई गई सच्चाई पाकिस्तान को रास नहीं आई, इसलिए पाकिस्तान ने कतर के इस ब्रॉडकास्टर को ब्लॉक कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने अभी तक इस ब्रॉडकास्टर पर कोई औपचारिक प्रतिबंध लगाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन पाक यूजर्स सोशल मीडिया पर वेबसाइट न खुलने के बारे में बता रहे हैं।

इन सभी बातों के बीच पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अल जजीरा की रिपोर्टिंग की आलोचना की है और मीडिया संगठन पर चुनावों और वोटिंग प्रक्रिया को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल- पर बयान जारी करते हुए कहा, हमने आज मुजफ्फराबाद के कुछ खास पोलिंग स्टेशनों से अल जजीरा की चुनिंदा रिपोर्टिंग पर ध्यान दिया है।

पाक सरकार की तरफ आरोप लगाते हुए आगे कहा गया, सोच-समझकर चुने गए समय और कुछ खास लोगों के पहले से तय बयानों के जरिए, चैनल ने छ्य चुनावों और वोटिंग प्रक्रिया को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की है।

पाकिस्तान की तरफ से कहा गया, %इस तरह की येलो जर्नलिज्म सिर्फ उन बाहरी ताकतों के एजेंडे की पुष्टि करती है जिनका अपना स्वार्थ है और जो इस चुनावी प्रक्रिया को अवैध ठहराने और मुजफ्फराबाद व छ्य के लोगों की इच्छा को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों ने आज अराजकता और जबरदस्ती को नकार कर इसे साफ तौर पर दिखाया है।

पाकिस्तान ने कतर के इस ब्रॉडकास्टर पर येलो जर्नलिज्म करने का भी आरोप लगाया। येलो जर्नलिज्म शब्द ऐसी रिपोर्टिंग के लिए इस्तेमाल होता है जिसमें पाठकों को चौंकाने के लिए बातों को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जाता है।

## विपक्ष का आचरण अलोकतांत्रिक और शर्मनाक : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि जिन लोगों को लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है, वही संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने वाली संस्थाओं का लगातार अपमान और अवमानना कर रहे हैं।

हंगामे के बीच मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि समाजवादी पार्टी और विपक्ष का आचरण न केवल असंवैधानिक है, बल्कि शर्मनाक भी है। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यसूची पहले से निर्धारित थी और उसके अनुसार विधायी कार्य होने थे, लेकिन विपक्ष ने उन पर चर्चा में कोई रुचि नहीं दिखाई और सदन के बहुमूल्य समय को नष्ट करने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि विपक्ष का यह रवैया उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता के साथ खिलवाड़ है। राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनहित के मुद्दों पर कार्य कर रही है और सदन के माध्यम से महत्वपूर्ण विधायी कार्यों को आगे बढ़ाना चाहती है। योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का आचरण पूरा प्रदेश देख रहा है। उनका लोकतांत्रिक मूल्यों में कभी विश्वास नहीं रहा और वह जानबूझकर सदन की अवमानना कर लोकतांत्रिक व्यवस्था की खिल्ली उड़ाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी विषयों पर चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन विपक्ष को भी संसदीय परंपराओं और सदन की गरिमा का सम्मान करना चाहिए।

इससे पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को जैसे ही मुख्यमंत्री योगी बोलने के लिए खड़े हुए वैसे ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायक इंजीनियर सचिन यादव के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें पूरे मानसून सत्र के लिए सदन से निष्कासित कर दिया। अध्यक्ष ने सदन में व्यवस्था बनाए रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि विधायक का आचरण संसदीय मर्यादा के अनुरूप नहीं था। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले को विधानसभा की आचार समिति (एथिक्स कमेटी) के पास भेजा जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि जांच में नियमों और सदन की मर्यादा के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो संबंधित सदस्य के विरुद्ध सदस्यता समाप्त करने सहित नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है।

विधानसभा अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से सदन की गरिमा बनाए रखने और संसदीय परंपराओं का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में असहमति व्यक्त करने का अधिकार है, लेकिन सदन की कार्यवाही बाधित करना और नियमों की अवहेलना स्वीकार्य नहीं है।

**फिल्म/टीवी मनोरंजन**

## पवन मल्होत्रा ने नेशनल अवॉर्ड विजेता कार्तिक आर्यन के अभिनय की सराहना की

वरिष्ठ अभिनेता पवन मल्होत्रा ने फिल्म चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को मिले 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की सराहना करते हुए कहा कि कार्तिक इस सम्मान के पूरी तरह हकदार हैं।राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों पर प्रतिक्रिया देते हुए पवन मल्होत्रा ने कहा, कार्तिक आर्यन चंदू चैंपियन के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड के पूरी तरह हकदार हैं। वह लड़का कमाल का था। पवन मल्होत्रा ने कहा कि फिल्म में कार्तिक आर्यन ने न केवल अपने किरदार के लिए उल्लेखनीय शारीरिक परिवर्तन किया, बल्कि उसके भावनात्मक पक्ष को भी प्रभावशाली ढंग से पर्दे पर उतारा। यही दमदार अभिनय उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तक ले गया। स्वयं राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित पवन मल्होत्रा ने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार किसी भी अभिनेता के लिए सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है। उन्होंने कहा कि कार्तिक की उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि चंदू चैंपियन में उनके अभिनय ने दर्शकों के साथ-साथ फिल्म जगत के अनुभवी कलाकारों को भी प्रभावित किया।

## चल ना रील बनाते हैं आज की पीढ़ी से जुड़ी लाइन : अमित त्रिवेदी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संगीतकार अमित त्रिवेदी ने कहा है कि उनके नए गीत फील बनाते हैं की हुक लाइन चल ना रील बनाते हैं आज की पीढ़ी की जीवनशैली से जुड़ी होने के कारण बेहद रिलेटेबल है। स्टार प्लस के नए शो ये फितूर तेरा के पांच अगस्त को होने वाले प्रीमियर से पहले जारी किए गए इस गीत को दर्शकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। गीत का कैची हुक, आधुनिक संगीत और जेन-ज़ी की भाषा इसे युवा दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना रहा है। अमित त्रिवेदी ने कहा, हमें ये फितूर तेरा जैसे जेन-ज़ी शो के लिए एक मज़ेदार गीत चाहिए था। गाने का विचार यह था कि एक लड़की अपने पसंद के लड़के के लिए गा रही है। इसी सोच और आज के दौर को ध्यान में रखते हुए हमारे दिमाग में चल ना रील बनाते हैं लाइन आई। आजकल हर कोई रील बना रहा है, इसलिए यह लाइन बहुत रिलेटेबल लगी। उन्होंने गीतकार गीत सागर की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गाने के बोल बेहद खूबसूरती से लिखे हैं और महिला किरदार की भावनाओं को प्रभावी ढंग से शब्दों में पिरोया है। अमित त्रिवेदी ने कहा कि इस गीत को तैयार करने में उन्हें काफी आनंद आया। उनके अनुसार लंबे समय बाद उन्हें इतना हल्का-फुल्का और मनोरंजक गीत तैयार करने का अवसर मिला।उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शकों को यह गीत और ये फितूर तेरा की दुनिया पसंद आएगी। ये फितूर तेरा का प्रीमियर पांच अगस्त से हर रात साढ़े आठ बजे स्टार प्लस पर होगा।

## संदीपा धर ने साझा किया लेग-डे वॉर्म-अप रूटीन, जल्द आएंगी चुंबक में नजर

अभिनेत्री संदीपा धर ने अपने लेग-डे वर्कआउट से पहले किए जाने वाले वॉर्म-अप रूटीन की झलक सोशल मीडिया पर साझा की है। फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचानी जाने वाली संदीपा ने बताया कि यह वॉर्म-अप उनके नियमित वर्कआउट का अहम हिस्सा है।संदीपा द्वारा साझा किए गए वीडियो में लेग-डे एक्सरसाइज से पहले अपनाई जाने वाली प्रभावी वॉर्म-अप तकनीक दिखाई गई है। उनका मानना है कि सही वॉर्म-अप मांसपेशियों को सक्रिय करने के साथ शरीर को कठिन व्यायाम के लिए तैयार करता है और चोट के जोखिम को भी कम करता है। उन्होंने कहा कि लेग-डे वर्कआउट में ताकत, लचीलापन और सहनशक्ति की आवश्यकता होती है, इसलिए तैयारी के इस चरण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। संदीपा का यह फिटनेस-केंद्रित दृष्टिकोण उनकी अनुशासित जीवनशैली को भी दर्शाता है। संदीपा धर जल्द ही नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल सीरीज %चुंबक% में नजर आएंगी। इस कॉमेडी सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, अर्जुन बिजलानी, सुमीत व्यास और हेली शाह सहित कई कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देंगे।मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सीरीज 28 अगस्त, 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

## ऋचा चड्डा की 'मुसाफिरी' में दिखेगी भारत की अनसुनी ऐतिहासिक कहानियां, इतिहास प्रेम से मिली प्रेरणा

अभिनेत्री और निर्माता ऋचा चड्ढा अपनी प्रोडक्शन कंपनी पुशिंग बटन्स स्टूडियोज के बैनर तले बनने वाली नई नॉन-फिक्शन सीरीज 'मुसाफिरी' के जरिए भारत की समृद्ध विरासत और इतिहास की अनसुनी कहानियों को दर्शकों के सामने पेश करने के लिए तैयार हैं।ऋचा चड्ढा ने बताया कि इतिहास की पढ़ाई और भारतीय संस्कृति एवं विरासत के प्रति उनके गहरे लगाव ने उन्हें इस सीरीज को बनाने के लिए प्रेरित किया। 'मुसाफिरी' के माध्यम से वह देश के ऐतिहासिक स्थलों, वहां से जुड़ी कहानियों और उन लोगों को सामने लाना चाहती हैं, जिनका योगदान अक्सर इतिहास के पन्नों में छिपा रह जाता है। ऋचा हमेशा से भारत के इतिहास की विभिन्न परतों को समझने में रुचि रखती रही हैं। किताबों के अध्ययन, यात्राओं और अलग-अलग लोगों से बातचीत के अनुभवों ने इस सीरीज की कल्पना को आकार दिया है। इतिहास केवल तारीखों और घटनाओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह लोगों, परंपराओं और संस्कृति की जीवंत कहानी है। 'मुसाफिरी' दर्शकों को भारत के कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले स्थानों की यात्रा कराएगी। सीरीज में स्थानीय लोगों की कहानियों, शानदार दृश्यांकन और दिलचस्प किस्सों के माध्यम से देश की विविधता और सांस्कृतिक धरोहर को नए नजरिए से प्रस्तुत किया जाएगा।

# जनसहभागिता से ही बनेगा स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश: पद्मश्री मोहन नागर

## जिला स्तरीय स्वैच्छिकता पर्व में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और नशा मुक्ति का दिया संदेश

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित जिला स्तरीय स्वैच्छिकता पर्व में परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने कहा कि जनसहभागिता और स्वैच्छिकता ही समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने नागरिकों से जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही स्वच्छ, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नदियों का जलस्तर लगातार घट रहा है, जंगल सिमट रहे हैं तथा प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसी परिस्थितियों में केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज की सक्रिय सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। जन अभियान परिषद इसी उद्देश्य से समाज में नेतृत्व क्षमता विकसित करने और नागरिकों को जनहित के कार्यों से जोड़ने का निरंतर प्रयास कर रहा है। पद्मश्री मोहन नागर ने बताया कि परिषद के स्थापना दिवस से 12 अगस्त तक पूरे प्रदेश में स्वैच्छिकता पर्व आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नागरिकों को स्वैच्छिक गतिविधियों से जोड़ना, जनभागीदारी को बढ़ावा देना तथा समाज में सकारात्मक नेतृत्व का विकास करना है। उन्होंने कहा कि परिषद के कार्यों का मूल आधार स्वैच्छिकता और जनसहभागिता है। इसी भावना से प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान में हजारों नागरिकों ने श्रमदान कर जल स्रोतों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष प्रदेशभर में लगभग 2,200 प्राचीन बावड़ियों का जनसहयोग से पुनर्जीवन किया गया, जो समाज की जागरूकता और सामूहिक प्रयास का उत्कृष्ट उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि जब समाज स्वयं नेतृत्व करता है, तब जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और स्वच्छता जैसे अभियान जनआंदोलन का रूप ले लेते हैं। प्रत्येक नागरिक यदि इन कार्यों को अपना दायित्व समझकर योगदान दे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह ने जल, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए नशा मुक्ति को भी जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पेड़ों की कटाई, जल का अंधाधुंध दोहन और बदलती जीवनशैली के कारण सामाजिक मूल्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिसे सामुदायिक जिम्मेदारी और जनसहभागिता से दूर किया जा सकता है। इस अवसर पर समाजसेवी श्री रामस्नेही पाठक ने पद्मश्री मोहन नागर के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए उन्हें जिले के लिए प्रेरणास्रोत बताया तथा सभी से समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में पद्मश्री मोहन नागर का शाल-श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। साथ ही 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत उन्होंने आम, बेल और आंवला के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. अनन्त कुमार दुबे, भारत विकास परिषद के रीजनल प्रेसिडेंट श्री सुनील कोठारी, श्री राघवेन्द्र जाट, संभाग समन्वयक श्री रवि प्रसाद बर्मन, जिला समन्वयक श्री जयनारायण शर्मा, श्री प्रतीक दुबे सहित नवांकुर संस्थाओं, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों, सीएमसीएलडीपी के परामर्शदाता, छात्र-छात्राएं तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# अनुराधा काबरा का दिल्ली में सम्मान

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर की समाजसेवी श्रीमती अनुराधा काबरा ने एक बार फिर नगर का नाम रोशन किया है। उन्होंने डॉक्टर अंतिम जैन एस.बी.पी.ए.एस.एस. इन्दौर द्वारा हेल्थ सेक्टर स्किल काउंसिल एवं आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित फण्डामेन्टल ऑफ सुजोक थेरेपी की परीक्षा प्रथम बेच में उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि के लिए उन्हें आयुष मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि श्रीमती अनुराधा काबरा विगत 14 वर्षों से गाडरवारा में सुजोक थेरेपी के माध्यम से सैकड़ों मरीजों को स्वास्थ्य लाभ दिला रही हैं। उन्होंने यह विद्या प्रसिद्ध सुजोक थेरेपिस्ट डॉ. मयूर जैन से प्रशिक्षण लेकर शुरुआत की थी। इसके बाद से वे बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंद लोगों को दवाविहीन चिकित्सा पद्धति के माध्यम से राहत पहुंचा रही हैं। सुजोक थेरेपी हाथ और पैर के बिंदुओं के माध्यम से शरीर के रोगों का उपचार करने की कोरियन पद्धति है। अनुराधा काबरा ने अब तक गठिया, माइग्रेन, शुगर, बी.पी., पीठ दर्द और महिलाओं की विभिन्न समस्याओं में सैकड़ों लोगों को लाभ पहुंचाया है। आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित समारोह में देशभर से उत्तीर्ण हुए अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हेल्थ सेक्टर स्किल काउंसिल के पदाधिकारियों ने अनुराधा काबरा के सामाजिक कार्यों और 14 वर्षों की निरंतर सेवा की सराहना की। सम्मान मिलने के बाद श्रीमती काबरा ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए प्रेरणा है। मेरा उद्देश्य आगे भी गाडरवारा और आसपास के क्षेत्र में सुजोक थेरेपी को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को बिना दवा के स्वस्थ जीवन जीने में मदद करना है।

श्रीमती अनुराधा काबरा केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी हैं। वे माहेश्वरी महिला मंडल, गाडरवारा की अध्यक्ष के रूप में भी कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान जैसे कई कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर नगर के गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और माहेश्वरी समाज ने बधाई देते हुए गर्व व्यक्त किया है।

# अमाड़ा में ब्रह्मकुमारी बहिनों ने किया संवाद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

गत दिवस ग्राम अमाड़ा के एकीकृत शासकीय हाईस्कूल में प्रजापिता ब्रम्हकुमारी बहिनों रश्मि एवं त्रवा बहिन द्वारा शाला के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने मानव शरीर को कैसे नशे से दूर रखना है एवं आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का ध्यान के माध्यम से मन को शांत स्थिर रखने के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि नशा समाज में एक बुराई है। नशे से मुक्त रहकर ही स्वस्थ रहा जा सकता है।

उन्होंने ध्यान का महत्त्व बताते हुए कहा कि ध्यान करने से मन को शांति मिलती है जो कि तनाव भरे माहौल से राहत के लिए जरूरी है। इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र सिंह वर्मा, रामकुमार मेहरा, जे. एल. साहू, कृपांशु मेश्राम, शुभम कालबेले, देवेंद्र वर्मा, किरण राजपूत, नेहा वर्मा, युगाक्षी वर्मा सहित अभिभावकों में राजेन्द्र कुमार वर्मा,रमेश साहू एवं समस्त शाला परिवार सहयोगी रहा।

# अंधी हत्या का खुलासा

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। जिले के मोहगांव थाना क्षेत्र में हुई अंधी हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी ने मृतक पर जादू-टोना करने का संदेह होने के कारण कुल्हाड़ी से उसकी हत्या कर दी थी हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी को छिपाने में एक अन्य आरोपी ने भी उसका साथ दिया पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में गंभीर अपराधों के त्वरित निराकरण अभियान के तहत थाना मोहगांव पुलिस ने यह कार्रवाई की पुलिस के अनुसार 1 अगस्त को ग्राम खर्रीडीहापार निवासी गायत्री मरावी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

# बगैर मकान मालिक की अनुमति के लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर

### करंट मार रहे बिजली के बिल

## विद्युत विभाग के ठेकेदार चुपचाप स्मार्ट मीटर लगा रहे

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

वर्तमान में नागरिकों के हाथ में बिजली बिल आने से ही राशि देखकर मानो करंट लग रहा है। कारण है कि मप्रविविकंलिमि द्वारा नगर में स्मार्ट मीटर घरों घर लगाए जा रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि सूने घर में और बिना मकान मालिक की अनुमति के स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे है। जबकि पुराने लगे हुये मीटर स्वस्थ हैं, फिर भी मनमानी कार्यप्रणाली अपनाकर विद्युत विभाग के ठेकेदार चुपचाप स्मार्ट मीटर लगा रहे हैं। नगर के आजाद वार्ड यशोदा नगर कॉलोनी निवासी मिथलेश गुप्ता ने बताया कि विद्युत विभाग ने उनकी बगैर अनुमति के घर में ताला पड़ा होने के बाद स्मार्ट मीटर लगाया है, उनसे किसी भी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई। उन्होंने इस संबंध की शिकायत विद्युत विभाग में की है जिसमें उल्लेख किया है कि पुराने मीटर में क्या रीडिंग थी, और लगाया गया नया स्मार्ट मीटर में क्या रीडिंग का लगाया है। उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई और मीटर बदल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि नगर में लगाये जा रहे स्मार्ट बिजली उपभोक्ताओं के अत्यधिक हजारों रूपयों की राशि के बिल थमाये जा रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को आर्थिक रूप से काफी परेशानियां उठानी पड़ रही हैं। उधर जिम्मेदार पक्ष एवं विपक्ष के नेता भी मौन साधे हुये है, यही कारण है कि खुलेआम बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को लूटा जा रहा है।

### 16 घण्टे का पीक टाइम

स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को अजीब तरह के बिल बिजली विभाग द्वारा जारी किये जा रहे हैं। जिसमें शाम को 5 बजे से लेकर सुबह 9 बजे तक याने 16 घण्टे तक पीक टाईम रखा गया है, इस टाइम में बिजली की खपत का चार्ज घरेलु बिजली से लगभग दोगुना है।

केवल सुबह 5 बजे से लेकर शाम के पांच बजे तक याने केवल दिनभर हुई बिजली की खपत में ही घरेलु चार्ज लिया जाएगा। चैंकाने वाली बात है कि 24 घण्टों में 16 घण्टे तक की बिजली खपत के यूनिट मंहगे होने से उपभोक्ताओं को बिजली बिल हजारों में पहुंच रहा है। जो कि बिजली विभाग की खुलेआम मनमानी है।

# विकासखंड स्तरीय शालेय तैराकी प्रतियोगिता में प्रतिभाओं का दमदार प्रदर्शन

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

जिला शिक्षा अधिकारी, नरसिंहपुर के मार्गदर्शन में वार्षिक खेल कैलेंडर सत्र 2026-27 के अंतर्गत सोमवार को विकासखंड स्तरीय शालेय तैराकी, डाइविंग एवं वाटर पोलो प्रतियोगिता का आयोजन अशासकीय काबरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल, गाडरवारा में किया गया। प्रतियोगिता में अंडर-14, 17 एवं 19 आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने उत्कृष्ट तैराकी कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया। आयोजन के उपरांत श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए किया गया।

इस आयोजन में ब्लॉक खेल प्रभारी श्री सत्यप्रकाश ढिमोले, प्राचार्य डॉ. संपा दास सहित श्री अजय सोनी, श्रीमती सीमा कुशवाहा, श्रीमती ज्योति धानक, श्री आदित्य द्विवेदी, श्री परेश शर्मा, श्री युनिस हुसैन, श्री तरुण भास्कर, श्रीमती प्रियंका राजपूत एवं श्री देवेंद्र रजक का विशेष सहयोग रहा।

उल्लेखनीय है कि नदी तटीय ग्राम सांगई से शिक्षक श्री मधुसूदन पटेल के मार्गदर्शन में छात्र राज केवट एवं प्रियांश केवट सहित मेहरागांव, बरहटा, कैलकच्छ सहित अन्य ग्रामों के विद्यार्थियों ने भी प्रमुख रूप से भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

# आतंकी बंदरों ने ली एक की जान

मण्डला/नारायणगंज। जिले के नारायणगंज नगर में बंदरों का आतंक अब जानलेवा साबित होने लगा है। बंदरों के झुंड से बचने के प्रयास में छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 45 वर्षीय छोटेलाल सोनी की जबलपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई। उनकी मौत की खबर फैलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। घटना से नाराज व्यापारियों और नागरिकों ने नगर बंद रखकर प्रशासन और वन विभाग के खिलाफ अपना आक्रोश जताया तथा बंदरों की समस्या का स्थायी समाधान करने मांग की। जानकारी के अनुसार, छोटेलाल सोनी अपने घर की छत पर थे। इसी दौरान बंदरों का एक झुंड वहां पहुंच गया। बंदरों के हमले और उनके आक्रामक व्यवहार से बचने की कोशिश में उनका संतुलन बिगड़ गया और वे छत से नीचे गिर पड़े।

# जिला स्तरीय पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 7 अगस्त को होगी आयोजित

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2026 का जिला स्तरीय आयोजन 7 अगस्त 2026 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में आयोजित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में जिले के शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के लिए विद्यालय स्तर से तीन-तीन विद्यार्थियों की टीम बनाई जाएगी। जिले के 143 विद्यालयों टीमों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 2026 दो चरणों में आयोजित होगी। पहले चरण में लिखित परीक्षा प्रात: 10 से 12 बजे तक होगी, जिसमें करीब 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रश्न मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों, संस्कृति, इतिहास, राष्ट्रीय उद्यान, अभ्यारण्य, वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण सहित अन्य विषयों पर आधारित होंगे।

दूसरे चरण में लिखित परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली चयनित 6 टीमों के बीच ऑडियो-वीडियो राउण्ड (मल्टीमीडिया राउण्ड) दोपहर 2ः30 बजे से शाम 4ः30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान दर्शकों से भी प्रश्न पूछे जावेंगे तथा पुरुस्कृत किया जावेगा। इस चरण के आधार पर प्रथम तीन विजेता एवं तीन उपविजेता टीमों का चयन किया जाएगा। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड की ओर से विजेता टीमों को प्रदेश के दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलों पर जाने के लिए टूर पैकेज (कूपन) दिया जाएगा। प्रथम तीन टीमों को तीन दिन और दो रात का भ्रमण पैकेज जबकि अगले तीन टीमों को दो दिन और एक रात का भ्रमण पैकेज मिलेगा। प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी के लिए क्विज मास्टर डॉ0 अशोक उदेनिया मोबा. नं. 9425468648 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

# कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जनसुनवाई में सुनी लोगों की समस्याएं

### जनसुनवाई में आये 140 आवेदन पत्रों की सुनवाई हुई समयबद्ध निराकरण के मौके से अधिकारियों को निर्देश

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में आवेदकों ने विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन पत्र प्रस्तुत किए। जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं से संबंधित कुल 140 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उन आवेदन पत्रों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। एडीएम श्री अरविंद सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी जनसुनवाई में लोगों की समस्याएं सुनी और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

# कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग का किया औचक निरीक्षण

### व्यवस्थाओं का लिया जायजा, सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा की

नरसिंहपुर, स्वतंत्र मत

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं, अभिलेखों के संधारण, लंबित प्रकरणों तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय-सीमा में सुनिश्चित रूप से पहुंचे। उन्होंने आंगनवाड़ी सेवाओं, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समय पर एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि शिकायतों का जवाब दर्ज करते समय किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। विशेष रूप से दो वर्ष से लंबित शिकायतों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर करने के निर्देश दिए। साथ ही असंतोषजनक जवाबों के स्थान पर गुणवत्तापूर्ण समाधान प्रस्तुत करने पर बल दिया। कलेक्टर ने लाड़ली बहना योजना से संबंधित शिकायतों के भी समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कार्यालय की सभी शाखाओं का निरीक्षण करते हुए आवक-जावक पंजी का अवलोकन किया और निर्देश दिए कि सभी प्रविष्टियां सही एवं नियमित रूप से दर्ज की जाएं। अन्य अभिलेखों के पृष्ठांकन कर अधिकारी द्वारा सील एवं हस्ताक्षर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कैशबुक का अवलोकन किया तथा सीडीपीओ कार्यालय में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं के मानदेय देयकों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने नरसिंहपुर विकासखंड के आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए पोषण आहार ट्रैकर के प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही बनाए रखी जाए।

# अवैध उत्खनन, ओवरलोडिंग और बिना वैध ई-टीपी परिवहन पर कसा शिकंजा

## जब्त वाहनों पर कलेक्टर न्यायालय में दर्ज होंगे प्रकरण, अभियान रहेगा लगातार जारी

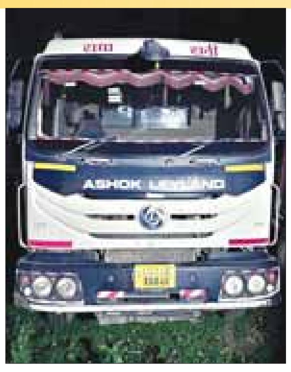

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में खनिज माफियाओं के विरुद्ध प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अवैध उत्खनन, ओवरलोडिंग और बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर आशीष तिवारी के स्पष्ट निर्देशों पर गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने मंगलवार देर रात जिले के विभिन्न संवेदनशील मार्गों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर सात ओवरलोड एवं अवैध खनिज परिवहन कर रहे वाहनों को जब्त किया। राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीमों ने देर रात तक अलग-अलग तहसीलों में एक साथ कार्रवाई करते हुए खनिज परिवहन करने वाले वाहनों की गहन जांच की। अभियान के दौरान बिना वैध ई-टीपी, निर्धारित सीमा से अधिक खनिज परिवहन तथा ओवरलोडिंग के मामलों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहनों को जब्त कर संबंधित थानों में सुरक्षित रखा गया। सहायक खनिज अधिकारी पवन कुशवाहा एवं कमलकांत परस्ते के नेतृत्व में खनिज विभाग की टीम ने विजयाराघवगढ़ के कैमूर क्षेत्र में जांच के दौरान ई-टीपी की स्वीकृत सीमा से अधिक चूना पत्थर का परिवहन कर रहे दो भारी वाहनों को पकड़ा। दोनों वाहनों को तत्काल जब्त कर कैमूर थाना परिसर में खड़ा कराया गया।

### बरही और विजयाराघवगढ़ में रेत के पांच ओवरलोड वाहन जब्त

एसडीएम विवेक गुप्ता एवं तहसीलदार आदित्य द्विवेदी के नेतृत्व में बरही क्षेत्र में तीन ओवरलोड रेत वाहनों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बहोरीबंद थाना पुलिस की अभिरक्षा में दिया गया। वहीं सिंगोड़ी के नायब तहसीलदार प्रेमलाल चौधरी द्वारा चलाए गए चेकिंग अभियान में रेत से भरे दो अन्य ओवरलोड वाहन पकड़े गए, जिन्हें विजयराघवगढ़ थाने में जब्त कराया गया।

### कलेक्टर न्यायालय में होगी दंडात्मक कार्रवाई

जब्त किए गए सभी सात वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज नियमों के प्रावधानों के तहत प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं। सभी मामलों को दंडात्मक कार्रवाई एवं जुर्माना अधिरोपित किए जाने के लिए कलेक्टर न्यायालय में पंजीबद्ध किया जाएगा। जिले की खनिज संपदा के अवैध दोहन, ओवरलोडिंग तथा बिना वैध अनुमति के खनिज परिवहन के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। ऐसे मामलों में कठोरतम वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राजस्व, पुलिस, खनिज एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा यह विशेष अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। जिले के प्रमुख मार्गों, खदान क्षेत्रों तथा ग्रामीण अंचलों में दिन-रात औचक निरीक्षण कर अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य जिले की खनिज संपदा की सुरक्षा, वैध खनन व्यवस्था को मजबूत करना तथा कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना है।

# दतिया ने दिया बदलाव का संदेश

## कांग्रेस की ऐतिहासिक विजय पर कटनी कांग्रेस ने मनाया जश्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक एवं निर्णायक विजय पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने इसे जनता के विश्वास, लोकतंत्र और जनसेवा की राजनीति की जीत बताते हुए दतिया की जागरूक जनता, कांग्रेस नेतृत्व एवं समर्पित कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि दतिया की जनता ने अहंकार, जनविरोधी नीतियों और झूठे वादों को लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देते हुए कांग्रेस की जनहितकारी सोच, विकास की राजनीति और संविधान के प्रति अपनी आस्था पर विश्वास व्यक्त किया है। यह जीत आमजन की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा कांग्रेस के निरंतर जनसंघर्ष की विजय है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश पूरे प्रदेश में सकारात्मक बदलाव का स्पष्ट संदेश देता है। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह ने कहा कि दतिया उपचुनाव का परिणाम मध्यप्रदेश की राजनीति में परिवर्तन का संकेत है। किसानों, युवाओं, महिलाओं, मजदूरों और समाज के प्रत्येक वर्ग ने कांग्रेस की जनसेवा, जवाबदेही और विकास की विचारधारा को अपना समर्थन दिया है। यह विजय कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता की निष्ठा, समर्पण और अथक परिश्रम का सम्मान है तथा संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी। दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में कांग्रेसजनों ने ढोल-नगाड़ों की गूंज, आकर्षक आतिशबाजी एवं पटाखे फोड़कर हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएँ दीं और इस ऐतिहासिक जीत को जनता के अटूट विश्वास, लोकतंत्र तथा जनसेवा की राजनीति की विजय बताते हुए दतिया की जागरूक जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, रजनी वर्मा, अंशु मिश्रा, मोसुफ अहमद बिट्टू, राजेश जाटव, जितेंद्र गुप्ता, मंगल सिंह, मुन्ना कुशवाहा, माया चौधरी, रूपा तिवारी, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, शशि शेखर भारद्वाज, नारायण निषाद, गुलाम जाफर, प्रशांत जायसवाल, भूपेश जायसवाल, राकेश गुड्डू द्विवेदी, संदीप यादव, इजरायल खान, शशांक गुप्ता, अजय खटीक, जार्ज डेविड, रॉबिन पीटर, रमेश अहिरवार, अजय कोल, घनश्याम पटेल, दुर्गावती कोल, कल्पना पाठक, विजय मंगल चौधरी, प्रशांत पांडे, इरशाद खान, सुशील जायसवाल, राजमणि तिवारी, सुरेन्द्र राणा, इमरान खान, दिलदार खान, हर्षित मिश्रा एवं साहिल नामदेव उपस्थित रहे। अंत में सभी कांग्रेसजनों ने प्रदेश में जनसेवा, सामाजिक न्याय एवं विकास के संकल्प को और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा दतिया की जनता के प्रति पुन: आभार व्यक्त किया।

# सेवा भाव के साथ मनाई गुरु पूर्णिमा

कटनी (स्वतंत्रमत)

गुरु की संगति मात्र से अज्ञानी भी ज्ञानी बन सकता है। गुरु का आशीर्वाद हर मुश्किल से पार निकाल देता है। गुरु के प्रति अपनी इसी सेवाभाव को व्यक्त करते हुए जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर अपने डांस गुरु बलभद्र गौर के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान आहना की समाज सेविकाओं ने अपने गुरु से केक कटवा कर इस दिन को सेलिब्रेट किया। गुरु पूर्णिमा के इस खास अवसर पर आहना की संस्थापिका एवम् अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, कविता लालवानी, स्वाति नायक, शालिनी बजाज, वंदना गट्टानी, सिमरन महेश्वरी, आरती राय, शिखा गुप्ता, पूजा गुप्ता, एकता महेश्वरी और रेनुका गोयनका, तनु गुप्ता शामिल रही।

# सनशाइन एकेडमी में पैरेंट्स-टीचर मीटिंग

## पीटीएम में अभिभावकों और शिक्षकों के बीच हुई शैक्षिक प्रदर्शन व सर्वांगीण विकास पर चर्चा

कटनी (स्वतंत्रमत)

सनशाइन एकेडमी माधव नगर में क्वाटरली पेरेंट्स टीचर मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सभी बच्चों ने अति उत्साहित होकर अपने माता- पिता के साथ परीक्षा के रिजल्ट की जानकारी ली। बच्चों ने बहुत खुशी से टीचर्स से मार्कशीट ली और साथ ही टीचर्स ने बच्चो के साथ सेल्फीज ली। पैरेंट्स टीचर मीटिंग, छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन, व्यवहार और समग्र विकास पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह सिर्फ प्रोग्रेस रिपोर्ट लेने का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चे के उज्वल भविष्य की योजना बनाने का अवसर है। पी.टी.एम. में अभिभावकों ने शिक्षकों से बच्चों के बारे में कुछ इस प्रकार के प्रश्न किए जैसे:- बच्चा किस विषय में होशियार है और किसमें उसे मदद की ज़रूरत है? क्या बच्चा कक्षा में ध्यान केंद्रित करता है और दोस्तों के साथ घुलता-मिलता है? क्या वह सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों में भाग ले रहा है? पिछले टेस्ट के मुकाबले बच्चे में क्या सुधार हुआ है? क्या बच्चा स्कूल में खुश और सहज महसूस कर रहा है? शिक्षकों ने अभिभावकों के सभी प्रश्नो के उत्तर दिए। पैरेंट्स के लिए बेहद जरूरी है इसे अटेंड करना ताकि आपको अपने बच्चे की प्रॉग्रेस के बारे में पता चल सके। ऐसा करने से वे अपने बच्चे की ओवरऑल प्रोग्रेस रिपोर्ट से वाकिफ होते है। पीटीएम के माध्यम से पेरेंट्स को बताया गया कि बच्चो की परफॉर्मेंस कैसी रही। ऐसा कहा जाता है कि माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चे के बारे में सबसे ज्यादा जानते हैं। घर के अलावा बच्चे सबसे ज्यादा समय स्कूल में बिताते हैं, जहां टीचर ही उनके गार्जियन का रोल निभाते हैं। यही वजह है कि स्कूलों में पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) होती है, जिससे पेरेंट्स और टीचर बच्चे से जुड़ी बातों पर चर्चा कर सकें। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का उद्देश्य बच्चे के विकास से जुड़ी बातों को आपस में शेयर करना होता है। पीटीएम में बच्चों के टीचर्स से बात करके पेरेंट्स अपने बच्चों की प्रतिभाओं, क्षमताओं, कमजोरियों और लर्निंग स्टाइल को बेहतर तरीके से पहचान पाते हैं। खासतौर पर अगर आपके बच्चे ने अभी-अभी स्कूल जाना शुरू किया है, तो पेरेंट्स टीचर मीटिंग के जरिए आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे आप अपने बच्चे के विकास में मदद कर सकते हैं। इसके लिए बहुत जरुरी है कि आप पेरेंट-टीचर मीटिंग में टीर्चर से सही सवाल पूछें। पेरेंट्स टीचर मीटिंग में आपको न सिर्फ बच्चे की परफॉरमेंस के बारे में सवाल करने चाहिए, बल्कि उसके व्यक्तित्व से जुड़े सवालों को भी पूछना चाहिए। समस्त शिक्षकों ने बच्चों को बधाई एवं आशीर्वाद दिया। जूही जैन की उपस्थिति बनी रही।

# सनशाइन एकेडमी राहुलबाग में त्रैमासिक अभिभावक-शिक्षक बैठक संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)

सनशाइन एकेडमी, राहुलबाग में 03 अगस्त को त्रैमासिक अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। बैठक में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के त्रैमासिक परीक्षा परिणाम, शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास की जानकारी अभिभावकों से साझा की। अभिभावकों ने विद्यालय के सकारात्मक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, गतिविधि-आधारित शिक्षा तथा शिक्षकों के समर्पित प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर अभिभावकों के लिए आयोजित कलरिंग गतिविधि को सभी ने बड़े उत्साह और आनंद के साथ किया। इस गतिविधि ने बैठक को और अधिक रोचक एवं यादगार बना दिया। अंत में अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार की रचनात्मक गतिविधियों के आयोजन की सराहना की।

# नगर निगम में आयोजित महापौर जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं पर हुई सुनवाई

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** नगर पालिक निगम में मंगलवार 4 अगस्त को आयोजित महापौर जनसुनवाई में शहर के विभिन्न वार्डों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे महापौर प्रीति संजीव सूरी के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान पेयजल, सड़क, नाली, स्वच्छता, अतिक्रमण, राजस्व एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित आवेदनों पर विस्तार से सुनवाई की गई। महापौर ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से प्रकरणवार जानकारी प्राप्त की तथा समयसीमा के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका

परिणाम भी समय पर दिखाई देना चाहिए। प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए आवेदकों को कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एक साथ उपस्थित रहे, जिससे आवेदकों की शिकायतों पर तत्काल विभागीय समन्वय स्थापित हुआ। कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक निर्देश जारी किए गए, जबकि शेष प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। महापौर ने कहा कि जनसुनवाई नागरिकों और नगर निगम के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने शहरवासियों से प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई में शामिल होकर अपनी समस्याएं सीधे प्रस्तुत करने की अपील करते हुए कहा कि नगर निगम पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनहितकारी प्रशासन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

# कांग्रेस का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन अभियान के तहत पार्टी पदाधिकारियों को राजधानी दिल्ली एवं प्रदेश के पचमढ़ी में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए थे। उसके उपरांत कांग्रेस पार्टी ने निचले स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के उद्देश्य से ब्लाक एवं मंडलम अध्यक्षों को संगठन सृजन अभियान के तहत प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए थे। उसी तारतम्य में कांग्रेस द्वारा जिला मुख्यालय में बुधवार से दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण के दौरान ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष तथा मंडलम अध्यक्षों को पार्टी से जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षको द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला, जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह ने एक जानकारी में संयुक्त रूप से बताया कि 5 अगस्त बुधवार से गुरुवार 6 को अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन शहर की एक निजी संस्थान में पार्टी के ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष, नगर कांग्रेस अध्यक्ष एवं मंडलम अध्यक्षों का होगा, इस प्रशिक्षण शिविर को प्रदेश प्रभारी हरिश चौधरी, कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंधार, मध्यप्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी महेन्द्र जोशी के अलावा देश की राजधानी दिल्ली से पहुंचे पर्यवेक्षकों द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

# कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन एवं रुद्राभिषेक का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में पवित्र सावन माह में श्री शनि मंदिर, तिलक कॉलेज रोड में कटनी में पार्थिव शिवलिंग निर्माण, सामूहिक पूजन, हवन एवं रुद्राभिषेक का धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत पार्थिव शिवलिंग निर्माण से हुई। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक पूजन-अर्चन, हवन एवं रुद्राभिषेक किया गया। बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य, मातृशक्ति एवं श्रद्धालुगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था की महिला विंग ने विशेष भूमिका निभाई। पार्थिव शिवलिंग निर्माण से लेकर पूजन, प्रसाद वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं को महिला विंग के सदस्यों ने अनुशासन एवं समर्पण के साथ सम्पन्न कराया। महिला विंग की अध्यक्ष मंजू शर्मा ने कहा कि हमारा उद्देश्य सिर्फ पूजा करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा और आध्यात्मिकता का भाव जगाना है। महिला विंग की सभी बहनों ने पूरे समर्पण से कार्य किया। आगे भी संस्था सामाजिक और धार्मिक कार्यों में इसी तरह सक्रिय रहेगी। संस्था के अध्यक्ष टीनू सचदेवा एवं अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता एवं सेवा भाव को बढ़ावा देना ही संस्था का उद्देश्य है। भविष्य में भी संस्था द्वारा इसी प्रकार के सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था के सभी सदस्यों एवं स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# चार वर्षों की विकास यात्रा बनी जनविश्वास की पहचान

## महापौर एवं नगर निगम परिषद के चार वर्ष पूर्ण, जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर दी शुभकामनाएं

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम कटनी की महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं नगर निगम परिषद के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सोमवार को नगर निगम कार्यालय में आत्मीय एवं गरिमामय वातावरण में मेयर-इन-काउंसिल सदस्यों एवं पार्षदों ने महापौर को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने महापौर के नेतृत्व में नगर के समग्र विकास, जनहितकारी कार्यों तथा नागरिक सुविधाओं के विस्तार की सराहना करते हुए जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। महापौर प्रीति संजीव सूरी ने इस अवसर पर मेयर-इन-काउंसिल सदस्यों, सभी पार्षदों, जनप्रतिनिधियों, नगर निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नगरवासियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते चार वर्षों की यह यात्रा जनविश्वास, सहयोग और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। नगर के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को गति देने, सड़क, नाली, पेयजल, विद्युत, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किए गए हैं। नगर के सर्वांगीण विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि नगर के विकास का यह सफर निरंतर जारी है। आने वाले समय में भी नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जनसुविधाओं के विस्तार तथा शहर के सुनियोजित विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नगरवासियों के सहयोग से कटनी निरंतर प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा। इस अवसर पर पार्षदों ने कहा कि बीते चार वर्षों में नगर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को नई गति मिली है। आधारभूत सुविधाओं का विस्तार हुआ है तथा जनसमस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। उन्होंने महापौर को चार वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दीं तथा नगर के विकास के लिए आगे भी पूर्ण सहयोग का विश्वास व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मेयर-इन-काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष साहू, जयनारायण निषाद, सुरेन्द्र गुप्ता, उमेन्द्र अहिरवार, बीना बनर्जी, तुलसा गुलाब बेन तथा पार्षद सीमा श्रीवास्तव, शकुंतला सोनी, नरेश अग्रवाल एवं जीवन चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नगर निगम परिषद के चार वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कटनी के उज्ज्वल भविष्य तथा सतत विकास की कामना की।

# डॉ. मनसुख मांडविया ने बॉक्सिंग, जूडो और पैरा-एथलेटिक्स में मेडल जीतने वालों को किया सम्मानित

**नयी दिल्ली (वार्ता)** केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज उन भारतीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया जो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में बॉक्सिंग, जूडो और पैरा-एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन करके लौटे हैं। चैंपियंस को बधाई देते हुए, डॉ. मांडविया ने उनसे आग्रह किया कि वे अपने खेल करियर के बाद भी अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों का मार्गदर्शन और प्रेरणा बनकर भारतीय खेलों में अपना योगदान दें। सम्मान समारोह में भारतीय बॉक्सिंग टीम के सदस्य भी शामिल हुए, जिसने 10 मेडल (सात गोल्ड और तीन सिल्वर) जीतकर बॉक्सिंग मेडल टैली में टॉप स्थान हासिल किया। केंद्रीय खेल मंत्री ने जूडो टीम को भी सम्मानित किया, जिसने चार मेडल (दो ऐतिहासिक गोल्ड सहित) जीतकर इस खेल में भारत का अब तक का सबसे अच्छा कॉमनवेल्थ गेम्स अभियान पूरा किया। साथ ही, पैरा-एथलेटिक्स टीम को भी सम्मानित किया गया, जिसके ग्लासगो में शानदार प्रदर्शन ने भारतीय पैरा-स्पोर्ट्स के लिए एक अहम मोड़ साबित किया।

### गोल्ड 30 सिल्वर 20 और ब्रॉन्ज़ के लिए 10 लाख नकद इनाम

मेडल जीतने वालों को गोल्ड के लिए 30 लाख रुपये, सिल्वर के लिए 20 लाख रुपये और ब्रॉन्ज़ के लिए 10 लाख रुपये का नकद इनाम दिया गया। खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए, डॉ. मांडविया ने उनसे अपने खेल करियर से आगे की सोचने और भारतीय खेलों की अगली पीढ़ी के विकास में योगदान देने को कहा। 36,000 करोड़ रुपये के निवेश वाली नई खेलो इंडिया योजना के साथ, उन्होंने खिलाड़ियों को रिटायरमेंट के बाद स्पोर्ट्स एकेडमी शुरू करने और युवा प्रतिभाओं को निखारने के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया।

### खिलाड़ियों का मिशन भारत सबसे पहले होना चाहिए

डॉ. मांडविया ने कहा, आइए हम सिर्फ सरकारी नौकरी पाने के मकसद से कॉमनवेल्थ गेम्स का मेडल न जीतें। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि अपने एक्टिव करियर से रिटायर होने के बाद स्पोर्ट्स एकेडमी चलाएं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों का मिशन भारत सबसे पहले होना चाहिए। उन्होंने कहा, जब आप ग्लासगो में गोल्ड मेडल के लिए खेल रहे थे, तब हमने कुल 36,000 करोड़ रुपये का निवेश करके खेलो इंडिया स्कीम का विस्तार किया।

### जोश और लय को बनाए रखने का आग्रह किया

एशियन गेम्स 2026 को ध्यान में रखते हुए, डॉ. मांडविया ने खिलाड़ियों से कॉमनवेल्थ गेम्स में बने जोश और लय को बनाए रखने का आग्रह किया। माननीय मंत्री ने कहा, मैं चाहता हूं कि आप सभी इस बढ़े हुए आत्मविश्वास का इस्तेमाल 2026 के एशियन गेम्स में और अधिक गोल्ड मेडल जीतने के लिए करें।

### बॉक्सिंग टीम 7 गोल्ड और 3 सिल्वर मेडल जीती

ग्लासगो से भारत की बॉक्सिंग टीम सात गोल्ड और तीन सिल्वर मेडल जीतकर लौटी। सात गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी थे - प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मिन लैंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रिया घनघस (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा) और अंकुश पंघाल (80 किग्रा)। तीन सिल्वर मेडल जीतने वाले खिलाड़ी थे ।

## स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह और भारतीय जूनियर पुरुष टीम को सम्मानित किया

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भारत के वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 के मेडल विजेताओं को सम्मानित किया। इनमें गोल्ड मेडल जीतने वाली अनाहत सिंह और ब्रॉन्ज़ मेडल जीतने वाली भारतीय पुरुष जूनियर टीम (आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह) शामिल थे। 18 साल की अनाहत पिछले हफ्ते कनाडा में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का महिला सिंगल्स टाइटल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। यह इस प्रतियोगिता में उनकी पांचवीं भागीदारी थी और वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका दूसरा मेडल था। उन्होंने पिछले साल काहिरा में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था। खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए, डॉ. मांडविया ने युवाओं को अपनी हालिया सफलता को एक बहुत लंबी यात्रा की शुरुआत मानने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि आगे एशियाई खेल 2026 और ओलंपिक खेल 2028 जैसे बड़े पड़ाव आने वाले हैं। अनाहत को उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि उनकी ऐतिहासिक जीत लाखों युवा भारतीयों को स्क्वैश खेलने के लिए प्रेरित करने वाली है। एक प्यारे अंदाज़ में, अनाहत ने माननीय मंत्री को ऑटोग्राफ वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भी भेंट की। युवाओं ने सेल्फी ली और अनौपचारिक बातचीत भी की, जिससे सम्मान समारोह एक दिल को छू लेने वाला और खुशी भरा मौका बन गया।

# सिंधु को 9वीं और सात्विक चिराग को 5वीं वरीयता

**नयी दिल्ली (वार्ता)।** जापान ओपन चैंपियन पीवी सिंधु को विश्व चैम्पियनशिप के लिए 9वीं सीडिंग मिली है और 2022 एशियाई खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को 5वीं सीडिंग दी गई है। यह चैंपियनशिप 17-23 अगस्त, 2026 तक यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेली जाएगी। इस चैंपियनशिप की सभी पांच कैटेगरी में भारत की दो-दो एंट्री हैं और पांच में से चार कैटेगरी में कम से कम एक सीडेड एंट्री है। सिंधु और सात्विक-चिराग के अलावा, पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट लक्ष्य सेन को पुरुष सिंगल्स में 14वीं सीडिंग मिली है और ध्रुव कपिला व तनीषा क्रास्टो की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी को 15वीं सीडिंग मिली है। जहां खिलाड़ी 28 अप्रैल, 2026 की अपनी वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई हुए, वहीं सीडिंग का फैसला 28 जुलाई, 2026 की वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर किया गया।

पुरुष सिंगल्स के वर्ल्ड चैंपियन चीन के शी युकी और दक्षिण कोरिया की महिला सिंगल्स स्टार एन से यंग अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप सीड हैं। महिला सिंगल्स की वर्ल्ड चैंपियन जापान की अकाने यामागुची को दूसरी सीडिंग मिली है, जबकि तीसरा और चौथा स्थान चीन की वांग झी यी और चेन युफ़ेई को मिला है।

## एमा राडुकानू यूएस ओपन 2026 में नहीं खेल पाएंगी

**न्यूयॉर्क (वार्ता)** एमा राडुकानू यूएस ओपन 2026 में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। उनके दाहिने पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण उनका चोटों से भरा टेनिस सीज़न एक बार फिर रुक गया है। इसी टूर्नामेंट से उन्हें बड़ी कामयाबी मिली थी। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की 49वें नंबर की ब्रिटिश खिलाड़ी ने अपनी मेडिकल टीम से सलाह लेने के बाद सोमवार (3 अगस्त) को यह फ़ैसला सुनाया। यह लगातार दूसरा ग्रैंड स्लैम है जिसमें उन्हें न खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा है। ग्रास-कोर्ट सीज़न के दौरान हुए स्ट्रेस फ्रैक्चर की वजह से वह विंबलडन में भी नहीं खेल पाई थीं। उनका आखिरी कॉम्पिटिटिव मैच जून में क्वींस क्लब फ़ाइनल में था।

# लुसाने डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे नीरज चोपड़ा

लुसाने (वार्ता)।

आयोजकों ने सोमवार को पुष्टि की कि पूर्व ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग 2026 में पुरुषों के जैवलिन थ्रो इवेंट में हिस्सा लेंगे। एथलेटिसिमा के नाम से मशहूर इस इवेंट में चोपड़ा चौथी बार लुसाने में हिस्सा लेंगे। 28 वर्षीय भारतीय एथलीट ने 2022 में 89.08 मीटर के थ्रो के साथ यह इवेंट जीता था और 2023 में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया था। इसके बाद 2024 में उन्होंने 89.49 मीटर का थ्रो किया और दूसरे स्थान पर रहे। हालांकि, 2026 का यह इवेंट हाल के वर्षों के सबसे कड़े मुकाबलों में से एक होने की उम्मीद है, जिसमें हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन बने और वर्ल्ड लीडर रमेश पथिराज मुख्य दावेदार होंगे। इस लाइन-अप में दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट - पाकिस्तान के अरशद नदीम, जर्मनी के थॉमस रोहलर और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशोर्न वालकॉट - भी शामिल हैं। जून में दोहा डायमंड लीग और पिछले महीने ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लेने के बाद, लुसाने डायमंड लीग 2026 सीज़न में चोपड़ा का तीसरा मुकाबला होगा। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद इस सीज़न में वापसी करने वाले चोपड़ा, कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर के सीज़न-बेस्ट थ्रो के साथ सिल्वर मेडल जीतने के बाद लुसाने जा रहे हैं। वह रमेश पथिराज के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे, जिन्होंने 89.75 मीटर के थ्रो के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स का गोल्ड मेडल जीता था।

इससे लुसाने में इन दोनों के बीच एक और दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है। लुसाने चोपड़ा को अपने खिताब का सूखा खत्म करने का एक और मौका भी देगा। इस भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन जुलाई 2025 में एनसी क्लासिक के बाद से उन्होंने कोई इंटरनेशनल प्रतियोगिता नहीं जीती है। तब से उनके सबसे अच्छे नतीजे डायमंड लीग फ़ाइनल 2025 और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में दूसरे स्थान पर रहना रहे हैं।

# रिटायरमेंट के बाद इंग्लैंड का कोच बनने पर स्टोक्स की नज़र

**लंदन (वार्ता)।** बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद की ज़िंदगी की योजना बनानी शुरू कर दी है। उन्होंने एक दिन इंग्लैंड का हेड कोच बनने की अपनी इच्छा ज़ाहिर की है, साथ ही खिलाड़ी के तौर पर वापसी की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है। पूर्व टेस्ट कप्तान ने कहा कि रिटायरमेंट के बाद वह कोचिंग के रास्ते पर चलना चाहते हैं और इस भूमिका के लिए तैयारी के तौर पर अभी से अपनी लेवल-3 कोचिंग क्वालिफिकेशन पूरी कर रहे हैं। इंग्लैंड के पूर्व साथी खिलाड़ियों स्टुअर्ट ब्रॉड और जोस बटलर के पॉडकास्ट फॉर द लव ऑफ़ क्रिकेट में बात करते हुए स्टोक्स ने कहा कि वह ड्रेसिंग रूम से खेल में योगदान देना जारी रखना चाहते हैं, भले ही उनकी भूमिका अलग हो। स्टोक्स ने कहा, मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूँ - और वह है कोच बनना। मैं अभी भी खेलते हुए अपनी लेवल-3 कोचिंग पूरी कर रहा हूँ, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि जब वह दिन आए जब मैं खेलना छोड़ दूँ, तो मेरी सारी प्रक्रियाएँ पूरी हो चुकी हों। मुझे पता है कि खेल से जुड़े रहने के लिए मैं क्या करना चाहता हूँ, और वह है कोच बनना। और क्या मैं एक दिन इंग्लैंड का कोच बनना चाहूँगा? बिल्कुल। मुझे खेल से हटकर किसी तरह की लीडरशिप भूमिका में रहने का विचार बहुत पसंद है। 35 वर्षीय स्टोक्स ने अपने रिटायरमेंट के बाद इंग्लैंड की कप्तानी में बदलाव पर भी बात की। हालाँकि उन्होंने हैरी ब्रूक को यह भूमिका सौंपने का समर्थन किया था, लेकिन इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इसके बजाय जो रूट को नियुक्त किया, जिससे उन्हें हैरानी हुई। मुझे लगता है कि अगर आपको लगता है कि कोई अच्छा कप्तान या अच्छा लीडर बनेगा, तो बस उसे यह ज़िम्मेदारी सौंप देनी चाहिए। मैं उनकी सोच समझता था, लेकिन फिर भी मुझे लगा कि इससे उसे क्या संदेश जा रहा है? स्टोक्स ने कहा, वह उप-कप्तान है। और फिर कप्तान नहीं खेल रहा है, लेकिन वह कप्तान नहीं बनता।

## एयरटेल का मुनाफा 35 प्रतिशत बढ़ा

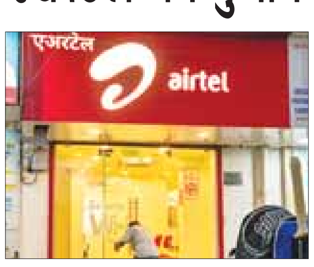


**नयी दिल्ली (वार्ता)।** निजी क्षेत्र की प्रमुख दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल का समेकित शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 35 प्रतिशत बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने मंगलवार को वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की। तिमाही के दौरान कंपनी का 1,00,116 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 74,218 करोड़ रुपये की तुलना में 35 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान कंपनी का समेकित राजस्व भी 4,99,714 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,94,457 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें 19 फीसदी की वृद्धि हुई है। कंपनी का कुल व्यय 17 फीसदी बढ़कर 2,52,363 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बताया कि भारत में मोबाइल फोन सेवा से उसका राजस्व 2,99,289 करोड़ रुपये जो कुल राजस्व के आधे से अधिक है। अफ्रीका में मोबाइल फोन सेवा से राजस्व 1,75,657 करोड़ रुपये रहा।

## उपभोक्ताओं की राय में स्थानीय बाजार में 29 प्रतिशत उत्पाद नकली: रिपोर्ट

**नयी दिल्ली (वार्ता)।** देश के आम उपभोक्ताओं का मानना है कि स्थानीय बाजारों में मिलने वाले करीब 29 प्रतिशत उत्पाद नकली हैं और सबसे अधिक नकली उत्पाद परिधान तथा उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स श्रेणियों में बिक रहे हैं। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने देश के नौ शहरों के 1,639 उत्तरदाताओं पर किये गये उपभोक्ता सर्वेक्षण की रिपोर्ट सोमवार को जारी की। इसमें कहा गया है कि देश के लगभग हर हिस्से में नकली उत्पादों का गोरखधंधा चल रहा है। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 89 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने जीवन में कम-से-कम एक बार नकली उत्पाद खरीदा है। नकली उत्पाद की श्रेणी में उत्पाद आते हैं जिनके निर्माता उसे जानबूझकर किसी प्रसिद्ध ब्रांड या ट्रेडमार्क वाले उत्पाद जैसा दिखाने की कोशिश करते हैं, जबकि उनकी गुणवत्ता सामान्यतः कम होती है। उपभोक्ताओं के अनुसार, परिधान (34 प्रतिशत) और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स (31 प्रतिशत) सबसे अधिक प्रभावित श्रेणियां हैं। उनमें 74 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि पिछले 12 महीनों में उनके क्षेत्र में नकली उत्पादों की समस्या बढ़ी है, विशेष रूप से एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल पुर्जों और स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों में। सर्वेक्षण में 50 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने कहा कि वे कभी भी जानबूझकर नकली उत्पाद नहीं खरीदेंगे। हालांकि 25 प्रतिशत ने बताया कि नकली उत्पाद खरीदने का मुख्य कारण खरीद के समय जानकारी का अभाव था। इसके अलावा कम कीमत और असली उत्पादों का उपलब्ध न होना भी प्रमुख कारण रहा।क्रिसिल के अनुसार, नकली उत्पादों का प्रभाव कई हितधारकों पर पड़ता है। उपभोक्ताओं को गुणवत्ता, प्रदर्शन और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ता है।

## एलआईसी के ओएफएस के लिए पहले दिन मिली तीन गुना से ज्यादा बोली

**नयी दिल्ली (वार्ता)।** सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) को पहले दिन मंगलवार को गैर-खुदरा निवेशकों से तीन गुना से ज्यादा बोली प्राप्त हुई। सरकार एलआईसी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी (31,62,49,885 शेयर) बेचने के लिए ओएफएस लेकर आयी है। इसके अलावा चार प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचने का विकल्प भी रखा गया है। इस प्रकार कुल मिलाकर अधिकतम 6.5 प्रतिशत (82,22,49,701 शेयर) बेचने का फैसला किया जा सकता है। शेयर बाजार ने बताया कि आज गैर-खुदरा निवेशकों ने 94,45,44,898 शेयरों के लिए बोली लगायी जो ओएफएस के मूल आकार का 3.32 प्रतिशत है। खुदरा निवेशक और कंपनी के पात्र कर्मचारी बुधवार को बोली लगा सकेंगे। ओएफएस के लिए प्रत्येक इक्विटी शेयर का न्यूनतम मूल्य 382 रुपये रखा गया था। खुदरा निवेशकों और कर्मचारियों को आज के कटऑफ प्राइस पर 10 रुपये प्रति शेयर की छूट दी जायेगी। कर्मचारियों के लिए 50 लाख शेयर अलग से रखे गये हैं। ओएफएस के पहले दिन आज एलआईसी का शेयर 33.35 रुपये (7.86 प्रतिशत) गिरकर 391 रुपये पर बंद हुआ।

# इंडिगो ने 20वीं वर्षगांठ पर 20,000 'मुफ्त' टिकटों की घोषणा की

**नयी दिल्ली (वार्ता)।** प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अपनी 20वीं वर्षगांठ पर हैप्पी इंडिगो डे ऑफर की घोषणा की है, जिसके तहत घरेलू मार्गों पर वह 20 हजार टिकट 'मुफ्त' दे रही है। कंपनी ने कहा है कि ऑफर के तहत पात्र 20 हजार यात्रियों को प्रति पीएनआर अधिकतम 10,000 रुपये की राशि वापस की जायेगी। ऑफर के लिए सभी पात्र यात्रियों में से 20 हजार यात्रियों का चयन किया जायेगा। ऑफर में चार अगस्त से छह अगस्त तक करायी गयी बुकिंग को शामिल किया जायेगा। इंडिगो के डायरेक्ट बुकिंग चैनलों - वेबसाइट, मोबाइल ऐप या इंडिगो के एआई वर्चुअल असिस्टेंट 6ईस्काई - के माध्यम से घरेलू उड़ानों में बुक किये गये टिकटों पर ही ऑफर लागू होगा। मंगलवार को बुक कराये गये टिकट में से 10 हजार को और बुधवार तथा गुरुवार की बुकिंग में से पांच-पांच हजार यात्रियों को रिफंड मिलेगा। ऑफर अवधि के दौरान की गयी पात्र बुकिंग में से बिना किसी क्रम के चुने गये ग्राहकों को ई-मेल और व्हाट्सएप के माध्यम से एक साधारण प्रश्न का उत्तर देने के लिए आमंत्रित किया जायेगा।

ग्राहकों को सही उत्तर देने के लिए तीन अवसर मिलेंगे। जो भी ग्राहक सही उत्तर देंगे, उन्हें उनकी बुकिंग का किराया (अधिकतम 10 हजार रुपये तक) तीन से पांच कार्य दिवसों के भीतर वापस कर दिया जायेगा।ऑफर सभी घरेलू इकोनॉमी क्लास और इंडिगोस्ट्रेच बुकिंग पर लागू होगा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को इंडिगो ने अपने परिचालन के 20 साल पूरे कर लिये। एयरलाइंस यात्री संख्या के आधार पर 65 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी बन चुकी है।

# शांति वार्ता पर संशय से शेयर बाजारों में गिरावट

नयी दिल्ली (वार्ता)।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर बनी अनिश्चितता और कच्चे तेल में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को शुरुआती मजबूती के बाद गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सुबह 500 अंक से ज्यादा चढ़ गया था, लेकिन बाजार में बिकवाली आने से दोपहर से पहले ही यह लाल निशान में उतर गया। अंत में 210.08 अंक (0.27 प्रतिशत) की गिरावट में 78,428.95 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज करीब 932 अंक का उतार-चढ़ाव रहा। बीच में एक समय यह 400 अंक से ज्यादा टूट गया था। सूचकांक ऊपर 79,143.15 अंक तक और नीचे 78,211.87 अंक तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 159.40 अंक यानी 0.64 प्रतिशत टूटकर 24,614.90 अंक पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी दिवस पर यह पांच महीने के उच्चतम स्तर पर रहा था। ईरान ने अमेरिका के इस दावे का खंडन किया है कि दोनों पक्षों के बीच कोई बातचीत हो रही है। इसके बाद, घरेलू शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से भी भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल ढाई प्रतिशत की बढ़त के साथ 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। वृहत बाजार में भी बिकवाली ज्यादा देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.47 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। वहीं, छोटी कंपनियों में लिवाली से निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.23 प्रतिशत मजबूत हुआ। निफ्टी धातु और मीडिया को छोड़कर अन्य सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में बंद हुए। रियल्टी समूह का सूचकांक 2.39 प्रतिशत और तेल एवं गैस का 1.15 प्रतिशत लुढ़क गया। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, वित्त, बैंकिंग और रसायन सेक्टरों के सूचकांक भी फिसल गये। एनएसई में जिन 3,434 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,708 के शेयरों में गिरावट और 1,601 में तेजी रही। अन्य 125 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंत में अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 14 के शेयर लाल निशान में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 1.70 फीसदी टूट गया। एनटीपीसी में 1.63 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक में 1.48, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.22 और इंडिगो में 1.09 प्रतिशत की गिरावट रही। टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, एशियन पेंट्स और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी नीचे बंद हुए।

लाभ में रहने वालों में ट्रेंट का शेयर 1.15 प्रतिशत और बजाज फाइनेंस का 1.06 प्रतिशत चढ़ा। बीईएल,टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, टाइटन और सन फार्मा के शेयर भी हरे निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.32 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.33 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग 0.60 फीसदी टूट गया।

# समय की मांग के अनुरूप युवा हो रहे हैं शिक्षित-प्रशिक्षित : डॉ. मोहन यादव

## पाठ्यक्रमों को रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य

**भोपाल (स्वतंत्र मत)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमारे युवा नैतिक मूल्यों से जुड़ने के साथ-साथ समय की मांग के अनुरूप शिक्षित-प्रशिक्षित हो रहे हैं। शिक्षा नीति की यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ देश और राज्य को मजबूत बनाने में सहायक होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बाद उसके विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके लिए विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन विषय पर प्रशासन अकादमी में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य है।

### कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास जारी

अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के साथ टेक्नोलॉजी, एआई, इंजीनियरिंग पर भी बेहतर कार्य हो रहा है। शिक्षा विभाग में तकनीक का समावेश तेजी से बढ़ा है।

### राज्य सरकार, भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राज्य सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी है। राज्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए एक शीर्ष समिति गठित की गई है, पिछले ढाई साल से इस पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। इच्छाशक्ति के अभाव में पिछली दो शिक्षा नीतियों का पूर्णत: क्रियान्वयन नहीं हो सका। वर्तमान में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि हम भारतीयता से दूर जा रहे हैं।

### आईआईटी चेन्नई मध्यप्रदेश में देगा सहयोग

आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर मनु संथानम ने कहा कि आईआईटी चेन्नई मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने में सहयोग के तैयार है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि वर्तमान में मल्टी डिसिप्लेनरी एजुकेशन जरूरी हो चुका है। शिक्षा का उद्देश्य राष्ट्र और समाज की सेवा करना है।

### आई.आई.टी. संस्थानों से हुए एम.ओ.यू.

राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में उच्च शिक्षा विभाग ने आईआईटी बॉम्बे के साथ डिजिटल कौशल एवं मुक्त स्रोत प्रौद्योगिकी के माध्यम से रोजगार क्षमता विकास, आईआईटी मद्रास के साथ भविष्य की प्रौद्योगिकियों और वैश्विक गुणवत्ता शिक्षा, आईआईटी गुवाहटी के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उच्च शिक्षा के लिए एम.ओ.यू. किया। आईआईटी वाराणसी के साथ उन्नत तकनीकी शिक्षा एवं अनुसंधान उत्कृष्टता, आईआईटी रुड़की के साथ नेतृत्व, सतत् विकास एवं आपदा प्रबंधन में साझेदारी और आईआईटी खड़गपुर के साथ गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा व संस्थागत उत्कृष्टता की पहल के लिए उच्च शिक्षा विभाग द्वारा एमओयू किए गए। इस अवसर पर आईआईटी इन्दौर ने नवाचार, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान ने सुशासन एवं लोकनीति अध्ययन को उच्च शिक्षा से जोड़ने, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद ने वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार संस्कृति को नई गति प्रदान करने मौसम विज्ञान आधारित अनुसंधान को नई दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश की शैक्षणिक संस्थानों में गतिविधियां संचालित करने एमओयू किया।

### भविष्य उन्मुख कौशल के प्रशिक्षण में एम.ओ.यू.

इसी क्रम में ट्रॉपिकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट जबलपुर ने वन, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन अनुसंधान को उच्च शिक्षा से जोड़ने, एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड प्रोसेसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट, भोपाल ने वैज्ञानिक अनुसंधान एवं उन्नत प्रौद्योगिकी से नवाचार को नई दिशा देने, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल ने पर्यावरणीय नेतृत्व एवं सतत् विकास के लिए ज्ञान साझेदारी भोपाल ने सतत् कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा विभाग के साथ एमओयू किया।

# पुलिस अधीक्षक ने किया कसाई मंडी एवं नूरी नगर क्षेत्र का पैदल भ्रमण

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** दमोह जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने प्रशिक्षु डीएसपी शिव प्रसाद कंगाली, थाना प्रभारी कोतवाली मनीष कुमार तथा पुलिस बल के साथ शहर के संवेदनशील क्षेत्र कसाई मंडी एवं नूरी नगर का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, बीट पुलिसिंग एवं अपराध नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बीट क्रमांक-2 के प्रभारी बृजलाल पटेल एवं थाना प्रभारी कोतवाली को कानून व्यवस्था बनाए रखने, क्षेत्र में निरंतर भ्रमण एवं प्रभावी पुलिस उपस्थिति सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने प्रमुख मार्गों, चौराहों एवं संवेदनशील स्थानों पर आपसी समन्वय से उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने के निर्देश दिए जिससे अपराधों की रोकथाम एवं त्वरित विवेचना में सहायता मिल सके। इसके साथ ही बीट क्रमांक 2 नूरी नगर एवं कसाई मंडी क्षेत्र में निवासरत निगरानीशुदा बदमाशों एवं गुंडा तत्वों पर सतत निगरानी रखने, उनकी गतिविधियों का नियमित सत्यापन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी ने स्पष्ट किया कि जिले में शांति, सुरक्षा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। असामाजिक एवं कानून व्यवस्था भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

# आवारा गौवंश के गले और सींगों में लगाए रेडियम

## नोहटा थाना प्रभारी की अनूठी पहल

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** जिले के नोहटा थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और आवारा पशुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने एक सराहनीय अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत सड़कों पर विचरण करने वाले आवारा गौवंश के गले एवं सींगों में रेडियम स्ट्रिप लगाई जा रही है ताकि रात के समय वाहनों की रोशनी पड़ते ही गौवंश दूर से दिखाई दें और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। थाना प्रभारी अभिषेक पटेल ने बताया कि क्षेत्र में रात्रि के समय सड़कों पर घूमने या बैठने वाले गौवंश के कारण आए दिन सड़क हादसे होने की आशंका बनी रहती हैए कई बार तेज रफ्तार ट्रकए बस और अन्य वाहन चालक अंधेरे में गौवंश को समय पर नहीं देख पातेए जिससे गंभीर दुर्घटनाएं हो जाती हैं, इन्हीं घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया इस अभियान में स्थानीय युवा साथी भी बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। पुलिस और युवाओं की टीम मिलकर गौवंश के गले में रेडियम बेल्ट तथा सींगों पर रेडियम टेप लगा रही है। इससे रात में वाहनों की हेडलाइट पड़ते ही रेडियम चमकने लगता है और वाहन चालकों को काफी दूरी से ही गौवंश दिखाई दे जाते हैं जिससे समय रहते वाहन की गति नियंत्रित कर दुर्घटना टाली जा सकती है।

# 5 विभागों के 48 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित

## कलेक्टर ने दिए एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)।

आमजन की समस्याओं के समयबद्ध निराकरण और कार्यालयों में अनुशासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने जिले के पांच विभागों का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुल 48 अधिकारी-कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इनमें जिला पंचायत के 13ए ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आरईएस के 7, आजीविका मिशन के 5, जनजाति कार्य विभाग के 4 तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के 19 अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान आरईएस के कार्यपालन यंत्री, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग तथा आजीविका मिशन के जिला परियोजना प्रबंधक डीपीएम भी अनुपस्थित मिले। कलेक्टर ने सभी अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं।

# मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन 7 को

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मप्र पर्यटन क्विज प्रतियोगिता का जिला स्तरीय आयोजन 7 अगस्त को किया जा रहा है जिसमें समस्त शासकीय एवं अशासकीय मप्र बोर्ड, सीबीएसई बोर्ड एकेंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी सहभागिता करेंगे। जिसमें विद्यालय स्तर से 3-3 विद्यार्थियों का दल बनाया जाकर 158 विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन पंजीयन कार्य भी पूर्ण किया गया है।

जिले की पंजीकृत संस्थानों द्वारा पंजीकृत विद्यार्थियों को लेकर जिला स्तर पर 7 अगस्त को चयनित कार्यक्रम स्थल प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस पीजी कॉलेज दमोह में उपस्थित होंगे। प्रतियोगिता दो चरणों में संपन्न की जावेगी।

# अमानक बीज पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** कृषि विभाग ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए चार बीज विक्रेताओं की बीज विक्रय अनुज्ञप्ति तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक निलंबित कर दी है। कार्रवाई के तहत मेसर्स जबेरा कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड सिंग्रामपुरए मेसर्स श्री गणेश बीज भंडार नोहटा, मेसर्स मां नर्मदा कृषि केंद्र एंड फर्टिलाइजर सिंगपुर तथा मेसर्स राम कृषि सेवा केंद्र तेजगढ़ के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं बीज गुण नियंत्रण निरीक्षक द्वारा इन प्रतिष्ठानों से बीज के नमूने लेकर बीज परीक्षण प्रयोगशालाए सागर भेजे गए थे। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में बीज का अंकुरण प्रतिशत निर्धारित मानकों से कम पाए जाने पर संबंधित बीजों को अमानक घोषित किया गया। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं बीज पंजीयन अधिकारी जेएल प्रजापति ने चारों प्रतिष्ठानों की बीज विक्रय अनुज्ञप्ति निलंबित करने के आदेश जारी किए हैं।

# प्रदेश भर में घर-घर होगी वृद्धजनों की ई केवाईसी

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** दमोह जिले से शुरू किया गया आशीर्वाद अभियान अब पूरे मध्यप्रदेश के लिए एक आदर्श मॉडल बन गया है। अभियान के अंतर्गत पात्र होने के बावजूद नहीं होने के कारण पेंशन से वंचित वृद्धजनों की पहचान कर उन्हें घर-घर जाकर नि:शुल्क ई केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराई गई। अभियान की उल्लेखनीय सफलता को देखते हुए मप्र शासन ने 29 जुलाई को निर्देश जारी कर प्रदेश के सभी जिलों में दमोह मॉडलके आधार पर इसी प्रकार का अभियान संचालित करने का निर्णय लिया है। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि अभियान के तहत जिले में 1664 वृद्धजनों की सूची तैयार की गई जिनमें से 1638 वृद्धजनों का घर-घर जाकर ई केवाईसी कराया गया और उनकी पेंशन स्वीकृत कर पुन: चालू कराई गई। ई केवाईसी की प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क रखी गई तथा पेंशन स्वीकृति आदेश भी वृद्धजनों के घर पहुंचाकर दिए गए ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

# जनसुनवाई में 289 आवेदनों पर हुई सुनवाई

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 10 व्यारमा में आयोजित जनसुनवाई में जिले के दूरदराज क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्याओं को सुना। इस दौरान सामान्य जनसुनवाई में 289 आवेदनों पर सुनवाई करते हुये संबंधित अधिकारियों को समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 20 आधार अपडेशन एवं 153 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही जनसुनवाई के दौरान कुछ सामूहिक आवदेन भी दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर राकेश मोहन त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर ब्रजेश सिंह, डिप्टी कलेक्टर रचना प्रजापति, डिप्टी कलेक्टर रानी अहिरवार, लोकसेवा प्रबंधक चक्रेश पटेल सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। कलेक्टर ने जनसुनवाई के दौरान संवेदनशील पहल करते हुए ग्राम बरखेड़ा भाट, ग्राम पंचायत कनियाघाटपटी निवासी लालचंद शर्मा पिता बैजनाथ शर्मा को आधुनिक श्रवण मशीन प्रदान की। वृद्ध दोनों कानों से सुनने में असमर्थ थे जिससे उन्हें दैनिक जीवन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। श्रवण मशीन मिलने के बाद काफी सुविधा होगी। यह पहल जनसुनवाई के माध्यम से जरूरतमंदों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने का एक प्रेरक उदाहरण बनी।

# दतिया की जनता ने लोकतंत्र और विकास के पक्ष में जनादेश दिया : लक्ष्मण सिंह

## कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत पर पथरिया में निकला विजय जुलूस

**पथरिया (स्वतंत्र मत)।** दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की ऐतिहासिक एवं भारी मतों से हुई शानदार जीत के उपलक्ष्य में ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी पथरिया द्वारा संजय चौराहे से भव्य विजय जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए जिन्होंने उत्साह और उमंग के साथ जीत का जश्न मनाया। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियाँ साझा कीं और जनता का आभार व्यक्त किया। पूरे नगर में जय कांग्रेस, विजय कांग्रेस के नारों से माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने कहा कि दतिया की जनता ने लोकतंत्र और विकास के पक्ष में अपना स्पष्ट जनादेश दिया है। यह जीत आम जनता के विश्वास, कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों और कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है। यह विजय अहंकार की नहीं, सेवा और समर्पण की जीत है।

कांग्रेस हमेशा जनता के हितों के लिए संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। मैं दतिया के सेक्टर बिलौनी का प्रभारी रहा वहां सभी बूथों पर भारी बहुमत से कांग्रेस के प्रत्याशी कुंवर साहब घनश्याम सिंह की जीत होने पर दतिया के बहादुर कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं। इस दौरान पथरिया के कार्यकर्ताओं ने लक्ष्मण सिंह का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

पथरिया विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी राव बृजेंद्र सिंह ने कहा कि यह जीत केवल एक पार्टी की नहीं बल्कि जनता के भरोसे और लोकतंत्र की ताकत की जीत है। दतिया तो शुरुआत है मध्यप्रदेश में कांग्रेस की ही जीत होगी। ब्लॉक अध्यक्ष रत्नेश सोनी ने कहा कि यह जीत केवल एक चुनावी जीत नहीं बल्कि जनता के भरोसे और भाजपा की नीतियों के प्रति असंतोष का स्पष्ट संदेश है।

# जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया उपलब्ध

**दमोह (स्वतंत्र मत)।** दमोह में किसानों के चक्काजाम संबंधी जानकारी संज्ञान में आने पर किसान कल्याण तथा कृषि विकास उपसंचालक प्रजापति ने तथ्यात्मक रूप से डबल लॉक केन्द्र दमोह में बिना ई विकास पोर्टल के उर्वरक प्राप्ति के संबंध में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है लगभग एक हजार किसान उर्वरक प्राप्ति के लिये उपस्थित हुए थे किसानों द्वारा तत्काल खाद प्राप्ति एवं डीएपी खाद की मांग की जा रही थी। कुछ समय के लिए चक्काजाम कर दिया गया था। जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर से प्राप्त निर्देशानुसार राजस्वए कृषि एवं पुलिस व्यवस्था के साथ किसानों को समझाइस देने पर तत्काल चक्का जाम समाप्त हो गया। किसानों को ऑफलाईन टोकन वितरित किए गए किसानों को विधिवत शांतिपूर्वक खाद का वितरण हाइब्रिड मोड पर किया गया।


## कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)
### लोककर्म विभाग/छठवीं निविदा आमंण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

| | टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक | कार्य का विवरण | कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में ) | निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD | निविदा की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | PRO-455<br>DATE 4/8/2026<br>2026_UAD_526705_1 | वार्ड क्रं. 78 बिलपुरा के अंतर्गत पोचू रैकवार के घर से वैष्णव पब्लिक स्कूल की ओर एम-30 सीसी सड़क निर्माण कार्य। | 4 माह<br>रु. 16.95 लाख | 2000/-<br>12710/- | 14/8/2026 |

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptender.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपाल यंत्री लोककर्म विभाग**
**नगर निगम जबलपुर**

**म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल**
**भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003**

### भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हाथीताल कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक S-04 श्री अविनाश डेनियल भारत पिता स्व. श्री एलेक्जेन्डर डी भारत के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 13.11.2012 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री अविनाश डेनियल भारत पिता स्व. श्री एलेक्जेन्डर डी भारत ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 01.07. 2026 के माध्यम से सुश्री जसप्रीत कौर पिता श्री सरदार तेजा सिंह को विक्रय किया है। अतः सुश्री जसप्रीत कौर पिता श्री सरदार तेजा सिंह द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण भूखण्ड बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

**संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर**

**म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल**
**भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003**

### भवन नामिनी नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित हाथीताल कालोनी जबलपुर स्थित भवन क्रमांक G-12 श्रीमती जगजीत कौर अहूजा पति स्व. श्री साहिब सिंह अहूजा को आंवटित है। आवंटी श्रीमती जगजीत कौर अहूजा का निधन दिनांक 29.01.2008 को हो गया है। उनके पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह अहूजा पिता स्व. श्री सहिब सिंह अहूजा के द्वारा नामांतरण करने हेतु मृत्यु प्रमाण पत्र, अन्य वारीसानों का सहमती शपथपत्र, स्वयं का शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उक्त भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उक्त भवन नामांतरण बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वैद्य आपत्ति सप्रमाण स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

**संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर**

### शपथ पत्र

मैं शैलेष विश्वकर्मा पिता मुन्ना लाल विश्वकर्मा उम्र लगभग 62 वर्ष निवासी - म.नं. 107/ई. लक्ष्मी सदन, दीन दयाल उपाध्याय वार्ड, बलदेवबाग, जिला जबलपुर म.प्र. शपथपूर्वक कथन करता हूं कि 01 यह कि मैं उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। 02. यह कि मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश शैलेन्द्र नाग अंकित हो गया है, एवं मेरे समस्त शासकीय दस्तावेज एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम शैलेष विश्वकर्मा दर्ज है। 03. यह कि मेरा सही नाम शैलेष विश्वकर्मा है, आधार कार्ड में सुधार हेतु एवं राजपत्र में प्रकाशन हेतु यह शपथपत्र पेश है।

स्थान- जबलपुर
दिनांक 04.08.2026

**शपथकर्ता**
**शैलेष विश्वकर्मा**

### NAME CHANGE

It is informed to the general public that I, Manish Kumar Khare S/o Shri A.P. Khare, Resident of 41/41, SBI Chowk, Vijay Nagar, Jabalpur (M.P.) have changed my old name Manish Kumar Khare S/o Shri A.P. Khare so in future I should be recognized by my new name is MANISH KHARE S/O SHRI A.P. KHARE in all Government and other documents.

**MANISH KHARE**
Add.- 41/41, SBI Chowk, Vijay Nagar, Jabalpur (M.P.)

### नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मनीष कुमार खरे पिता श्री ए.पी. खरे, निवासी- 41/14, एस.बी.आई. चौक विजय नगर, जबलपुर म.प्र. यह शपथ करता हूँ कि मैंने अपना पुराना नाम को त्याग कर नया नाम मनीष खरे पिता श्री ए.पी. खरे रख लिया हूँ। अतः आज से मुझे समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नए नाम मनीष खरे पिता श्री ए.पी. खरे से ही जाना पहचाना जावे।

**मनीष खरे**
निवासी- 41/14, एस.बी.आई. चौक विजय नगर, जबलपुर म.प्र.

**निगमायुक्त ने किया सुहागी क्षेत्र के वार्डों का निरीक्षण**

## तत्काल चालू करें सड़कों पर बंद पड़ी स्ट्रीट लाइट्स

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा संभाग क्रमांक 15 सुहागी के अंतर्गत 7 अगस्त को आयोजित होने वाले आगामी शिविर की तैयारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। तत्पश्चात्‌ उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ वार्डों का विस्तृत भ्रमण कर जनसुविधाओं का जायजा लिया। क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान निगमायुक्त श्री अहिरवार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर आयोजन से पूर्व एवं दौरान पूरे क्षेत्र में स्वच्छता का उच्च स्तर बनाए रखा जाए।

**कलेक्ट्रेट जनसुनवाई में पहुंचे 155 आवेदन**

## आमजनों ने बताई अपनी समस्याएं, कलेक्टर ने दिए निर्देश

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 155 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 52 दोबारा प्रस्तुत आवेदन भी शामिल रहे। आवेदनों में अतिक्रमण, नामांतरण, सीमांकन, गौशाला निर्माण, पात्रता पर्ची, धान भुगतान, आर्थिक सहायता, गुमशुदा की तलाश, जर्जर मकान, वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण तथा सेवानिवृत्ति स्वत्वों के भुगतान से जुड़े मामले प्रमुख रहे।

# इंतजार की घड़ी खत्म: आगामी 8 अगस्त से शुरू होगी जबलपुर-कोलकाता के बीच सीधी उड़ान

### एयरपोर्ट प्रबंधन ने पूरी की तैयारियां

### सांसद ने की एलायंस एयर के चेयरमैन से भेंट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर से कोलकाता के बीच सीधी उड़ान आगामी 8 अगस्त से शुरू होने जा रही है। लोकसभा सांसद आशीष दुबे ने इस आशय की जानकारी देते हुये बताया कि 08 अगस्त दिन शनिवार को कोलकाता से उड़ान भरकर एलायंस एयर का एयरक्राफ्ट सुबह 09.35 बजे जबलपुर पहुंचेगा और फिर जबलपुर से कोलकाता के लिये सुबह 10.00 बजे वापसी की उड़ान भरेगा। सांसद श्री दुबे ने कहा कि वे लंबे समय से जबलपुर-कोलकाता मार्ग पर उड़ान प्रारंभ करवाने के लिये लगातार प्रयास कर रहे थे जिसके परिणामस्वरूप अब जबलपुर से कोलकाता के बीच हवाई संपर्क स्थापित होने जा रहा है।

### ऐसा रहेगा फ्लाइट का शेड्यूल

नई दिल्ली में एलायंस एयर के चेयरमैन अमित कुमार ने सांसद आशीष दुबे को एक भेंट में एलायंस एयर प्रबंधन की ओर से इस आशय की जानकारी देते हुये उड़ान की विस्तृत जानकारी से संबंधित पत्र सौंपा और उड़ान का प्रस्तावित शेड्यूल भी साझा किया है, जिसके अनुसार एलायंस एयर का एटीआर 72 विमान सप्ताह के तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह 07.05 पर कोलकाता से उड़ान भरकर 09.35 बजे जबलपुर पहुंचेगा और फिर जबलपुर से कोलकाता के लिए 10.00 बजे उड़ान भरकर 12.35 बजे कोलकाता में लैंड करेगा। श्री दुबे ने कहा कि अभी जबलपुर से कोलकाता के लिए सीधी उड़ान नहीं थी। जिससे हवाई यात्रियों को जबलपुर से कोलकाता जाने के लिए स्टॉप ओवर उड़ान से कोलकाता जाना पड़ता था,अब जबलपुर से कोलकाता के बीच सीधी उड़ान प्रारम्भ होने से जबलपुर के हवाई यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ उनके समय की बचत भी होगी और आर्थिक भार भी अपेक्षाकृत कम हो जाएगा।

### विद्यार्थियों, व्यापारियों को मिलेगा लाभ

जबलपुर-कोलकाता की सीधी उड़ान से जबलपुर के शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और पर्यटन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। कोलकाता में अध्ययनरत जबलपुर के छात्र, इलाज के लिए जाने वाले मरीज और पूर्वी भारत से व्यापार करने वाले उद्यमियों को अब जबलपुर से कोलकाता के लिये सीधी हवाई सुविधा मिलेगी। समय की बचत,किफायती यात्रा,व्यापार को बढ़ावा मिलने के साथ जबलपुर में निवासरत बांग्लाभाषियों को भी इस उड़ान के प्रारंभ होने से सहज सुविधा प्राप्त होगी वहीं जबलपुर के संगमरमर, कृषि उत्पाद और एमएसएमई उद्योगों को पूर्वी भारत के बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी। इस उड़ान के लिए एलायंस एयर की बुकिंग सभी प्रमुख पोर्टल्स और एयरलाइन की वेबसाइट पर प्रारंभ हो गयी है। हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि नई उड़ान के लिए डुमना एयरपोर्ट पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सुबह की उड़ान के कारण यात्रियों को कोलकाता में दिनभर के काम निपटाने में सुविधा होगी।

### जबलपुर संघर्ष समिति ने किया घोषणा का स्वागत

जबलपुर से कोलकाता के मध्य, एलायंस एयर द्वारा दिनांक 8 अगस्त से सीधी वायुसेवा प्रारंभ किए जाने का जबलपुर संघर्ष समिति ने स्वागत किया है। जबलपुर संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर से कोलकाता की सीधी उड़ान की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इस वायुसेवा के प्रारंभ होने से जबलपुर सहित पूरे महाकौशल क्षेत्र के यात्रियों, व्यापारियों, उद्योगपतियों, विद्यार्थियों, एवं अन्य यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे पूर्वी भारत के प्रमुख शहरों से जबलपुर की कनेक्टिविटी बेहतर होगी तथा व्यापारिक एवं पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जबलपुर संघर्ष समिति का उद्देश्य केवल एक-दो नई उड़ानों तक सीमित नहीं है। जबलपुर को देश के प्रमुख व्यावसायिक एवं औद्योगिक शहरों से बेहतर हवाई संपर्क दिलाने के लिए समिति लगातार प्रयासरत है।

# रिटायर्ड आईजी से 11.61 लाख की वसूली पर कैट ने लगाई रोक

### रीवा एसपी के आदेश को दी चुनौती

### अधिकरण ने केंद्र-राज्य सरकार सहित संबंधित पक्षों से मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र पुलिस के सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार को राहत देते हुए केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) जबलपुर ने उनके खिलाफ की जा रही 11.61 लाख रुपए की वसूली पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। अधिकरण ने भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन और रीवा पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित पक्षों से जवाब तलब किया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद होगी।

### ये है पूरा मामला

जानकारी के मुताबिक डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार वर्ष 2024 में रीवा आईजी के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। अप्रैल 2026 में रीवा के पुलिस अधीक्षक ने उनके खिलाफ 11,61,885 रुपए की वसूली का आदेश जारी किया था। आदेश में कहा गया था कि यदि निर्धारित राशि जमा नहीं की गई तो पेंशन से कटौती कर वसूली की जाएगी। याचिका के अनुसार वर्ष 2012 में डॉ. सिकरवार का वेतन निर्धारण उनके जूनियर आईपीएस अधिकारियों की तुलना में कम था। इस विसंगति को लेकर उन्होंने अपने नियोक्ता भारत सरकार के समक्ष अभ्यावेदन दिया था। इसके बाद उनका वेतन संशोधित किया गया और संशोधित वेतनमान के आधार पर एरियर का भुगतान भी किया गया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे ने दलील दी कि डॉ. सिकरवार भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं और उनके नियोक्ता भारत सरकार का गृह मंत्रालय तथा कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग है, न कि मध्य प्रदेश शासन या रीवा के पुलिस अधीक्षक। याचिका में कहा गया कि रीवा एसपी ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर वसूली का आदेश जारी किया है। साथ ही आदेश में यह भी कहीं उल्लेख नहीं है कि डॉ. सिकरवार के वेतन निर्धारण के लिए कोई गलत जानकारी या तथ्य प्रस्तुत किए थे।

### कैट ने वसूली पर लगाई रोक

इधर मंगलवार को केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस श्रीवास्तव और जस्टिस आर्य शामिल थे, ने मामले की सुनवाई के बाद डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार के खिलाफ की जा रही वसूली पर अंतरिम रोक लगा दी। अधिकरण ने भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन और रीवा एसपी से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद निर्धारित की गई है।

**प्री-मानसून मेंटेनेंस के दावों पर उठे गंभीर सवाल**

# उमस भरे मौसम में सितम ढा रही बिजली

### लोग पूछ रहे क्या वह महज बजट हड़पने का जरिया था?

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संस्कारधानी जबलपुर में बिजली की आवाजाही ने शहरवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। स्थिति यह है कि दिन हो या रात, किसी भी समय बिजली गुल हो जाना आम बात हो गई है। बिजली विभाग द्वारा लगातार मेंटेनेंस (रखरखाव) का हवाला देकर घंटों बिजली आपूर्ति बाधित की जा रही है, जिससे आम जनता का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन से ठीक पहले विभाग ने व्यापक स्तर पर मेंटेनेंस का दावा करते हुए लाखों रुपये खर्च किए थे, तो अब दोबारा किस तरह का मेंटिनेंस किया जा रहा है? एक बड़ी सच्चाई यह भी है कि शहर में कुछ व्यस्ततम क्षेत्रों के ट्रांसफार्मर में बहुत अधिक लोड दे दिया गया है। परिणामस्वरूप आए दिन ट्रांसफार्मर में खराबी आती रहती है और उक्त क्षेत्र में कई-कई घंटे अंधेरा छाया रहता है।

### अघोषित कटौती से शहरवासी त्रस्त

शहर के विभिन्न इलाकों में इन दिनों अघोषित तौर पर कई घंटे बिजली गुल रहना आम हो गया है। कभी स्थानीय ट्रांसफार्मर में खराबी, कभी लाइनों के सुधार तो कभी रूटीन मेंटेनेंस के नाम पर बिजली बंद कर दी जाती है। इस अघोषित कटौती का सबसे बुरा असर बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की सेहत और छोटे व्यापारियों पर पड़ रहा है। उमस भरे मौसम में बार-बार बिजली कटने से लोग मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान हो चुके हैं। बिजली विभाग के अधिकारियों का रटा-रटाया जवाब सामने आता है कि लाइन सुधार कार्य या तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति बाधित हुई है। हालांकि, जनता इस प्रकार के सतही जवाबों से अब संतुष्ट नहीं है।

### विभागीय कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह

शहरवासियों ने बिजली विभाग की इस लचर कार्यप्रणाली पर तीखे सवाल खड़े करने शुरू कर दिए हैं। लोगों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि जब मानसून से पहले पेड़ों की छंटाई, तारों को दुरुस्त करने और ट्रांसफार्मर की जांच के नाम पर बड़े पैमाने पर शटडाउन लिए गए थे, तब क्या वह काम सिर्फ कागजों पर हुआ था? बहरहाल, बिजली की आंख मिचौली से जबलपुर के लघु उद्योगों, वेल्डिंग दुकानों, प्रिंटिंग प्रेस और अन्य छोटे व्यापारियों का काम-धंधा चौपट हो रहा है। जेनरेटर का खर्च उठाने में असमर्थ छोटे कारोबारी बिजली आने का इंतजार करते-करते कई घंटे गंवा देते हैं, जिससे उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ रहा है।

### जनता उठा रही सवाल

1- क्या बारिश के पहले किया गया मेंटेनेंस महज एक दिखावा था?
2- क्या वह अभ्यास सिर्फ सरकारी बजट को ठिकाने लगाने और कागजी खानापूर्ति करने का जरिया था?
3- यदि मानसून पूर्व मेंटेनेंस पूरी मुस्तैदी से किया गया था, तो अब अचानक से लाइनों में इतनी कमियां कैसे सामने आने लगी हैं?
4- क्या मानसून पूर्व मेंटेनेंस के दौरान बदले गए पुर्जे घटिया क्वालिटी के थे, जो इतनी जल्दी खराब होने लगे हैं?

# लगातार हो रहे हमलों के विरोध में हड़ताल पर बैठे मेडिकल कॉलेज के जूनियर डॉक्टर्स

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के साथ मारपीट की घटना के विरोध में मंगलवार को सैकड़ों जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर डीन कार्यालय के बाहर धरना दिया। डॉक्टरों की इस हड़ताल से ओपीडी और इलाज की व्यवस्था प्रभावित रही, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को घंटों परेशान होना पड़ा। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार ज्ञानगंगा क्षेत्र के पास चार युवक बाइक फिसलने से घायल हो गए थे। इनमें से एक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लाया गया। डॉक्टर इलाज के दौरान घायल से घटना की जानकारी ले रहे थे। इसी बीच उसके एक साथी ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

जूडा का आरोप है कि घायल युवक शराब के नशे में था और डॉक्टरों के सवाल पूछने पर उसने कहा, तू इलाज कर, ज्यादा सवाल मत पूछ। इसके बाद कहासुनी बढ़ गई और मरीज के साथियों ने जूनियर डॉक्टरों से मारपीट कर दी। आरोप है कि डॉक्टर का कॉलर पकड़कर थप्पड़ मारा गया और एक महिला डॉक्टर से भी अभद्रता की गई। सूचना मिलने पर गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक और उसके साथी अस्पताल छोड़कर जा चुके थे।

***2 हफ्तों में पांचवीं घटना का दावा-*** घटना के विरोध में मंगलवार सुबह से जूनियर डॉक्टरों ने काम बंद कर डीन कार्यालय के बाहर धरना शुरू कर दिया। जूडा अध्यक्ष दीपक तिवारी ने दावा किया कि पिछले 10 दिनों में डॉक्टरों के साथ विवाद की यह पांचवीं घटना है। उनका कहना है कि अस्पताल में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं, जिससे डॉक्टरों में असुरक्षा का माहौल है। इधर प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि एक मरीज के साथ बड़ी संख्या में परिजन और परिचित अस्पताल पहुंचते हैं। उन्हें रोकने या नियम बताने पर विवाद और मारपीट की स्थिति बन जाती है। डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि जब तक अस्पताल में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक उनका धरना जारी रहेगा।

## जबलपुर से होकर गुजरेगी मुंबई-दानापुर स्पेशल ट्रेन

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** यात्रियों की मांग को देखते हुए मध्य रेल द्वारा मुंबई और दानापुर के बीच एकतरफा स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों पर ठहराव देकर गंतव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01081 सीएसएमटी- दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 05 अगस्त को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से मध्यरात्रि 00.30 बजे प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए पश्चिम मध्य रेल के क्षेत्राधिकार में इटारसी दोपहर 13.50 बजे, जबलपुर 17.35 बजे, कटनी 19.20 बजे, सतना 20.55 बजे पहुंचकर तथा अगले दिन सुबह 08 बजे दानापुर पहुंचेगी।

# घर पर नल नहीं, फिर भी आया 22 हजार का जलकर

**जबलपुर (स्वतंत्र मत)।** नगर निगम की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। दरअसल नगर निगम के रांझी जोन (जोन क्रमांक 10) की निवासी एक महिला को बिना नल कनेक्शन के ही 22 हजार रुपये का भारी-भरकम जल कर (वाटर टैक्स) थमा दिया गया। इस मामले में पीड़ित महिला राधा यादव ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर इस गड़बड़ी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला का कहना है कि उनके घर में नगर निगम का कोई भी नल कनेक्शन नहीं है। वे लंबे समय से अपने पड़ोसियों के यहाँ से पानी लाकर अपना गुजारा कर रही हैं। इसके बावजूद नगर निगम द्वारा 22 हजार रुपये का बकाया बिल थमा दिए जाने से वे हैरान और परेशान हैं। इस पूरे मामले पर संभाग क्रमांक 10 के संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा का कहना है कि कंप्यूटर रिकॉर्ड के अनुसार यह गड़बड़ी पुरानी है। उन्होंने बताया कि जब यह क्षेत्र पंचायत से नगर निगम की सीमा में शामिल हुआ था, उसी समय से कंप्यूटर रिकॉर्ड में महिला के नाम पर नल कनेक्शन दर्ज चला आ रहा है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी। ई-मेल-smatjbp1@gmail.com, फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**